राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

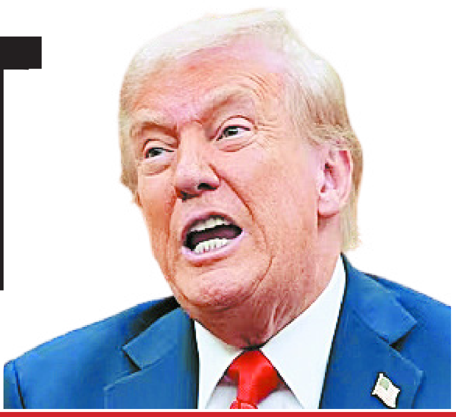

11 वैशाली ने चेस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीता.........

ट्रंप ने दिया मौका भारत ने लपक लिया........ 10

वर्ष : 16 | अंक : 342 | नई दिल्ली, शुक्रवार, 17 अप्रैल, 2026 | विक्रम संवत् 2083 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 22.0°C
न्यूनतम तापमान 20.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	45%
नहीं	45%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना 1,52,099

चांदी 2,92,200

सेंसेक्स 84,233

निफ्टी 25,953

परमाणु ऊर्जा : भारत चुनिंदा देशों की श्रेणी में शामिल, संसद ने जताया वैज्ञानिकों का आभार

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। देश की वैज्ञानिक प्रगति और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि की जानकारी गुरुवार को संसद में रखी गई। राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने सदन को बताया कि 6 अप्रैल 2026 को तमिलनाडु के कल्पक्कम में भारत ने परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। देश के 500 मेगावाट प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर ने पहली बार क्रिटिकलिटी प्राप्त कर ली है। इसका अर्थ है कि रिएक्टर में नियंत्रित और सतत परमाणु श्रृंखला अभिक्रिया सफलतापूर्वक शुरू हो गई है। सदन को अवगत कराते हुए उन्होंने कहा कि यह केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि दो दशकों से अधिक समय तक वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, उद्योगों और परमाणु ऊर्जा विभाग के हजारों कर्मियों के सतत प्रयासों का परिणाम है। यह उपलब्धि भारत के परमाणु ऊर्जा मिशन को मजबूती देने के साथ ही वर्ष नेट-जीरो उत्सर्जन के लक्ष्य की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है। सदन में बताया गया कि इस रिएक्टर का कोर लोडिंग मार्च 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में किया गया था। भारत की परमाणु नीति तीन चरणों पर आधारित है, जिसका उद्देश्य सीमित यूरेनियम संसाधनों और प्रचुर थोरियम भंडार का अधिकतम उपयोग करना है।

पहले चरण में प्राकृतिक यूरेनियम का उपयोग कर प्रेसराइज्ड हेवी वाटर रिएक्टर के माध्यम से प्लूटोनियम तैयार किया जाता है। दूसरे चरण में फास्ट ब्रीडर रिएक्टर के जरिए प्लूटोनियम से अधिक परमाणु ईंधन उत्पन्न किया जाएगा। इस तकनीक की खासियत यह है कि यह जितना ईंधन खर्च करता है, उससे अधिक पैदा भी कर सकता है। तीसरे चरण में थोरियम आधारित रिएक्टर विकसित किए जाएंगे, जिससे दीर्घकालिक और टिकाऊ ऊर्जा भविष्य सुनिश्चित होगा। सदन को यह भी बताया गया कि दिसंबर 2025 में पारित परमाणु ऊर्जा क्षेत्र से संबंधित कानून के माध्यम से इस क्षेत्र को व्यापक भागीदारी के लिए खोला गया है। देश 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा उत्पादन के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह रिएक्टर पूरी तरह स्वदेशी तकनीक से तैयार किया गया है। इसका डिजाइन इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र ने तैयार किया है, जबकि निर्माण भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम द्वारा किया गया है, जिसमें भारतीय उद्योगों की महत्वपूर्ण भागीदारी रही है। गौरतलब है कि देश की इस उपलब्धि के साथ भारत उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में शामिल हो गया है, जिन्होंने इस उन्नत तकनीक में महारत हासिल की है। इसे देश की वैज्ञानिक क्षमता, नवाचार और सामूहिक प्रयास का प्रतीक बताया गया। सदन में कहा गया कि यह उपलब्धि न केवल ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है, बल्कि यह भारत के सुरक्षित, टिकाऊ और आत्मनिर्भर भविष्य की मजबूत नींव भी रखती है।

संक्षिप्त खबरें

भारत-ऑस्ट्रिया के बीच खाद्य सुरक्षा सहित कई समझौते

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ऑस्ट्रिया के चांसलर क्रिश्चियन स्टॉकर के बीच गुरुवार को यहां हैदराबाद हाउस में प्रतिनिधिमंडल स्तर की महत्वपूर्ण वार्ता हुई। इस दौरान दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की गई। दोनों देशों के बीच खाद्य सुरक्षा सहित कई समझौते हुए। बैठक में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल भी मौजूद रहे। वार्ता में व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी और वैश्विक मुद्दों पर सहयोग बढ़ाने के उपायों पर विचार-विमर्श किया गया। इससे पहले चांसलर स्टॉकर ने नई दिल्ली स्थित राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने वहां पुष्पांजलि अर्पित करते हुए गांधीजी के शांति, अहिंसा और वैश्विक सद्भाव के संदेश को याद किया।

उप राज्यपाल ने की दिल्ली फायर सर्विस के कामकाज की समीक्षा

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में अग्नि सुरक्षा तंत्र को और अधिक आधुनिक, प्रभावी और नागरिक-अनुकूल बनाने के लिए उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने कमर कस ली है। दिल्ली फायर सर्विस के कामकाज की समीक्षा करते हुए एलजी ने स्पष्ट किया कि सुरक्षा मानकों से समझौता किए बिना आम जनता और व्यापारियों के लिए 'ईज ऑफ लिविंग' सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकता है। बैठक के दौरान उपराज्यपाल ने दिल्ली फायर सर्विस के आधुनिकीकरण और बुनियादी ढांचे के अपग्रेड की समीक्षा की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दिल्ली जैसे महानगर में जहां संकरी गलियां और ऊंची इमारतें एक बड़ी चुनौती हैं, वहां इमरजेंसी रेस्पॉन्स सिस्टम प्रणाली को विश्वस्तरीय बनाना अनिवार्य है।

दिल्ली सरकार के चार आईटीआई में हाई-टेक लैब्स की शुरूआत जल्द : सीएम

बोलीं, उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप तैयार होंगे दिल्ली के युवा

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राजधानी के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा को मजबूत करने के लिए व्यापक पहल की घोषणा की है। कौशल विकास के क्षेत्र की इस पहल के तहत राजधानी की चार आईटीआई में नई अत्याधुनिक लैब्स स्थापित की जाएंगी और मौजूदा लैब्स को आधुनिक बनाया जाएगा ताकि प्रशिक्षण पूरी तरह वर्तमान उद्योग मानकों और जरूरतों के अनुरूप हो सके। साथ ही, रोजगार क्षमता और तकनीकी दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि हो सके। मुख्यमंत्री ने बताया कि आईटीआई जहांगीर पुरी में पावर इलेक्ट्रॉनिक्स लैब स्थापित की जाएगी। यह लैब पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल कंट्रोल सिस्टम, इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन और रिन्यूएबल एनर्जी जैसे क्षेत्रों में उन्नत प्रशिक्षण प्रदान करेगी। लैब में पीएलसी किट, वीएफडी ट्रेनर, ट्रांसफॉर्मर ट्रेनर, मोटर कंट्रोल पैनल, रिले एवं प्रोटेक्शन सिस्टम, सोलर पीवी ट्रेनिंग किट और स्मार्ट एनर्जी मॉनिटरिंग सिस्टम जैसे आधुनिक उपकरण लगाए जाएंगे। इससे प्रशिक्षुओं को आधुनिक इलेक्ट्रिकल और पावर इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम्स के संचालन, खराबी की पहचान और रखरखाव का व्यापक व्यावहारिक अनुभव मिलेगा। यह पहल संस्थान को पावर इंजीनियरिंग के क्षेत्र में एक आधुनिक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में बदलने के साथ-साथ प्रशिक्षण को उद्योग की वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप बनाएगी और प्रशिक्षुओं की तकनीकी दक्षता व रोजगार क्षमता को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाएगी। इस लैब से इलेक्ट्रीशियन, इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक, मैकेनिक ऑटो इलेक्ट्रिकल ऐंड इलेक्ट्रॉनिक्स (एमएईई), सोलर टेक्नीशियन, फिटर, मैकेनिक रेफ्रीजरेशन ऐंड एयर कंडीशनिंग (एमआरएसी) और मैकेनिक मोटर व्हीकल (एमएमवी) ट्रेड के प्रशिक्षुओं को लाभ मिलेगा। इन ट्रेड्स में कुल 480 स्टूडेंट्स को ट्रेनिंग दी जा सकेगी। मुख्यमंत्री के अनुसार इसी कड़ी में आईटीआई जेल रोड (हरि नगर) में वेल्डर लैब का व्यापक आधुनिकीकरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस लैब में उन्नत वेल्डिंग मशीनें, सिमुलेशन आधारित प्रशिक्षण सुविधाएं और आधुनिक फैब्रिकेशन टूल्स स्थापित किए जाएंगे, जिससे प्रशिक्षुओं को आधुनिक औद्योगिक वेल्डिंग प्रक्रियाओं का व्यावहारिक अनुभव मिल सके। अपग्रेडेड लैब में आर्क वेल्डिंग (पारंपरिक विद्युत वेल्डिंग), एमआईजी/टीआईजी वेल्डिंग (गैस आधारित उच्च गुणवत्ता वेल्डिंग), गैस कटिंग, प्लाज्मा कटिंग, वेल्डिंग सिमुलेटर और मेटल फैब्रिकेशन वर्कस्टेशन जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे प्रशिक्षुओं में सटीकता, सुरक्षा जागरूकता और औद्योगिक वेल्डिंग व फैब्रिकेशन तकनीकों में दक्षता विकसित होगी। यह पहल न केवल स्किल डेवलपमेंट को मजबूत करेगी, बल्कि प्रशिक्षण को वर्तमान मैन्युफैक्चरिंग और फैब्रिकेशन उद्योग मानकों के अनुरूप बनाते हुए इस सुविधा को एक उन्नत वेल्डिंग प्रशिक्षण केंद्र में परिवर्तित करेगी, जिससे रोजगार के साथ-साथ अप्रेंटिसशिप के अवसर भी बढ़ेंगे। इस लैब से वेल्डर, फिटर, टर्नर (धातु को मशीन द्वारा आकार देने वाला विशेषज्ञ), मैकेनिक मोटर वाहन और शीट मेटल वर्कर (शीट धातु कार्य विशेषज्ञ) ट्रेड के प्रशिक्षुओं को लाभ मिलेगा। इन ट्रेड्स में कुल 200 स्टूडेंट्स को ट्रेनिंग दी जा सकेगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि आईटीआई अरब की सराय (निजामुद्दीन) में ऑटोमोटिव सेक्टर की लैब्स को आधुनिक तकनीकों के साथ अपग्रेड किया जाएगा। यहां उच्च स्तरीय वर्चुअल रियलिटी (वीआर) सिमुलेटर के माध्यम से ड्राइविंग, वेल्डिंग और पेंटिंग की ट्रेनिंग दी जाएगी, जिससे प्रशिक्षुओं को सुरक्षित और यथार्थपरक वातावरण में जटिल कौशल सीखने का अवसर मिलेगा। साथ ही एबीएस (एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम), एयरबैग सिस्टम जैसी उन्नत वाहन तकनीकों पर विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल स्थापित किए जाएंगे। इससे प्रशिक्षुओं को आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक वाहन प्रणालियों की जांच और मरम्मत का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होगा। यह पहल संस्थान को एक अत्याधुनिक, स्टेट-ऑफ-द-आर्ट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में परिवर्तित करेगी। साथ ही पाठ्यक्रम को वर्तमान उद्योग मानकों के अनुरूप बनाएगी और प्रशिक्षुओं की समग्र रोजगार क्षमता को

सड़क-रेल विकास नहीं, ये है असली तरक्की! संसद में पीएम मोदी का बड़ा बयान

कहा- विकसित भारत के लिए महिलाओं की पूर्ण भागीदारी जरूरी

प्रात : किरण, एजेंसी

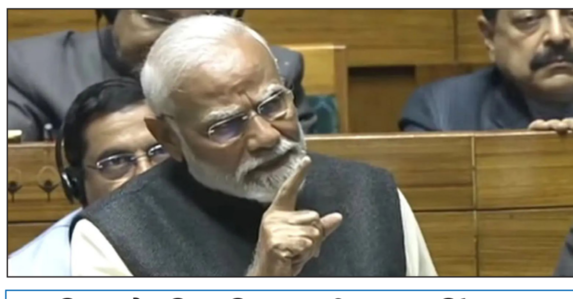

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (वेब वार्ता)। महिला आरक्षण कानून में संशोधन से जुड़े तीन महत्वपूर्ण विधेयकों पर लोकसभा में चल रही चर्चा के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सदन को संबोधित किया। पीएम मोदी ने इस पल को देश के लिए ऐतिहासिक करार देते हुए कहा कि महिला आरक्षण केवल एक कानून नहीं, बल्कि विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि की ओर एक बड़ा कदम है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस चर्चा और मंथन से जो परिणाम निकलेंगे, वे आने वाले समय में देश की राजनीति का नया स्वरूप तय करेंगे। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में जोर देकर कहा कि 21वीं सदी का भारत आज नए आत्मविश्वास के साथ वैश्विक पटल पर अपनी पहचान बना रहा है। उन्होंने विकसित भारत की परिभाषा को स्पष्ट करते हुए कहा कि इसका मतलब केवल सड़कों, रेल नेटवर्क या बुनियादी ढांचे के आंकड़ों तक सीमित नहीं है। असली विकास तब है जब देश की नीति निर्धारण प्रक्रिया में आधी आबादी मतलब महिलाएं पूरी तरह से भागीदार बनें। पीएम मोदी ने स्वीकार किया कि इस दिशा में पहले ही काफी देरी हो चुकी है और अब इसे स्वीकार करने का समय आ गया है। सदन में मौजूद विपक्षी दलों और नेताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने मित्र के तौर पर एक सलाह भी दी। उन्होंने कहा कि जो लोग केवल राजनीतिक नफा-नुकसान की दृष्टि से सोचते हैं, उन्हें इस विषय की गंभीरता और राष्ट्रीय महत्व को समझना चाहिए।

दुनिया के लिए विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करेंगे भारत और ऑस्ट्रिया : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि ऑस्ट्रिया के चांसलर क्रिश्चियन स्टॉकर की भारत यात्रा से दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश के क्षेत्र में नयी ऊर्जा आयेगी और ऑस्ट्रिया की विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता तथा भारत की गति और पैमाना दुनिया के लिए विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करेगा। दोनों देश रक्षा, सेमीकन्डक्टर, क्वांटम और जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी अपनी साझेदारी को सुदृढ करेंगे। भारत और आस्ट्रिया ने शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये हैं और माइग्रेशन एंड मोबिलिटी एग्रीमेंट को नर्सिंग क्षेत्र में भी आगे बढाने का निर्णय लिया है। दोनों देशों ने युवा आदान प्रदान कार्यक्रम के तहत हॉलिडे प्रोग्राम शुरू करने की भी घोषणा की है। श्री मोदी ने भारत यात्रा पर आये श्री स्टॉकर के साथ वार्ता के बाद गुरुवार को यहां संयुक्त प्रेस वक्तव्य में कहा कि भारत-आस्ट्रिया साझेदारी को नवाचार और भविष्य की जरुरतों पर आधारित बनाये जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों का मजबूती से मानना है कि सैन्य टकरावों से समस्याओं का समाधान संभव नहीं और हम यूक्रेन तथा पश्चिम एशिया में स्थायी शांति के पक्षधर हैं।

संसद में महिला आरक्षण संशोधन समेत तीन बिल पेश

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के विशेष सत्र में बुधवार को महिला आरक्षण कानून से जुड़े तीन अहम विधेयक पेश किए गए। इनमें संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 और डिलिमिटेशन बिल, 2026 को कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने पेश किया, जबकि गृहमंत्री अमित शाह ने केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 सदन में रखा। विपक्ष ने इन विधेयकों का विरोध शुरू कर दिया है। सबसे पहले कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा कि सरकार संविधान को हाईजैक करना चाहती है। इसके बाद समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा कि जब तक मुस्लिम महिलाओं को आरक्षण नहीं दिया जाएगा, तब तक इस कानून का कोई अर्थ नहीं है। इस पर गृहमंत्री अमित शाह ने जवाब दिया कि धर्म के आधार पर आरक्षण असंवैधानिक है और इसका सवाल ही नहीं उठता। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी कहा कि देश आधी आबादी को आरक्षण चाहता है, लेकिन मुस्लिम महिलाओं के लिए क्या प्रावधान है। इस पर अमित शाह ने पलटवार करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी चाहे तो अपनी टिकटें मुस्लिम महिलाओं को दे सकती है, इसमें सरकार को कोई आपत्ति नहीं होगी। संशोधन बिल में लोकसभा की कुल सीटें 543 से बढ़ाकर 850 करने का प्रस्ताव है। इसमें राज्यों के लिए 815 और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 35 सीटें तय की जाएंगी। परिसीमन की प्रक्रिया के बाद सीटों का सटीक निर्धारण होगा। प्रस्तावित संशोधन के तहत 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी।

बिरला का राहुल पर तंज: सिर्फ आपका ही माइक बंद होता है

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में बृहस्पतिवार को जब नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कांग्रेस सदस्य केसी वेणुगोपाल का माइक बंद होने को लेकर संदेह जताया तो अध्यक्ष ओम बिरला ने तंज कसते हुए कहा, सिर्फ आपका ही माइक बंद होता है, इनका नहीं होता। इस पर सदन में सदस्यों के ठहाके सुने गए। वेणुगोपाल सदन में महिला आरक्षण अधिनियम से संबंधित संविधान (131वां) संशोधन विधेयक 2026, परिसीमन विधेयक, 2026 और संघ राज्य विधि (संशोधन) विधेयक, 2026 पेश किये जाने का विरोध करते हुए अपनी बात रख रहे थे। जब वेणुगोपाल ने बोलना शुरू किया तो राहुल गांधी ने उनका माइक बंद होने की शंका जताई। इस पर बिरला ने राहुल गांधी से मजाकिया अंदाज में कहा, चालू है, माइक चालू है सिर्फ आपका ही बंद होता है, इनका बंद नहीं होता। यह सुनते ही सदस्य ठहाके लगाने लगे। दरअसल अध्यक्ष की यह टिप्पणी राहुल गांधी और कांग्रेस नेताओं के इन आरोपों की पृष्ठभूमि में आई है कि नेता प्रतिपक्ष को सदन में बोलने नहीं दिया जाता और उनका माइक बंद कर दिया जाता है। वहीं, अध्यक्ष बार-बार यह बात कहते रहे हैं कि माइक बंद करने के लिए आसन के पास कोई बटन नहीं है और आसन से माइक चालू या बंद नहीं किया जाता।

नितिन नवीन, रामनाथ ठाकुर, सिंघवी सहित नवनिर्वाचित सदस्यों ने राज्यसभा की सदस्यता की शपथ ली

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बृहस्पतिवार को अन्य नवनिर्वाचित सदस्यों के साथ राज्यसभा की सदस्यता की शपथ ली। उच्च सदन की बैठक शुरू होने के बाद सभापति सी पी राधाकृष्णन ने नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई। नितिन नवीन ने हिंदी में शपथ ली। सदन में मौजूद सदस्यों ने मेजें थपथपाकर उनका स्वागत किया। नवीन उच्च सदन में बिहार का प्रतिनिधित्व करेंगे। सभापति सी पी राधाकृष्णन ने उन्हें और शपथ लेने वाले अन्य सदस्यों को बधाई दी। शपथ लेने वाले अन्य सदस्यों में असम से भाजपा के तेराश गोवाला और जोगेन मोहन, यूपीपी(एल) के प्रमोद बोरो, बिहार से राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) के उपेंद्र कुशवाहा, जनता दल (यूनाइटेड) के रामनाथ ठाकुर, भाजपा के शिवेश कुमार, छत्तीसगढ़ से भाजपा की लक्ष्मी वर्मा और कांग्रेस की फूलो देवी नेताम, हरियाणा से कांग्रेस के करमवीर सिंह बौद्ध और भाजपा के संजय भाटिया, हिमाचल प्रदेश से कांग्रेस के अनुराग शर्मा, महाराष्ट्र से भाजपा के विनोद श्रीधर तावड़े, ओडिशा से भाजपा के सुजीत कुमार, तेलंगाना से कांग्रेस के डॉ अभिषेक मनु सिंघवी तथा वेम नरेन्द्र रेड्डी शामिल हैं।

गृह मंत्री ने मुस्लिम कोटा मांग को बताया असंवैधानिक और जनगणना पर दिया बड़ा बयान..........

संसद में महिला आरक्षण और जाति जनगणना पर अमित शाह और अखिलेश यादव के बीच तीखी बहस

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के विशेष सत्र में महिला आरक्षण और परिसीमन विधेयकों पर चर्चा के दौरान जाति जनगणना को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जोरदार टकराव देखने को मिला। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के आरोपों का जवाब देते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सदन में स्पष्ट किया कि सरकार जनगणना के साथ-साथ जाति आधारित गणना भी कराएगी। शाह ने बताया कि जनगणना की प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है और इसमें जाति का कॉलम शामिल करने को औपचारिक मंजूरी दे दी गई है। उन्होंने विपक्ष के उन दावों को सिरे से खारिज कर दिया कि सरकार इस मुद्दे पर भ्रम फैला रही है। चर्चा के दौरान समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद्र यादव ने ओबीसी और मुस्लिम महिलाओं के लिए अलग से आरक्षण की मांग उठाई, जिस पर गृह मंत्री अमित शाह ने कड़ा रुख अपनाया। शाह ने दो टूक शब्दों में कहा कि धर्म के आधार पर आरक्षण देना पूरी तरह असंवैधानिक है और सरकार इस पर कोई समझौता नहीं करेगी। उन्होंने सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि यदि उनका बस चले तो वे घरों की भी जाति तय कर दें। गृह मंत्री ने दोहराया कि आरक्षण व्यवस्था संविधान के दायरे में ही रहेगी और किसी भी असंवैधानिक मांग को स्वीकार नहीं किया जाएगा। सपा सांसदों ने लोकसभा में पेश किए गए तीनों विधेयकों का विरोध करते हुए इसे लोकतांत्रिक ढांचे को कमजोर करने की कोशिश बताया। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि सरकार महिला आरक्षण विधेयक के जरिए भविष्य की आरक्षण व्यवस्था को प्रभावित करना चाहती है। इन आरोपों को खारिज करते हुए अमित शाह ने कहा कि सरकार पूरी तरह पारदर्शी है और आगामी जनगणना में हर पहलू को शामिल किया जाएगा। 18 घंटे की इस मैराथन चर्चा के बीच सदन में भारी हंगामा देखने को मिला, जहाँ दोनों पक्षों ने एक-दूसरे की नीतियों और मंशा पर गंभीर सवाल खड़े किए।

लोकसभा में पेश किया गया संविधान संशोधन विधेयक 2026

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में गुरुवार को संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 को पेश करने की मंजूरी मिल गई। महिलाओं के आरक्षण और परिसीमन को लागू करने के उद्देश्य से लाए गए इस अहम विधेयक को सदन में मत विभाजन के बाद स्वीकृति दी गई। विपक्ष की मांग पर वोटिंग की औपचारिक प्रक्रिया अपनाई गई, जिसके बाद मत विभाजन कराया गया। इस दौरान 251 सांसदों ने विधेयक के समर्थन में वोट दिया जबकि 185 सांसदों ने इसका विरोध किया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने परिणाम घोषित करते हुए बताया कि आंकड़े परिवर्तन के अधीन हो सकते हैं। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सदन में खड़े होकर इस विधेयक को पेश किया, जो विधायी प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इससे पहले भी सांसदों ने इस बिल को चर्चा के लिए पेश करने के पक्ष में मतदान किया था। इस दौरान संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 के साथ-साथ परिसीमन विधेयक, 2026 और केंद्रशासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 भी लोकसभा में पेश किए गए। आमतौर पर लोकसभा में प्रस्तावों को ध्वनि मत से पारित किया जाता है लेकिन जब किसी निर्णय पर विवाद होता है, तो डिवीजन यानी मत विभाजन की प्रक्रिया अपनाई जाती है। इस प्रक्रिया में ऑटोमेटिक वोट रिकॉर्डर सिस्टम का उपयोग किया जाता है, जिसमें सांसद हां, ना या अनुपस्थित के रूप में अपना वोट दर्ज करते हैं। मत विभाजन के बाद वोट स्लिप्स का भी इस्तेमाल किया गया। इस दौरान कुल 333 सांसदों ने मतदान किया और इस चरण में किसी ने भी मतदान से परहेज नहीं किया। लोकसभा के महासचिव उत्पल सिंह ने सदन को वोटिंग प्रक्रिया की जानकारी देते हुए बताया कि अगर कोई सदस्य अपना वोट बदलना चाहता है, तो वह स्लिप के माध्यम से ऐसा कर सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वोट तभी मान्य होगा, जब सदस्य पहली घंटी के बाद और दूसरी घंटी से पहले सही समय पर बटन दबाएंगे। सांसद अपने वोट को व्यक्तिगत परिणाम बोर्ड पर भी देख सकते हैं। विपक्ष ने महिला आरक्षण विधेयक को पेश किए जाने के दौरान मत विभाजन की मांग की थी।

संक्षिप्त समाचार

पेयजल संकट: लोगों को नहीं मिल रहा पानी, 10 हजार से अधिक की आबादी प्रभावित

नैनीताल, एजेंसी। हल्द्वानी के कई इलाकों में गर्मी बढ़ते ही पेयजल संकट गहरा गया है। तीन ट्यूबवेल लंबे समय से खराब होने के कारण करीब 10 हजार की आबादी पानी के लिए परेशान है। हल्द्वानी में रामणी आन सिंह के चार गांवों के साथ ही खेमपुर कठघरिया और गुजरौड़ा में गर्मी बढ़ने के साथ ही पानी का संकट होने लगा है। लंबे समय से खराब पड़े तीन ट्यूबवेल दुरुस्त न होने से 10 हजार की आबादी पानी के लिए तरस रही है। ऐसे में मजबूरन लोगों को टैंकर मंगाने पड़ रहे हैं। रामणी जसवा, छोटी रामणी, खेमपुर, नरीपुर, गुजरौड़ा, मंगल विहार, धुनी नंबर-एक। इन क्षेत्रों में सिंचाई नलकूप खंड और पेयजल निगम भीमताल के ट्यूबवेल हैं।शहर में गर्मी बढ़ने पर पेयजलापूर्ति प्रभावित होने लगी है। मंगलवार को दमुवाढूंगा के मल्ला प्लॉट, कुसुमखेड़ा और चौफुला क्षेत्र में हरिपुर गांगू में टैंकरों से पानी वितरित किया गया। मल्ला प्लॉट में सालभर टैंकरों से ही काम चलाना पड़ता है। लोग वहां सड़क पर पानी इकट्ठा कर पाइप आदि के जरिए घर तक पहुंचाते हैं। 10 से अधिक परिवार यहां वर्षों से प्रभावित हैं। एक टैंकर पानी की कीमत 500 से 700 रुपये है। जल संस्थान की ओर से इन दिनों 25 से 30 टैंकर पानी की सप्लाई की जा रही है। सामान्य दिनों में यह संख्या 10 से 15 के आसपास रहती है। तकोनिया परिसर स्थित जल संस्थान का ट्यूबवेल दुरुस्त न होने से टैंकरों को पानी भरने के लिए तीन किमी दूर शीशमहल जाना पड़ रहा है। जल संस्थान के अधिकारियों ने बताया कि इस ट्यूबवेल से अधिकतर टैंकर ही पानी भरते हैं। इसे ठीक होने से तीन से चार दिन लगेंगे।

गैस संकट: सात फेरे से पहले सात सिलिंडर के लिए भटक रहा दूल्हा

ऊधम सिंह नगर, एजेंसी। खटीमा के दियां गांव में शादी से पहले दूल्हा गैस सिलिंडरों की कमी को लेकर परेशान नजर आया जिसके बाद उसने तहसीलदार को पत्र लिखकर सात गैस सिलिंडर उपलब्ध कराने की गुहार लगाई है।खटीमा के दियां गांव निवासी विजय अपनी शादी के लिए सिलिंडर की मांग की है। विजय की शादी 29 अप्रैल को तय हुई है। उन्होंने तहसीलदार को पत्र लिखकर सात गैस सिलिंडर उपलब्ध कराने की गुहार लगाई है। उनका कहना है कि विवाह में भोजन व्यवस्था के लिए पर्याप्त ईंधन जरूरी है ताकि मेहमानों को सम्मानपूर्वक भोजन कराया जा सके।ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े समारोहों में अक्सर ईंधन की कमी की समस्या सामने आती है और विजय की यह मांग उसी चिंता को उजागर करती है। सात फेरे से पहले सात सिलिंडर की चिंता में दूल्हा परेशान है और इसके लिए इधर से उधर भटक रहा है लेकिन तहसीलदार ने इस पत्र को गंभीरता से लेते हुए गैस एजेंसी को निर्देशित किया है कि विवाह के अवसर पर आवश्यक सिलिंडर उपलब्ध कराए जाएं।

कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में बनेगा तेंदुआ पार्क, पर्यटकों को मिलेगा नया सफारी अनुभव

नैनीताल, एजेंसी। कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में पर्यटकों को जल्द ही तेंदुओं के दीदार का नया अनुभव मिलने जा रहा है जहां प्रस्तावित तेंदुआ पार्क के जरिए सुरक्षित माहौल में नजदीक से वन्यजीवों को देखने की सुविधा विकसित की जाएगी। कॉर्बेट टाइगर रिजर्व (सीटीआर) में जल्द ही पर्यटकों को तेंदुए के दीदार का नया अनुभव मिलने जा रहा है। पार्क अधिकारियों ने यहां तेंदुआ पार्क बनाने की योजना बनाई है। इसके लिए भूमि चिह्नीकरण का कार्य किया जाना है। इसी क्रम में एनटीसीए को प्रस्ताव भेजा जा रहा है।सीटीआर और उससे सटे वन प्रभागों में बीते कुछ वर्षों में बाघों की संख्या तेजी से बढ़ी है। ऐसे में बाघों ने तेंदुओं को जंगल से बाहर खदेड़ दिया है। इससे लोगों पर तेंदुओं के हमलों की घटनाएं बढ़ी हैं। ऐसे तेंदुओं को रखने के लिए तेंदुआ पार्क बनाने की योजना बनाई गई है। इसे चारों ओर से दीवार और फेंसिंग से बंद किया जाएगा। पर्यटक बंद गाड़ियों में भ्रमण कर तेंदुए के नजदीक से दीदार कर सकेंगे।

मेडिकल कॉलेज को मिलेगा 99 का साथ, मरीजों को मिलेगा उपचार

अल्मोड़ा, एजेंसी। सोबन सिंह जीना राजकीय आयुर्विज्ञान एवं शोध संस्थान (मेडिकल कॉलेज) में आने वाले मरीजों के लिए राहत भरी खबर है। एमबीबीएस अंतिम वर्ष के 99 छात्र-छात्राएं जल्द ही पास होकर मई से मेडिकल कॉलेज के अधीन बेस अस्पताल में अपनी सेवाएं देंगे।पहले से ही चिकित्सकों की कमी से जूझ रहे मेडिकल कॉलेज के लिए यह किसी संजीवनी से कम नहीं होगा।

हाईकोर्ट के आदेश के बाद जजों के हुए तबादले, योगेन्द्र कुमार सागर बने बागेश्वर के सिविल जज सीनियर डिवीजन

नैनीताल, एजेंसी। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने राज्यभर में न्यायिक अधिकारियों के बड़े स्तर पर तबादले और नई तैनातियों के आदेश जारी किए हैं। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने बुधवार को न्यायिक अधिकारियों के व्यापक स्तर पर तबादले और तैनाती संबंधी आदेश जारी किए हैं। जारी अधिसूचना के अनुसार राज्य के विभिन्न जिलों में कार्यरत जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अतिरिक्त जिला न्यायाधीशों के पदों पर फेरबदल किया गया है। जारी अधिसूचना के अनुसार सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ऊधमसिंह नगर के योगेन्द्र कुमार सागर को स्थानांतरित कर सिविल जज (सीनियर डिवीजन), बागेश्वर के पद पर नियुक्त किया गया है। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, देहरादून रिंकी साहनी को स्थानांतरित कर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, टिहरी गढ़वाल के पद पर नियुक्त किया गया। इसी क्रम में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, नैनीताल रवि प्रकाश को स्थानांतरित कर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट देहरादून, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट टिहरी गढ़वाल मोहम्मद याकूब को स्थानांतरित कर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अल्मोड़ा, सिविल जज (सीनियर डिवीजन) रुड़की जिला हरिद्वार रितिका सेमवाल को स्थानांतरित कर अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एनआई एक्ट विशेष न्यायालय, रुद्रपुर, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पिथौरागढ़ संजय सिंह को स्थानांतरित कर प्रथम अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट देहरादून, सिविल जज (सीनियर डिवीजन) विकासनगर देहरादून रवि शंकर मिश्रा को स्थानांतरित कर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नैनीताल, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अल्मोड़ा शाची शर्मा को स्थानांतरित कर अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एनआई एक्ट विशेष न्यायालय काशीपुर, ओएसडी/उप सचिव उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल अभिषेक कुमार श्रीवास्तव को प्रत्यावर्तित करते हुए स्थानांतरित कर सिविल जज (सीनियर डिवीजन) विकासनगर (जिला

देहरादून) के पद पर नियुक्त किया गया। अध्यक्ष वाणिज्यिक कर अधिकरण उत्तराखंड देहरादून मलिक मजहर सुल्तान को प्रतिनियुक्ति से वापस लेते हुए स्थानांतरित कर जिला एवं सत्र न्यायाधीश उत्तरकाशी के पद पर तैनाती दी गई है। न्यायाधीश परिवार न्यायालय अल्मोड़ा नीना अग्रवाल को स्थानांतरित कर जिला एवं सत्र न्यायाधीश रुद्रप्रयाग अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय काशीपुर मोनिका मित्तल को स्थानांतरित कर प्रथम अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश देहरादून, प्रथम अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश देहरादून महेश चन्द्र कौशिवा को द्वितीय अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश देहरादून, प्रथम अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश रुड़की जिला हरिद्वार अम्बिका पंत को स्थानांतरित कर एफटीसी/अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश पॉक्सो उधमसिंह नगर, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश कोटद्वार जिला पौड़ी गढ़वाल रीना नेगी को स्थानांतरित कर प्रथम अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश रुड़की, प्रथम अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश उधम सिंह नगर आशुतोष कुमार मिश्रा को स्थानांतरित कर द्वितीय अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश रुड़की, रजिस्ट्रार (न्यायिक) उत्तराखंड उच्च न्यायालय नैनीताल धर्मेन्द्र सिंह अधिकारी को स्थानांतरित कर द्वितीय अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश हल्द्वानी जिला नैनीताल के पद पर तैनात किया गया है। चतुर्थ अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश हरिद्वार राजो कुमार श्रीवास्तव को स्थानांतरित कर प्रथम अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश उधमसिंह नगर, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश/फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालय पॉक्सो रजनी शुक्ला देहरादून को स्थानांतरित कर अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश कोटद्वार जिला पौड़ी गढ़वाल, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश रानीखेत जिला अल्मोड़ा अंजलि नोलियाल को स्थानांतरित कर अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश खटीमा जिला उधम सिंह नगर, द्वितीय अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश देहरादून विवेक श्रीवास्तव को तृतीय अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश देहरादून, द्वितीय अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश हल्द्वानी सविता चमोली को एफटीसी/अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश पॉक्सो हल्द्वानी, तृतीय अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश देहरादून मदन राम को चतुर्थ अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश देहरादून, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश खटीमा मंजू सिंह मुंडे को स्थानांतरित कर एफटीसी/अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश पॉक्सो देहरादून, चतुर्थ अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश देहरादून अंजलि बेनजवाल पंचम अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश देहरादून, अतिरिक्त प्रिंसीपल जज फैमली कोर्ट रूडकी धीरेंद्र भट्ट को रजिस्ट्रार (न्यायिक), उत्तराखंड उच्च न्यायालय, नैनीताल के पद पर तैनात किया गया है।

महंगाई नियंत्रण के लिए मंडी में खोले जाएंगे रिटेल काउंटर, सीएम के निर्देश पर मंडी अध्यक्ष ने की बैठक

नैनीताल, एजेंसी। मुख्यमंत्री के निर्देश पर हल्द्वानी मंडी में महंगाई नियंत्रण के लिए सख्त कदम उठाए गए हैं। हर मंडी समिति में पांच रिटेल काउंटर खोलने के जाएगे। हल्द्वानी में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर उत्तराखंड मंडी परिषद के अध्यक्ष डॉ. अनिल कपूर डब्बू ने महंगाई नियंत्रण के मुद्दे पर अधिकारियों और सचिवों के साथ बैठक की। इसमें फल, सब्जी और अन्य आवश्यक वस्तुओं को उचित मूल्य पर उपलब्ध कराने संबंधी निर्णय लिए गए। बैठक में तय किया गया कि प्रत्येक मंडी समिति में पांच बड़े रिटेलर काउंटर खोले जाएंगे। इनसे जनता को सस्ते और उचित मूल्य पर फल, सब्जी व दैनिक वस्तुएं मिलेंगी। सचिवों को प्रतिदिन तीन सदस्यीय सचल दल गठित करने का निर्देश दिया गया। यह दल बाजार का भ्रमण कर दैनिक खुदरा दरों का आकलन करेगा। बोर्ड मुख्यालय को

सूचना दी जाएगी। समिति के अधीन आने वाले क्षेत्र खुदरा व्यापारियों को लाइसेंस जारी होंगे। मोबाइल वैन से भी सस्ती सामग्री मिलेगी। अध्यक्ष डॉ. अनिल कपूर ने कहा कि चारधाम यात्रा और पर्यटन सीजन में महंगी सामग्री बेचने वालों पर तत्काल कार्रवाई होगी। बैठक में निदेशक मंडी परिषद हेमंत वर्मा और महाप्रबंधक निर्मला बिष्ट सहित कई अधिकारी मौजूद रहे जबकि वर्चुअल माध्यम से सभी मंडी के अधिकारी जुड़े रहे। मंडी परिसर के सफाई कर्मचारियों ने वेतन और पीएफ का भुगतान न होने पर बुधवार को कार्य बहिष्कार किया। उन्होंने ठेकेदार पर समय पर वेतन न देने और पीएफ कटौती न करने का आरोप लगाया। उन्होंने समय पर वेतन देने और अनिवार्य रूप से पीएफ जमा कराने की मांग की। कर्मचारियों ने कहा कि यदि बृहस्पतिवार सुबह 11 बजे तक वेतन भुगतान न हुआ तो वह कार्य बहिष्कार जारी रखेंगे। इस संबंध में उन्होंने मंडी सचिव को ज्ञापन भी दिया है। वहां अमित, सचिन, नरथ पाल, रोहित, राजेंद्र, नरेश, अर्जुन कुमार, सोनू और रामू कश्यप आदि शामिल थे। संवाद

हल्द्वानी के मंडी परिसर में लगाए जा रहे बूम बैरियर के मुद्दे पर व्यापारियों ने मंडी सचिव को ज्ञापन सौंपा है। आलू-फल आढ़ती व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष कैलाश जोशी ने बताया कि कृषि उत्पादन सीजन में मंडी में वाहनों का अत्यधिक दबाव रहता है। इससे लंबा जाम लग जाता है। उन्होंने कहा कि व्यापारियों को बूम बैरियर कैसे काम करेगा इसकी कोई जानकारी नहीं दी गई है। अध्यक्ष डब्बू ने बताया कि मंडी में हुए दोहरे हत्याकांड के बाद सुरक्षा कारणों से यह निर्णय लिया गया था।

बागेश्वर के शामा में शराब की दुकान को लेकर टकराव, कुछ लोग कर रहे समर्थन बढ़ी सियासत

बागेश्वर, एजेंसी। जिले के शामा क्षेत्र में शराब की दुकान हटाने की मांग को लेकर माहौल लगातार गर्माता जा रहा है। एक ओर जहां जिला पंचायत सदस्य समेत ग्रामीण भूख हड़ताल पर बैठे हैं, वहीं दूसरी ओर इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहे एक वीडियो ने पूरे विवाद को नया मोड़ दे दिया है।प्रसारित वीडियो में क्षेत्र के ही कुछ लोग शराब की दुकान के समर्थन में अपनी बात रखते नजर आ रहे हैं। वीडियो के सामने आने के बाद क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं तेज हो गई हैं और लोगों के बीच मतभेद साफ तौर पर उभरकर सामने आ रहे हैं।स्थानीय लोगों का कहना है कि पहाड़ में बढ़ती शराबखोरी समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय बन चुकी है और इसके विरुद्ध उठ रही आवाजों को कमजोर करने के लिए इस तरह के वीडियो प्रसारित किए जा रहे हैं। वहीं, कुछ लोग शराब की दुकान को राजस्व तथा सुविधा से जोड़ते हुए इसके पक्ष में भी अपनी राय रख रहे हैं। इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर इस वीडियो को लेकर लोगों की तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। कई लोग इसे सामाजिक विडंबना बता रहे हैं, तो कुछ इसे व्यक्तिगत स्वतंत्रता और आर्थिक पहलू से जोड़कर देख रहे हैं। फिलहाल प्रशासन पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है और क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के प्रयास जारी हैं। इधर, शामा में आंदोलन का नेतृत्व कर रहे भूपेंद्र सिंह कोरंगा ने कहा कि यह आंदोलन को कमजोर करने की साजिश है।

ग्लोबल वार्मिंग से तप रहा हिमालय, सदी के अंत तक पांच से छह डिग्री बढ़ सकता है तापमान

देहरादून, एजेंसी। ग्लोबल वार्मिंग से हिमालय तप रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि तेजी से बढ़ती मानवीय गतिविधियां व असंतुलित विकास हिमालय के संवेदनशील पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही हैं। ग्लोबल वार्मिंग, अनियंत्रित मानवीय हस्तक्षेप और असंतुलित विकास का असर अब मध्य और उच्च हिमालयी क्षेत्रों में साफ दिखने लगा है। वैज्ञानिकों के ताजा अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि मौजूदा हालात जारी रहे तो इस सदी के अंत तक हिमालय का औसत तापमान 5 से 6 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है, जो पूरे पारिस्थितिकी तंत्र के लिए गंभीर खतरा स्थित जीबी पंत अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (जीबीपीआईईटी) में हिमालय में आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए टिकाऊ बुनियादी ढांचा विषय पर आयोजित कार्यशाला में पहुंचे वैज्ञानिकों ने यह निष्कर्ष साझा किए। विशेषज्ञों ने कहा कि तेजी से बढ़ती मानवीय गतिविधियां व असंतुलित विकास हिमालय के संवेदनशील पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही हैं।वैज्ञानिकों के अनुसार, बीते कुछ दशकों में हिमालयी क्षेत्र में औसत तापमान वैश्विक औसत से अधिक तेजी से बढ़ा है। अध्ययनों के मुताबिक हिमालयी क्षेत्र में तापमान वृद्धि से बर्फबारी, ग्लेशियर और जलचक्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। वनाग्नि की बढ़ती घटनाएं और अंधाधुंध कटान के कारण सघन वन क्षेत्र लगातार सिमट रहे हैं। कंक्रीट में बदलते गांव व शहरों से हीट आइलैंड इफेक्ट को बढ़ा रहा है।तापमान में बढ़ोतरी का असर बर्फबारी के पैटर्न पर साफ दिख रहा है। जहां पहले 2000 मीटर की ऊंचाई तक बर्फ गिरती थी, वहीं अब यह सीमा बढ़कर लगभग 2500 मीटर तक पहुंच गई है। इसका असर प्राकृतिक जलस्रोतों और पारंपरिक जलधाराओं पर पड़ रहा है। साथ ही सेब, नाशपाती और अन्य शीतकालीन फसलों के उत्पादन पर भी नकारात्मक प्रभाव देखने को मिल रहा है। परिवर्तन के चलते पश्चिमी विक्षोभ का समय-चक्र भी बदल गया है। एक दशक पहले जहां यह दिसंबर से फरवरी के बीच सक्रिय था, अब फरवरी से अप्रैल तक खिसक गया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि देर से होने वाली बर्फबारी ग्लेशियरों के पुनर्भरण में उतनी प्रभावी नहीं होती, जिससे जलस्रोतों का स्तर सुधर नहीं पाता वैज्ञानिकों ने बताया कि पिछले 100 वर्षों के आंकड़ों से स्पष्ट है कि हिमालय अपने बड़े ग्लेशियरों को लगातार खो रहा है। हाल के पांच वर्षों के अध्ययन में पाया गया है कि तापमान वृद्धि के कारण कई ग्लेशियर औसतन करीब 15 से 20 मीटर तक पीछे खिसक चुके हैं।

सात दिन में सोलर परियोजना का मीटर नहीं लगाया तो कार्रवाई, नियमावली के सख्ती से पालन के निर्देश

देहरादून, एजेंसी। सात दिन में सोलर परियोजना का मीटर नहीं लगाया तो कार्रवाई होगी। यूपीसीएल के सौर, बैटरी स्टोरेज संबंधी नियमावली 2025 का सख्ती से पालन के निर्देश दिए गए हैं। प्रदेश में सौर ऊर्जा परियोजना पूरी होने के बाद विभाग ने सात दिन के भीतर एनर्जी मीटर न लगाया तो कार्रवाई होगी। यूपीसीएल ने उत्तराखंड विद्युत नियामक के सौर ऊर्जा और बैटरी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) को लेकर जारी 2025 के नियमों का सख्ती से अनुपालन के निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत सभी सोलर परियोजनाओं की कॉमर्शियल ऑपरेशन डेट (सीओडी) के भी नए मानक जारी किए गए हैं।यूपीसीएल के मुख्य अभियंता (कॉमर्शियल) एनएस बिष्ट ने नियामक आयोग की नियमावली के साथ सभी अधिशासी अभियंताओं को कड़ा पत्र भेजा है। इसमें स्पष्ट कहा गया है कि नियमावली का अनुपालन न करने पर कार्रवाई के लिए तैयार रहें। नियमों के तहत बिजली विभाग की जवाबदेही तय की गई है। अब सौर ऊर्जा परियोजना का आवेदन पूर्ण होने के बाद विभाग को सात दिनों के भीतर एनर्जी मीटर अनिवार्य रूप से स्थापित करना होगा। इसके साथ ही इलेक्ट्रिकल इंस्पेक्टर से क्लीयरेंस

सर्टिफिकेट मिलना भी जरूरी है।इसी प्रकार, सोलर प्लांट के चालू होने की तारीख उस दिन को माना जाएगा, जिस दिन मीटर लगने और क्लीयरेंस मिलने के बाद पहली बार ग्रिड में बिजली की सप्लाई शुरू होगी। हालांकि, इसके लिए शर्त यह है कि बिजली सप्लाई शुरू होने के 10 दिनों के भीतर प्लांट को अपनी क्षमता का कम से कम 75 प्रतिशत परफॉर्मेंस रेशियो साबित करना होगा।

यूपीसीएल मुख्यालय को यह शिकायतें मिल रही थीं कि कुछ फील्ड यूनिट्स अभी भी अगस्त 2023 के पुराने नियमों के आधार पर काम कर रही हैं। मुख्य अभियंता बिष्ट ने स्पष्ट किया है कि 27 नवंबर 2025 को जारी संशोधित नियमों का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई की जा सकती है।

आयोग ने भविष्य की जरूरतों को देखते हुए बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम के लिए भी विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हुए हैं। इसके तहत बैटरी स्टोरेज सिस्टम का जीवनकाल 12 वर्ष तय किया गया है, जिसे पांच साल और बढ़ाया जा सकता है। बैटरी प्रोजेक्ट्स के लिए 250 लाख प्रति मेगावाट ऑवर की पूंजीगत लागत तय की गई है। इनके लिए नेट टैरिफ 5.78 प्रति यूनिट निर्धारित है।

हल्द्वानी के छात्र नीरज ने 99.02 अंक हासिल किए, अरुंधति ने 99.6% अंक से मारी बाजी

नैनीताल, एजेंसी। हल्द्वानी में सीबीएसई 10वीं के नतीजों में इस बार छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया। शहर के विभिन्न स्कूलों में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल कर रिकॉर्ड बनाया। दीक्षांत इंटरनेशनल स्कूल के प्रबंधक समित टिक्कू ने बताया कि करीब 40 फीसदी विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर शहर में नाम रोशन किया है। अरुंधति तिवारी 99.6% के साथ टॉप पर रहीं। 98% के साथ प्रियांश जोशी और रिद्धि शर्मा दूसरे, अन्वी भट्ट 97.8 फीसदी के साथ स्कूल में तीसरे नंबर पर रहीं। इंस्पिरेशन स्कूल के प्रबंधक दीपक बल्यूटिया ने बताया कि इस बार 163 विद्यार्थियों में से 72 विद्यार्थी 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाए हैं। चेयर

पर्सन डॉ. गीतिका बल्यूटिया ने बताया कि प्रकृति पांडे ने 99% के साथ स्कूल टॉप किया है। दूसरे स्थान पर दिग्विजय सिंह अधिकारी 98.6 और तीसरे स्थान पर 98.4% अंकों के साथ देवांश जोशी रहे।

सिंथिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 26 बच्चों ने 90% से अधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। प्रधानाचार्य डॉ. प्रवींद्र रौतेला ने बताया कि यहां 97.8 प्रतिशत अंकों के साथ मानवी शर्मा ने स्कूल टॉप किया है। 95.2% के साथ निहारिका दूसरे और 94.4% अंकों के साथ दीपक सिंह बिष्ट तीसरे स्थान पर वीरशिवा स्कूल की संस्कृति अधिकारी ने 98.4% अंक प्राप्त कर विद्यालय का मान बढ़ाया है। दूसरे नंबर पर आशीष तिवारी 97.6% और गायत्री तिवारी 96.8% के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। संस्थापिका प्रबंधन निरूपमा भट्ट तलवार, प्रबंधक तिलक राज तलवार और प्रधानाचार्य मीना सती ने सभी को बधाई दी है। व्हाइटहॉल स्कूल की अंजलि उपाध्याय और कार्तिकेय डालाकोटी 98% के साथ टॉप पर रहे। देवाशीष जोशी व श्रेयस टम्टा 97.8% के साथ दूसरे और 97.2% के साथ अर्जुन चौहान तीसरे स्थान पर रहे। स्कूल के निदेशक अनंत अरैक्शन, उपनिदेशक मिताली ने बताया कि स्कूल का रिजल्ट सौ फीसदी रहा। सेंट लॉरेंस सीनियर सेकेंडरी स्कूल के डायरेक्टर सुनील जोशी ने बताया कि मनीष सिंह ने 98% अंकों के साथ स्कूल टॉप किया है। 97.6% के साथ ईशान आगरी दूसरे और 97.4% के साथ प्रियंका नेगी तीसरे स्थान पर रहीं। सीबीएसई बोर्ड की दसवीं की परीक्षा में हल्द्वानी ब्लॉक के एकमात्र अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज फूलचौड़ के छात्र शोभित दुर्गापाल ने स्कूल टॉप किया है। उन्होंने 95.4 प्रतिशत के साथ 477 अंक प्राप्त किए हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य आशीष शर्मा ने बताया कि 85 प्रतिशत के साथ गरिमा जोशी दूसरे और 81.2 प्रतिशत के साथ पायल पलड़िया तीसरे स्थान पर रहीं। 69 विद्यार्थियों में 61 पास हुए और आठ की कंपार्टमेंट रही।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रात:किरण
नई दिल्ली, शुक्रवार, 17 अप्रैल, 2026

दिल्ली सरकार डीटीसी के बेड़े में 200 नई इलेक्ट्रिक बसें करेगी शामिल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार शुक्रवार को राजधानी दिल्ली के नागरिकों के लिए सार्वजनिक परिवहन से जुड़ी कई महत्वपूर्ण पहलों को समर्पित करेगी,जो निरंतर गतिशीलता को और अधिक मजबूत बनाने और दिल्ली परिवहन निगम के बुनियादी ढांचे को आधुनिकीकरण करने की दिशा में एक बेहद महत्वपूर्ण कदम है। स्वच्छ परिवहन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के तहत दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) के बेड़े में 200 नई जीरो-एमिशन वाली इलेक्ट्रिक बसों को शामिल किया जाएगा। दिल्ली में नई सरकार बनने के बाद से लेकर अब तक करीब 2184 इलेक्ट्रिक बसों को डीटीसी के बेड़े में शामिल किया जा चुका है। इस नई बढ़ोतरी के साथ डीटीसी प्लीट की कुल संख्या बढ़कर लगभग 6300 बसों तक पहुंच जाएगी, जिसमें 4538 इलेक्ट्रिक बसें और 1759 सीएनजी की बसें शामिल हैं। राजधानी दिल्ली पहले ही देश में सबसे बड़ा इलेक्ट्रिक बस बेड़ा बनने का गौरव हासिल कर चुकी है। दिल्ली में अभी इलेक्ट्रिक मोबिलिटी पर आधारित एक व्यवस्थित और समयबद्ध प्लीट विस्तार योजना प्रगति पर है। इस योजना के तहत वित्त वर्ष 2028झ29 तक राजधानी दिल्ली में कुल बसों का बेड़ा बढ़ाकर लगभग 14000 तक करने का लक्ष्य है, जिससे सस्टेनेबल शहरी परिवहन के क्षेत्र में दिल्ली की अग्रणी भूमिका और ज्यादा मजबूत होगी। नई शामिल की जाने वाली बसें लो-फ्लोर और एयर-कंडीशन्ड हैं, जिनमें सीसीटीवी कैमरे, पैनिक बटन, रियल-टाइम ट्रैकिंग सिस्टम के साथ ही दिव्यांगजनों के लिए विशेष सुविधाएं उपलब्ध हैं, जो सुरक्षित और आरामदायक यात्रा का अनुभव सुनिश्चित करती हैं। ग्रीन रीजनल कनेक्टिविटी को और ज्यादा मजबूत करते हुए दिल्ली और रोहतक के बीच एक नई अंतरराज्यीय इलेक्ट्रिक बस सेवा शुरू की जाएगी। यह डीटीसी की पहले से संचालित उन अंतर-राज्यीय इलेक्ट्रिक बस सेवाओं को आगे बढ़ाती है, जो राजधानी दिल्ली को बड़ौत (उत्तर प्रदेश), दिल्ली-सोनीपत, दिल्ली-धारूहेड़ा और दिल्ली-पानीपत (हरियाणा) से जोड़ती हैं। साथ ही यह नानकसर (दिल्ली) को यूपी के गाजियाबाद के पुराने बस स्टैंड से भी जोड़ती है, जिससे सतत क्षेत्रीय गतिशीलता को बेहद मजबूती मिलती है। दिल्ली से रोहतक रूट आईएसबीटी कश्मीरी गेट और पीरागढ़ी चौक से होकर गुजरेगा, जिसमें टिकरी बॉर्डर, बहादुरगढ़, रोहद, सांपला और रोहतक बस स्टैंड जैसे प्रमुख पड़ाव शामिल होंगे। यह सेवा दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के बीच ह्यसंयुक्त पारस्परिक सामान्य परिवहनह्ल समझौते के तहत संचालित की जाएगी और प्रारंभिक चरण में प्रायोगिक आधार पर संचालित होगी। इस सेवा विस्तार के साथ-साथ कालिंदी कुंज मेट्रो स्टेशन के पास मदनपुर खादर में एक नया बस टर्मिनल बनाया गया है, जिसमें यात्रियों के लिए सभी जरूरी सुविधाएं, दिव्यांगजनों के लिए सुलभ रैंप और पर्यावरण के अनुकूल डिजाइन के साथ कई अन्य सुविधाएं शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, ईस्ट विनोद नगर डिपो में एक आधुनिक प्रशासनिक भवन का भी उद्घाटन किया जाएगा, जो परिचालन क्षमता और कर्मचारियों की सुविधाओं को और बेहतर बनाएगा। दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने कहा कि राजधानी दिल्ली तेजी से एक ग्रीन और भविष्य की जरूरतों के लिए तैयार सार्वजनिक परिवहन प्रणाली की ओर आगे बढ़ रही है। दिल्ली परिवहन निगम के बेड़े में 200 नई इलेक्ट्रिक बसों का शामिल होना, दिल्लीझरोहतक अंतरराज्यीय बस सेवा की शुरूआत और मदनपुर खादर बस टर्मिनल के साथ ईस्ट विनोद नगर डिपो का प्रशासनिक भवन जैसी इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी विकास परियोजनाएं हमारी सतत गतिशीलता और यात्रियों के बेहतर अनुभव के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के कुशल नेतृत्व में हम राजधानी दिल्ली के प्रत्येक नागरिक के लिए एक आधुनिक, सुलभ और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार परिवहन व्यवस्था विकसित करने के लिए निरंतर काम करने में जुटे हैं।

उपराज्यपाल ने की अग्निशमन सेवा के कामकाज, ग्रीष्मकालीन कार्य योजना की समीक्षा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने गुरुवार को दिल्ली अग्निशमन सेवा के कामकाज और ग्रीष्मकालीन कार्य योजना की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि आधुनिकीकरण, बुनियादी ढांचे के उन्नयन और कर्मियों की क्षमता बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया गया ताकि दिल्ली की आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली को बेहतर बनाया जा सके। उपराज्यपाल ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट में कहा कि दिल्ली अग्निशमन सेवा नियम, 2010 में प्रस्तावित संशोधनों की जांच करते समय, निवासियों, व्यापारियों और कारोबारियों के साथ व्यापक परामर्श की आवश्यकता पर जोर दिया गया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ढांचा समावेशी, व्यावहारिक और प्रभावी हो। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप, प्रत्येक नियामक ढांचे को ह्यजीवन की सुगमताह्ल और ह्यव्यापार करने की सुगमताह्ल को बढ़ावा देना चाहिए - नागरिकों के लिए अनावश्यक बाधाएं पैदा किए बिना मजबूत अग्नि सुरक्षा सुनिश्चित करना चाहिए। उपराज्यपाल ने कहा कि बढ़ती गर्मी को देखते हुए विभाग की ग्रीष्मकालीन कार्य योजना की भी समीक्षा की गई और कड़ी निगरानी के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त, नागरिकों को निवारक उपायों, नियामक सुरक्षा उपायों और प्रभावी आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रक्रियाओं के बारे में शिक्षित करने के लिए एक व्यापक जन जागरूकता अभियान के महत्व पर बल दिया गया। अग्निशमन सेवा सप्ताह के दौरान उपराज्यपाल ने आज दिल्ली अग्निशमन सेवा के अधिकारियों के साथ ध्वजारोहण समारोह में शामिल हुए। कर्तव्य की राह में अपनी जान जोखिम में डालकर दूसरों की जान बचाना, यही सच्ची बहादुरी है। उपराज्यपाल ने कहा कि अग्निशमन सेवा सप्ताह का मूल मंत्र ह्लहम सेवा करते हैं, बचाने के लिएह्व को दोहराने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस वर्ष का विषय इस बात की सशक्त याद दिलाता है कि अग्नि सुरक्षा एक सामूहिक जिम्मेदारी है। आइए, मिलकर एक सुरक्षित दिल्ली का निर्माण और हमारे मौन नायकों को सलाम करें।

आरडी इंटरनेशनल स्कूल का रहा बेहतरीन परिणाम

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। सीबीएसई ने कक्षा 10 वीं के परिणाम घोषित कर दिए हैं। हमें यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि पिछले वर्षों की तरह ही आरडी इंटरनेशनल स्कूल रोहिणी सेक्टर-21 में 100% पास दर हासिल की गई है। इस वर्ष, हमारे स्कूल में कक्षा 10वीं के छात्र द्वारा प्राप्त किया गया उच्चतम व्यक्तिगत स्कोर 100% रहा। हमारे परिणाम हमारे छात्रों, प्रबंधन और स्कूल के कर्मचारियों की कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रमाण हैं। यहां हम अपने छात्रों को ज्ञान, संस्कृति, खेल और विदेशी भाषाओं से समृद्ध करके उनका सर्वांगीण विकास करने का प्रयास करते हैं। हम गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और अपने छात्रों की ऊर्जा को अनुत्पादक गतिविधियों में व्यर्थ होने देने के बजाय, उसे रचनात्मक कार्यों में लगाने का हर संभव प्रयास करते हैं। परीक्षाओं से पहले, स्कूल अंतिम समय की तैयारियों में मदद करने के लिए अतिरिक्त कक्षाओं का आयोजन करता है। अपने छात्रों की शारीरिक फिटनेस सुनिश्चित करने के लिए सुबह और दोपहर दोनों समय उनके लिए एक स्पोर्ट्स अकादमी उपलब्ध है। छात्रों को विदेशी भाषाएँ भी सिखाई जाती हैं, जो निस्संदेह उनके भविष्य के करियर में उनके लिए नए अवसर खोलेंगी। आरडी इंटरनेशनल स्कूल गर्व के साथ एक शानदार उपलब्धि का जश्न मना रहा है, क्योंकि कक्षा 10 के छात्रों ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 में 100% परिणाम हासिल किया है। यह सफलता सुशीला ढाका (राहुल ढाका विकास सोसाइटी की अध्यक्ष), राहुल ढाका (चेयरमैन), योगिता ढाका (प्रधानाचार्य), और अनामिका दत्ता (उप-प्रधानाचार्य) के कुशल मार्गदर्शन तथा पूरे स्टाफ के समर्पित प्रयासों से संभव हो पाई है।

दिल्ली और बिहार के बीच चलेंगी स्पेशल ट्रेनें

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे द्वारा आनंद विहार-जोगबनी और नई दिल्ली-सुपौल के बीच स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। रेलवे के अनुसार, पहली ट्रेन संख्या 04008/04007 आनंद विहार टर्मिनल-जोगबनी-आनंद विहार टर्मिनल साप्ताहिक आरक्षित स्पेशल के रूप में चलाई जाएगी। यह ट्रेन 18 अप्रैल से 11 जुलाई तक प्रत्येक शनिवार को आनंद विहार से जोगबनी के लिए रवाना होगी। वहीं, वापसी में 19 अप्रैल से 12 जुलाई तक प्रत्येक रविवार को जोगबनी से आनंद विहार के लिए चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 04072/04071 नई दिल्ली-सुपौल जंक्शन-नई दिल्ली आरक्षित स्पेशल ट्रेन के रूप में चलाई जाएगी। यह 17 अप्रैल से 15 जुलाई तक नई दिल्ली से सुपौल के बीच प्रतिदिन संचालित होगी। वहीं, सुपौल से नई दिल्ली के लिए यह ट्रेन 18 अप्रैल से 16 जुलाई तक चलेगी।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे बना राहत का मार्ग: रोमेश चंद गुप्ता

नई दिल्ली। भाजपा नेता रोमेश चंद गुप्ता ने कहा कि दिल्लीझदेहरादून एक्सप्रेस-वे आम लोगों के लिए वरदान साबित होगा और इससे चले आ रही जाम व लंबी यात्रा की समस्या से राहत दिलाएगा। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के शुरू होने के बाद दिल्ली से देहरादून की यात्रा अब काफी तेज और सुगम हो गई है, जिससे यात्रियों का समय बचेगा और सफर अधिक सुविधाजनक होगा। एक्सप्रेस-वे के उद्घाटन के बाद लोगों में उत्साह भी देखा जा रहा है। रोमेश चंद गुप्ता के अनुसार, यह मार्ग राजधानी के अक्षरधाम मंदिर से शुरू होकर उत्तर प्रदेश के कई जिलों जैसे बागपत, मुजफ्फरनगर, शामली और सहारनपुर से गुजरते हुए देहरादून तक पहुंचता है। इससे क्षेत्रीय संपर्क मजबूत होगा और परिवहन व्यवस्था को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने बताया कि इस एक्सप्रेस-वे का निर्माण राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा किया गया है।

दिल्ली के सांसदों ने खट्टर से मुलाकात कर उठाईं लंबित समस्याएं

नई दिल्ली। दिल्ली के सातों भाजपा सांसदों ने राजधानी से जुड़ी लंबित समस्याओं को लेकर केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात कर शीघ्र समाधान की मांग की। बैठक में विभिन्न विकास कार्यों और नीतिगत मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। सांसदों ने 200 कॉलोनियों को ह्यओह्ल जोन से बाहर करने, 69 एफ्लुएंट कॉलोनियों को नियमित करने तथा मास्टर प्लान को जल्द अधिसूचित करने का आग्रह किया। उनका कहना था कि इन समस्याओं के कारण हजारों लोगों पर अनिश्चितता बनी हुई है। प्रतिनिधिमंडल में हर्ष मल्होत्रा, रामवीर सिंह बिधूड़ी, मनोज तिवारी, योगेंद्र चंदोलिया, प्रवीण खंडेलवाल, कमलजीत सहरावत और बांसुरी स्वराज शामिल रहे। सांसदों ने यह भी मांग रखी कि जिन सड़कों पर 70 प्रतिशत से अधिक दुकानें हैं, उन्हें व्यावसायिक घोषित किया जाए और वर्षों से सील पड़ी करीब 13 हजार दुकानों को खोला जाए।

एनडीएमसी क्षेत्र में घर का सर्वे करने उतरे 600 कर्मचारी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। एनडीएमसी एवं दिल्ली छावनी क्षेत्र में घर से संबंधित जानकारी जुटाने के लिए गुरुवार से लगभग 600 कर्मचारियों को उतारा गया है। कर्मचारियों ने कई इलाकों में जाकर लोगों से उनके घर एवं रहन-सहन की जानकारी हासिल की और उसे ऑनलाइन दर्ज किया। गुरुवार को पहला दिन होने के चलते इसकी शुरूआत धीमी रही। लेकिन अधिकारियों का कहना है कि शुक्रवार से इसमें तेजी आएगी और एक माह के भीतर मकान का सर्वे पूरा कर लिया जाएगा। जानकारी के अनुसार जनगणना से पूर्व दिल्ली में हाउसिंग सर्वे किया जा रहा है। इसके लिए सबसे पहले एनडीएमसी एवं दिल्ली छावनी क्षेत्र में सर्वे शुरू हुआ है। दिल्ली छावनी इलाके में लगभग 100 कर्मचारी (गणनाकार) और एक दर्जन से ज्यादा सुपरवाइजर इस कार्य में लगाए गए हैं। वहीं एनडीएमसी क्षेत्र को 9 भागों में बांटकर लगभग 475 कर्मचारियों को इस कार्य में लगाए गए हैं। इनके लिए लगभग 80 सुपरवाइजर भी तैनात किए गए हैं ताकि कार्य बेहतर ढंग से समय पर पूरा हो सके। आगामी 14 मई तक उनके द्वारा घरों से संबंधित सर्वे किया जाएगा और उसकी रिपोर्ट डीएम के माध्यम से सरकार को सौंपी जाएगी। इसके बाद निगम क्षेत्र में 15 मई से हाउसिंग सर्वे शुरू होगा। ऑनलाइन आवेदकों का होगा सत्यापन अधिकारियों के अनुसार एनडीएमसी एवं दिल्ली छावनी क्षेत्र में रहने वाले लोगों के लिए ऑनलाइन जानकारी भरने की सुविधा 15 अप्रैल तक दी गई थी। जिन नागरिकों ने ऑनलाइन जानकारी भरी है, कर्मचारी घर जाकर केवल उसका सत्यापन करेंगे। वहीं जिन लोगों ने ऑनलाइन जानकारी नहीं भरी है, उनसे घर से संबंधित सवाल पूछे जाएंगे। 15 से 15 मई तक भर सकेंगे ऑनलाइन आवेदनदिल्ली नगर निगम के क्षेत्र में रहने वाले नागरिक मकान से संबंधित सर्वे जनगणना की जानकारी आगामी 1 से 15 मई तक ऑनलाइन वेबसाइट पर डाल सकेंगे। कर्मचारी जब उनके घर आएंगे तो वह केवल अपने द्वारा दी गई जानकारी पर मिलने वाला नंबर बताएंगे जिसका सत्यापन कर्मचारी द्वारा किया जाएगा। इससे कर्मचारियों और नागरिकों का समय बचेगा। 16 मई से निगम क्षेत्र में कर्मचारी हाउसिंग सर्वे करेंगे। नागरिकों को देने होंगे इन सवालों के जवाब- वह किस प्रकार के मकान में रहते हैं- उनके घर की दीवार, छत, फर्श आदि किस सामग्री से बनी है- वह किरायेदार हैं या अपने मकान में रहते हैं- मकान में कितने कमरे हैं और उसमें रहने वाले लोगों की संख्या कितनी है- उनके घर में खाना बनाने के लिए अलग किचन है या नहीं- घर में शौचालय एवं नहाने की जगह अलग है या नहीं- घर में खाना पीएनजी-एलपीजी से बनता है या किसी अन्य ईंधन का इस्तेमाल होता है- पीने का पानी कहां से उपलब्ध होता है- उनके पास मोबाइल, इंटरनेट, टीवी, डीटीएच, साइकिल, बाइक, स्कूटी, कार आदि है या नहीं निगम क्षेत्र निवासी ऐसे आत्मगणना कर सकते हैं सबसे पहले वेबसाइट को खोलेंयहां अपना नाम एवं मोबाइल नंबर डालकर ओटीपी की मदद से पंजीकरण करेंवहां मौजूद नक्शे पर अपने घर की जगह चिन्हित करें ताकि उस जगह को दर्ज किया जा सकेपंजीकरण करने के बाद हर चरणों में सवाल पूछे जाएंगेप्रत्येक सवाल के कई विकल्प होंगे जिनमें से एक को चुना जा सकता है।

डेटिंग ऐप पर नकली प्रोफाइल बनाकर महिलाओं को धोखा देने वाला शख्स गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस की टीम ने लगातार जबरन वसूली के आरोपी आनंद कुमार (35) को गिरफ्तार किया है। आरोपी पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना का रहने वाला है। पुलिस ने बताया कि आरोपी पवन कुमार डेटिंग और शादी-विवाह ऐप्स पर नकली प्रोफाइल के बनाकर बड़े पैमाने पर हनी-ट्रैपिंग, रोमांस स्कैम और महिलाओं को ब्लैकमेल करता था। आरोपी ने प्यार/रिश्ते, शादी के प्रस्ताव, मेडिकल इमरजेंसी और मॉडलिंग व प्रतिष्ठित संस्थानों में दाखिले सहित अलग-अलग बहाने बनाकर कई पीड़ितों से ठगी की और पैसे की जबरन वसूली की। पुलिस ने जानकारी दी कि आरोपी के कब्जे से चार स्मार्ट फोन, आठ सिम कार्ड, तीन डेबिट कार्ड, चार सोने के कंगन और पांच सोने की चेन बरामद की गईं, जिन्हें ठगी के पैसों से खरीदा गया था। आरोपी ने नकली सोशल मीडिया और डेटिंग ऐप प्रोफाइल के माध्यम से 500 से ज्यादा महिलाओं से लगभग दो करोड़ रुपए की ठगी /जबरन वसूली की। वह पहले भी इसी तरह के दो अपराधों में शामिल रहा है। पुलिस ने एक पीड़ित की शिकायत पर ई-एफआईआर दर्ज की थी। शिकायत में बताया गया था कि ह्यवैभव अरोड़ाह्ल के नाम से चल रहे एक नकली इंस्टाग्राम प्रोफाइल के माध्यम से लगभग सात लाख रुपए की ठगी की गई। शिकायतकर्ता ने बताया कि वह पहली बार आरोपी से एक डेटिंग ऐप पर मिली थी, जहां आरोपी ने खुद को एक अच्छी तरह से बसा हुआ और इज्जतदार इंसान बताया था। उसका भरोसा जीतने के बाद उसने इंस्टाग्राम और बाद में कई अलग-अलग मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल करके व्हाट्सऐप पर बातचीत करता था। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने धीरे-धीरे पीड़िता के साथ एक भावनात्मक रिश्ता बना लिया और उससे शादी करने का वादा किया। आरोपी ने ह्यआनंदह्ल नाम की एक और नकली पहचान बनाई और दावा किया कि वह उसका करीबी दोस्त है जो शादी के प्रस्ताव के संबंध में परिवार की मुलाकात करवाने में मदद करेगा।

दो करोड़ की प्रॉपर्टी धोखाधड़ी का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। रिहायशी प्रॉपर्टी को लीज पर देने के बहाने कई लोगों से दो करोड़ से अधिक की धोखाधड़ी करने के आरोप में देश बंधु गुप्ता रोड थाना पुलिस ने रविंद्र गर्ग नाम के एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित फर्जी लीज डीड बनाकर लोगों से धोखाधड़ी करता था। उसे एक अन्य प्रॉपर्टी धोखाधड़ी के केस में भी भगोड़ा अपराधी घोषित किया जा चुका है। आरोपित ने एक दृष्टिबाधित पीड़ित को भी 14.5 लाख का चूना लगा दिया। ठगी से मिली रकम को वह टूरिस्ट ट्रांसपोर्ट बिजनेस के लिए गाड़ियां खरीदने में लगाता था। डीसीपी मध्य जिला रोहित राजबीर सिंह के मुताबिक 29 दिसंबर 2025 को देश बंधु गुप्ता रोड थाना पुलिस को रिहायशी प्रॉपर्टी को लीज पर देने के बहाने धोखाधड़ी के संबंध में एक शिकायत मिली थी। शिकायत में पीड़ित ने कहा था कि वह भारतीय रेलवे का दृष्टिबाधित कर्मचारी है। वह लीज पर घर की तलाश कर हे थे, तभी उसका संपर्क आरोपित रविंद्र गर्ग से हुआ। उन्होंने जोशी रोड, करोलबाग स्थित अपनी प्रॉपर्टी लीज पर देने की पेशकश की। 14,50,000 रुपये में सौदा तय होने के बाद एक नोटरीकृत लीज डीड (किरायानामा) तैयार करवाई गई, जिसका भुगतान शिकायतकर्ता ने किया। इसके बाद जब शिकायतकर्ता प्रॉपर्टी का कब्जा लेने गया, तो उन्हें पता चला कि लोन का भुगतान न होने के कारण एक फाइनेंस कंपनी ने पहले ही उस प्रॉपर्टी पर कब्जा कर लिया था। जांच में पता चला कि आरोपित ने 2017 में 98 लाख का होम लोन लिया था और लोन का भुगतान न होने पर, फाइनेंस कंपनी ने प्रॉपर्टी पर कब्जा कर लिया था। इस बात की पूरी जानकारी होने के बावजूद आरोपित ने बेईमानी से 2019 में शिकायतकर्ता को अपनी मेहनत की कमाई गंवाने के लिए उकसाया। जांच से पता चला कि आरोपित जानबूझकर हर छह महीने में अपने मोबाइल नंबर बदलकर और अपनी जगह बदलकर गिरफ्तारी से बच रहा था। उसके द्वारा पहले इस्तेमाल किए गए मोबाइल नंबरों के काल डिटेल रिकार्ड का विस्तृत विश्लेषण किया गया ताकि कड़ियां जोड़ी जा सकें और नए सुराग मिल सकें। लगातार तकनीकी निगरानी के जरिए, पुलिस टीम ने एक नया चालू किया गया मोबाइल नंबर के बारे में पता लगा उसकी कॉल डिटेल रिकार्ड के आधार पर आरोपित को नांगल देवत गांव से गिरफ्तार कर लिया।

व्यक्ति ने सोशल मीडिया पर फर्जी प्रोफाइल बनाकर 500 महिलाओं से दो करोड़ रुपये ठगे, गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने सोशल मीडिया पर फर्जी प्रोफाइल के जरिए डॉक्टर, फिल्म निमार्ता, वकील, कारोबारी एवं मॉडल बनकर देशभर की 500 से ज्यादा महिलाओं से दो करोड़ रुपये से अधिक की ठगी करने के आरोप में 35 वर्षीय शख्स को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। दक्षिण पश्चिम दिल्ली के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) अमित गोयल ने एक बयान में बताया कि जिले की साइबर पुलिस की एक टीम ने आरोपी आनंद कुमार को गिरफ्तार किया है, जिसपर डेटिंग और विवाह संबंधी मंचों के माध्यम से महिलाओं को निशाना बनाकर ह्यरोमांस स्कैमह्ल, मोहपाश और ऑनलाइन ब्लैकमेल का एक संगठित नेटवर्क चलाने के आरोप हैं। पुलिस ने बताया कि कुमार महिलाओं से संपर्क करने के लिए विभिन्न सोशल मीडिया मंचों के साथ-साथ डेटिंग और विवाह संबंधी ऐपह्ल पर फर्जी पहचान के आधार पर प्रोफाइल बनाता था। डीसीपी ने कहा, ह्यवह खुद को एक प्रभावशाली पृष्ठभूमि वाले सुस्थापित पेशेवर व्यक्ति के रूप में पेश करता था, और भरोसा जीतने और पीड़िताओं को आकर्षित करने के लिए अक्सर खुद को डॉक्टर, व्यवसायी या फिल्म निमार्ता बताता था। जांचकर्ताओं के अनुसार, आरोपी पीड़िताओं से दोस्त के तौर पर बातचीत शुरू करता था और धीरे-धीरे कई दिनों या हफ्तों में उनके साथ भावनात्मक संबंध बनाता था और विश्वास कायम होने के बाद, वह उनके साथ निजी मैसेजिंग मंचों पर जाकर बातचीत करता था और इन मंचों का इस्तेमाल कई मोबाइल नंबरों के जरिए किया जाता था।

उत्तर रेलवे

इ–निविदा (इ–प्रोक्यूर्मेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

सं. 128-W/280/e Tender Notice/NIT-06-26-27-W-II दिनांक: 15.04.2026

निम्नलिखित कार्य के लिये वरिष्ठ मंडल अभियंता/II, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल में इ-निविदा आमंत्रण।

1	NIT-06	**कार्य का नाम** :– वरिष्ठ मंडल अभियंता-II के अंतर्गत सहायक मंडल अभियंता शामली के कार्य क्षेत्र में 1. DSA-SMQL-TPZ खंड में अतिक्रमण की रोकथाम के लिए KPKI, SMQL, HIND और THBN पर 4 किमी की प्रिकास्ट आरसीसी चारदीवारी का निर्माण और 2. DSA-SMQL-TPZ खंड में अतिक्रमण की रोकथाम के लिए NO, BHHZ, KEX और BPM पर 4 किमी की प्रिकास्ट आरसीसी चारदीवारी का निर्माण आदि कार्यों का प्रावधान। कार्य की अनुमानित लागत (रुपये): 90186321.02 बयानाराशि (रुपये):– 1803700.00
2	निविदा खोलने की तिथि और समय	12.05.2026 को 15:00 बजे
3	वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	निविदा **www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर उपलब्ध है।

• ठेकेदारो को ई–टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई–प्रोक्योरमेंट सिस्टम (IREPS) साइट **www.ireps.gov.in** के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए। • सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। • मैनुअल निविदाये स्वीकृत नहीं की जायेगी। • निविदा दस्तावेज और बयाना की लागत केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से स्वीकार्य होगी।

1256/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

दिल्ली हाई कोर्ट ने केजरीवाल का हलफनामा रिकॉर्ड पर लिया

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ओर से दाखिल नये हलफनामे को रिकॉर्ड पर ले लिया है। केजरीवाल ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये दिल्ली उच्च न्यायालय में पेश होकर नये हलफनामे को रिकॉर्ड पर लाने का आग्रह किया। केजरीवाल ने उच्च न्यायालय में नया हलफनामा दाखिल कर जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा के खिलाफ आरोप लगाते हुए सुनवाई से हटने की मांग की है। केजरीवाल ने हलफनामा में कहा है कि जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा के दोनों बच्चे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के अधीन काम करते हैं। तुषार मेहता उनके बच्चों को केस देते हैं। केजरीवाल के हलफनामा में कहा गया है कि सीबीआई की तरफ से तुषार मेहता ही वकील हैं। ऐसे में जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा, तुषार मेहता के खिलाफ कैसे आदेश देंगी। इससे पहले 13 अप्रैल को अरविंद केजरीवाल ने खुद दलीलें रखते हुए जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच पर सवाल उठाते हुए सुनवाई से हटने की मांग की थी। केजरीवाल ने जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा को मामले की सुनवाई से खुद को अलग करने की मांग करते हुए कहा था कि जिस तरह अब तक इस मामले में अदालती कार्यवाही हुई है, उससे उन्हें निष्पक्ष न्याय की उम्मीद नहीं दिख रही है। केजरीवाल ने जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा पर अविश्वास जताते हुए कहा था कि बिना पक्ष सुने सेशन कोर्ट के आदेश को गलत बताया। उन्होंने कहा था कि 9 मार्च को जब उच्च न्यायालय में पहली सुनवाई हुई, तो वहां 23 में से एक भी आरोपित मौजूद नहीं था। कोर्ट में सिर्फ सीबीआई मौजूद थी, लेकिन जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने पहली ही सुनवाई में बिना दूसरे पक्ष की दलीलें सुने यह कह दिया कि ह्यप्रथम दृष्टयाह्ल सेशंस कोर्ट का आदेश गलत लगता है। बिना रिकॉर्ड मंगवाए और बिना दलीलें सुने कोर्ट इस नतीजे पर कैसे पहुंच गया। केजरीवाल ने कहा था कि बिना अर्जी के प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्यवाही पर रोक लगाई। उन्होंने कहा था कि 9 मार्च को सीबीआई की अपील पर सुनवाई हो रही थी, लेकिन जस्टिस शर्मा ने ईडी की कार्यवाही पर भी रोक लगा दी। आरोपितों के मुताबिक, न तो केंद्र सरकार ने और न ही ईडी ने इसके लिए कोई प्रार्थना की थी। कानूनन, यदि मुख्य केस में अपराध साबित नहीं होता तो ईडी का केस अपने आप कमजोर हो जाता है। सेशंस कोर्ट ने सीबीआई केस खत्म कर दिया था, जिससे ईडी का मामला भी खत्म होने वाला था, लेकिन जस्टिस शर्मा ने खुद से ही इस पर रोक लगा दी। केजरीवाल ने कहा था कि इस मामले को पूर्व निर्धारित षड्यंत्र करार देते हुए सीबीआई के जांच अधिकारी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही का आदेश दिया था, लेकिन जस्टिस शर्मा ने इस कार्यवाही पर भी रोक लगा दी, जबकि संबंधित अधिकारी ने इसके लिए कोई आवेदन ही नहीं किया था। केजरीवाल का कहना था कि यह अस्वाभाविक सक्रियता शंका पैदा करती है। केजरीवाल ने कोर्ट की टाइमिंग पर भी सवाल उठाते हुए कहा था कि जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा आमतौर पर अन्य केसों में 3 से 7 महीने तक की तारीख देती हैं। लेकिन इस मामले में उन्होंने आरोपितों को जवाब दाखिल करने के लिए महज एक हफ्ते का समय दिया।

बिजनौर में अधीनस्थ कृषि सेवा संघ का द्विवार्षिक अधिवेशन संपन्न, नई कार्यकारिणी ने ली शपथ

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

बिजनौर। अधीनस्थ कृषि सेवा संघ उत्तर प्रदेश की जनपद शाखा बिजनौर का द्विवार्षिक अधिवेशन एवं शताब्दी समारोह सोमवार को कृषि भवन सभागार में शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष योगेंद्र पाल सिंह योगी ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। कार्यक्रम का संचालन राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद बिजनौर के पूर्व अध्यक्ष देशराज ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रदेश महामंत्री फईम अख्तर ने संघ की प्रदेश स्तर पर संचालित गतिविधियों की विस्तार से जानकारी देते हुए संगठन को और मजबूत करने का आह्वान किया। अधिवेशन में नई कार्यकारिणी का निर्विरोध चयन किया गया, जिसमें डॉ. विकास कुमार को अध्यक्ष, सत्येंद्र कुमार को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, डॉ. राम प्रसाद को जिला मंत्री, रितेश कुमार को संगठन मंत्री तथा आदित्य वीर सिंह को कोषाध्यक्ष चुना गया। इस अवसर पर संघ के पूर्व पदाधिकारियों को शाल ओढ़ाकर एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मंडलीय अध्यक्ष शैलेश त्यागी, मंत्री बृजराज यादव, मुरादाबाद के अध्यक्ष मोहित बिश्नोई, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के धीरज कुमार एवं शूरवीर सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अधिवेशन के सफल आयोजन पर उपस्थित सदस्यों ने संतोष व्यक्त किया और नवगठित टीम को शुभकामनाएं दीं।

उत्तर रेलवे

सूचना

स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीन (ATVM) हेतु फेसिलिटेटर (सामान्य जनता) के चयन के लिए आवेदन आमंत्रण सूचना (NIA) (फाइल संख्या : CIID/ATVM Facilitators/2026-2027)

1	आवेदन आमंत्रण सूचना संख्या	CIID/ATVM Facilitators/2026-2027
2	कार्य का नाम एवं स्थान	दिल्ली मंडल के अंतर्गत 47 रेलवे स्टेशनों (NDLS, DLI, NZM, ANVT, DEE, DEC, PM, PTRD, NNO, SSB, GGN, DKZ, JIND, JHL, MSZ, NRW, TUN, ROK, BGZ, JNA, PNP, SNP, NUR, SZM, SMK, GNU, KUN, KKDE, DSA, NOLI, BPM, BTU, GZB, SBB, PWL, BVH, FDN, FDB, TKD, MTC, MDNR, MUD, MUT, DBD, MOZ, TPZ और SMQL) पर स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीन (ATVM) के माध्यम से अनारक्षित टिकट जारी करने हेतु सामान्य जनता से एक वर्ष की अवधि के लिए फेसिलिटेटर का चयन।
3	आवेदन का प्रकार	खुला आवेदन
4	आवेदन जमा करने का पता, अंतिम तिथि एवं समय (ऑफलाइन माध्यम)	इच्छुक आवेदक अपने आवेदन ऑफलाइन माध्यम से 15.04.2026 से 27.04.2026 तक, सायं 17:00 बजे तक किसी भी कार्य दिवस पर, निम्न पते पर जमा कर सकते हैं: वाणिज्य शाखा, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली–110055
5	आवेदन जमा करने हेतु ई–मेल पता (ऑनलाइन माध्यम)	इच्छुक आवेदक अपने आवेदन ऑनलाइन माध्यम से निम्न आधिकारिक जी–मेल पते पर 15.04.2026 से 27.04.2026 तक, सायं 17:00 बजे तक भेज सकते है: **srdcm.ndls@gmail.com**
6	सम्पूर्ण निविदा सूचना कहाँ देखी जा सकती है।	निविदा निमंत्रण की सूचना तथा निविदा प्रपत्र उत्तर रेलवे की वेबसाइट **www.nr.indianrailways.gov.in** से प्राप्त किये जा सकते है।
7	स्व–प्रमाणित दस्तावेजों की सूची, जो आवदेन के साथ जमा किए जाने है	1. आधार कार्ड की छायाप्रति (स्वप्रमाणित) 2. पैन कार्ड की छायाप्रति (स्वप्रमाणित) 3. दो पासपोर्ट आकार के फोटो। 4. शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र। 5. पुलिस द्वारा चरित्र प्रमाण पत्र।

1252/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, शुक्रवार, 17 अप्रैल, 2026

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली के आजादपुर फ्लाईओवर पर टैक्सी में आग लगी, कोई घायल नहीं

नई दिल्ली। दिल्ली के आजादपुर फ्लाईओवर पर बृहस्पतिवार को एक टैक्सी में आग लग गई। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) ने यह जानकारी दी। डीएफएस ने बताया कि उन्हें दोपहर 1.10 बजे आग लगने की सूचना मिली और तुरंत दमकल की एक गाड़ी को मौके पर भेजा गया। उन्होंने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया और किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है।

दिल्ली में पुलिसकर्मी ने जलते हुए मकान से व्यक्ति को बचाया

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के एक हेड कांस्टेबल ने यहां आग की चपेट में आए मकान में फंसे 41 वर्षीय व्यक्ति को बचा लिया। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह घटना 12 अप्रैल को उत्तर दिल्ली के बाहरी इलाके स्वरूप नगर में घटी। उन्होंने बताया कि पीसीआर को सूचना मिलने के बाद एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची। अधिकारी के मुताबिक, आग ने पूरे परिसर को अपनी चपेट में ले लिया था। उन्होंने बताया कि हेड कांस्टेबल अंकित को मकान की पहली मंजिल पर एक व्यक्ति फंसा हुआ दिखा। अधिकारी के अनुसार, अंकित ने अतिरिक्त मदद का इंतजार किए बिना इमारत में प्रवेश किया और तुषार अनुराग नामक व्यक्ति को वहां से निकाल लिया। अधिकारी ने बताया कि समय पर हस्तक्षेप से पीड़ित को मकान से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। उन्होंने बताया कि इसके तुरंत बाद, दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पा लिया। अधिकारी ने कहा कि आग लगने का कारण अब तक पता नहीं चल पाया है। उन्होंने कहा कि विस्तृत रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गौरव भाटिया की याचिका पर एक्स को नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने वरिष्ठ अधिवक्ता और भाजपा नेता गौरव भाटिया की एक याचिका पर ह्यएक्सह्ल को नोटिस जारी किया। याचिका में उन्होंने आपत्तिजनक पोस्ट मामले में अदालत के पूर्व अंतरिम आदेशों के उल्लंघन का आरोप लगाया है। न्यायमूर्ति मिनी पुष्करणा की पीठ ने संबंधित सोशल मीडिया यूजर और प्लेटफॉर्म से जवाब मांगा है। सुनवाई के दौरान भाटिया की ओर से पेश अधिवक्ता ने दलील दी कि रैन्टिंग गोला नाम के एक्स यूजर ने अदालत के सितंबर 2025 के आदेश के बावजूद उनके खिलाफ आपत्तिजनक कंटेंट पोस्ट करना जारी रखा है। याचिका में कहा गया कि हाल ही में अपलोड की गई सामग्री में अदालत के आदेश का भी उल्लेख किया गया है, जो निर्देशों का उल्लंघन है।

आनंद विहार-खुर्दा रोड स्पेशल ट्रेनों की अवधि बढ़ी

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे ने गर्मी में यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए ट्रेन संख्या 04066/04065 आनंद विहार टर्मिनल- खुर्दा रोड जंक्शन-आनंद विहार टर्मिनल स्पेशल ट्रेनों के संचालन की अवधि बढ़ाई है। रेलवे के अनुसार, ट्रेन संख्या 04066 आनंद विहार टर्मिनल से खुर्दा रोड जंक्शन के बीच 19 अप्रैल को संचालित की जाएगी। वहीं, वापसी में ट्रेन संख्या 04065 खुर्दा रोड जंक्शन से आनंद विहार टर्मिनल के बीच 20 अप्रैल को चलाई जाएगी। दोनों ही ट्रेनें एक-एक फेरे के लिए चलाई जाएंगी।

राष्ट्रभाषा हिंदी का भविष्य एवं औपचारिक हिंदी पर विमर्श : डॉ. विपिन कुमार

विश्व हिंदी परिषद एवं भारती कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजन

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली। विश्व हिंदी परिषद एवं भारती कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय) के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रभाषा हिंदी का भविष्य एवं औपचारिक हिंदी विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य हिंदी भाषा के भविष्य, उसके औपचारिक स्वरूप तथा प्रशासनिक एवं तकनीकी क्षेत्रों में उसकी बढ़ती भूमिका पर गंभीर विमर्श करना रहा। कार्यक्रम में विभिन्न सरकारी विभागों, शैक्षणिक संस्थानों, शिक्षकों, शोधार्थियों तथा विद्यार्थियों की सक्रिय एवं उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों ने हिंदी के प्रभावी, मानकीकृत एवं व्यावहारिक प्रयोग पर अपने विचार प्रस्तुत किए तथा इसके व्यापक उपयोग पर सार्थक चर्चा की। इस अवसर पर विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. विपिन कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में हिंदी को नई दिशा मिल रही है और प्रशासनिक तथा तकनीकी क्षेत्रों में इसका विस्तार तीव्र गति से हो रहा है। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि हिंदी को आधुनिक तकनीक, डिजिटल प्लेटफॉर्म और ई-गवर्नेंस से जोड़ना समय की आवश्यकता है, जिससे यह भाषा विकास और सशक्तिकरण का एक प्रभावी माध्यम बन सके। डॉ. विपिन कुमार ने आगे कहा कि हिंदी का उज्ज्वल भविष्य उसके औपचारिक, मानकीकृत और व्यावहारिक प्रयोग पर निर्भर करता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आज के डिजिटल और वैश्विक युग में हिंदी को केवल बोलचाल की भाषा तक सीमित नहीं रखा जा सकता, बल्कि इसे शासन-प्रशासन, शिक्षा, न्याय और तकनीक की सशक्त भाषा के रूप में विकसित करना आवश्यक है। उन्होंने औपचारिक हिंदी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सरकारी कार्यों, न्यायिक प्रक्रियाओं और शैक्षणिक क्षेत्र में स्पष्टता एवं एकरूपता बनाए रखने के लिए मानक हिंदी का प्रयोग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने राजभाषा विभाग की सचिव अंशुली आर्य के प्रयासों को भी सराहनीय बताते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में हिंदी और प्रौद्योगिकी के समन्वय को नई गति मिली है, जिससे हिंदी का तकनीकी क्षेत्र में प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित प्रो. पूरनचंद टंडन ने अपने विचार रखते हुए कहा कि हिंदी का भविष्य तभी सुदृढ़ होगा जब नई पीढ़ी को इसके औपचारिक और मानक स्वरूप से जोड़ा जाएगा। उन्होंने हिंदी के शुद्ध, सरल और प्रभावी प्रयोग को उसकी व्यापक स्वीकार्यता का आधार बताया और युवाओं को इस दिशा में आगे आने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारती कॉलेज की प्राचार्या प्रो. सलोनी गुप्ता ने की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. ज्योति मिश्रा की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर डॉ. स्वर्णिम दीक्षित ने भी हिंदी के प्रचार-प्रसार, उसके प्रशासनिक उपयोग तथा औपचारिक स्वरूप की आवश्यकता पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं समन्वय प्रो. मंजु शर्मा द्वारा किया गया, जबकि आयोजन में सहयोग डॉ. अभिषेक पुनीत ने प्रदान किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान हिंदी भाषा के महत्व, उसके व्यावहारिक उपयोग और उसके भविष्य को लेकर गहन एवं सार्थक चर्चा हुई। विश्व हिंदी परिषद के मार्गदर्शन एवं सहयोग से संपन्न यह कार्यशाला अत्यंत सफल एवं प्रेरणादायक रही। इस आयोजन ने न केवल हिंदी भाषा के प्रति जागरूकता को बढ़ाया, बल्कि उसके व्यापक प्रचार-प्रसार की दिशा में एक महत्वपूर्ण योगदान भी सुनिश्चित किया। अंत में आयोजकों द्वारा सभी प्रतिभागियों एवं सहयोगियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया गया।

कब तक एक ही हाथों में रहेगी मंदिरों की बागडोर? अब समय है पारदर्शिता और नई भागीदारी का

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

पूर्वी दिल्ली के शाहदरा क्षेत्र स्थित कृष्णा नगर जैन मंदिर में करीब 17 वर्षों बाद हुए चुनाव ने जैन समाज के भीतर एक नई हलचल पैदा कर दी है। यह सिर्फ एक चुनाव नहीं रहा, बल्कि एक संदेश बनकर सामने आया है कि समय के साथ व्यवस्थाओं में बदलाव भी जरूरी है। लंबे अंतराल के बाद जब लोकतांत्रिक प्रक्रिया से समिति का गठन हुआ, तो समाज के विभिन्न वर्गों—खासकर युवाओं—में यह भावना मजबूत हुई कि मंदिरों के संचालन में भी सहभागिता और पारदर्शिता होनी चाहिए। पूर्वी दिल्ली के अधिकांश जैन मंदिरों को लेकर अब खुलकर चर्चा होने लगी है कि कई स्थानों पर वर्षों से एक ही व्यवस्था लगातार चलती आ रही है। समय बदलता रहा, पीढ़ियां बदलती रहीं, लेकिन समितियों में बदलाव की गति बहुत धीमी रही। ऐसे में स्वाभाविक रूप से यह सवाल उठ रहा है कि क्या अधिक लोगों को सेवा का अवसर नहीं मिलना चाहिए? समाज के बीच यह भावना तेजी से उभर रही है कि जिम्मेदारियों का दायरा सीमित न रहकर व्यापक होना चाहिए। मंदिर केवल किसी एक व्यक्ति या समूह की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की आस्था का केंद्र होते हैं। इनके संचालन में समाज का सहयोग, विश्वास और सहभागिता सबसे महत्वपूर्ण आधार होता है। ऐसे में यदि व्यवस्था समय-समय पर खुली, पारदर्शी और सहभागी बने, तो इससे न केवल विश्वास मजबूत होता है, बल्कि मंदिरों की गरिमा भी और अधिक बढ़ती है। कृष्णा नगर का चुनाव इसी सोच को आगे बढ़ाने का एक उदाहरण बनकर उभरा है। वर्तमान समय में युवा पीढ़ी भी अब अपनी भूमिका को लेकर स्पष्ट नजर आ रही है। वे चाहते हैं कि मंदिर समितियों का गठन एक व्यवस्थित प्रक्रिया—चाहे सहमति से हो या चुनाव के माध्यम से—किया जाए, ताकि नई सोच, नई ऊर्जा और नई जिम्मेदारियां सामने आ सकें। यह बदलाव किसी टकराव का संकेत नहीं, बल्कि व्यवस्था को संतुलित और मजबूत बनाने की दिशा में एक स्वाभाविक कदम माना जा रहा है। अब पूर्वी दिल्ली के जैन समाज में यह विषय गंभीर मंथन का रूप ले चुका है कि आने वाले समय में मंदिर समितियों को किस प्रकार अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी और सहभागी बनाया जाए। समाज के प्रबुद्धजनों का मानना है कि समय के साथ अवसरों का विस्तार होना ही स्वस्थ परंपरा का हिस्सा है।

मुरादाबाद मंडल में रेलवे प्रशासन व यूनियन के बीच दो दिवसीय वार्ता तंत्र शुरू

प्रातः किरण संवाददाता

मुरादाबाद। मण्डल कार्यालय, मुरादाबाद के मनन सभागार में मंडल रेल प्रबंधक श्रीमती विनीता श्रीवास्तव की अध्यक्षता में नार्दन रेलवे मेंस यूनियन के साथ दो दिवसीय स्थाई वार्ता तंत्र का शुभारंभ हुआ। यह बैठक 16 व 17 अप्रैल तक आयोजित की जाएगी। बैठक के प्रथम दिन मंडल रेल प्रबंधक श्रीमती विनीता श्रीवास्तव ने मंडल में चल रहे रेल विकास कार्यों एवं कर्मचारी हितों से जुड़े प्रयासों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इस दौरान प्रशासनिक विषयों के साथ-साथ रेल कर्मचारियों के कल्याण से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर अधिकारियों और यूनियन पदाधिकारियों के बीच गहन चर्चा हुई। यूनियन प्रतिनिधियों ने अपनी विभिन्न मांगों को प्रशासन के समक्ष रखा, जिस पर प्रशासन ने नियमानुसार समाधान करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक ने कहा कि सुगम और सुदृढ़ रेल संचालन के साथ-साथ कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए इस प्रकार के संवाद बेहद आवश्यक हैं। बैठक में अपर मंडल रेल प्रबंधक (इन्फ्रा) प्रेम शंकर झा, अपर मंडल रेल प्रबंधक (ओपी) पारितोष गौतम, मंडल के विभिन्न विभागाध्यक्षों के साथ नार्दन रेलवे मेंस यूनियन के केंद्रीय उपाध्यक्ष श्री एम.पी. चौबे, मंडल अध्यक्ष श्री मनोज शर्मा, मंडल मंत्री श्री राजेश चौबे सहित अन्य पदाधिकारी एवं शाखा प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

नशेड़ी ह्यस्कूटी चोर गिरफ्तार, शाहदरा पुलिस ने 3 मामलों का किया खुलासा—अपराधियों पर लगातार सख्त कार्रवाई जारी

प्रातः किरणः मनोज जैन

शाहदरा जिले में अपराध के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार तेज और प्रभावी रूप से जारी है। एमएस पार्क थाना पुलिस ने एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार कर तीन चोरी के मामलों का खुलासा किया है। इस कार्रवाई की जानकारी देते हुए डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा ने बताया कि जिले में अपराधियों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है और विभिन्न थाना क्षेत्रों में रोजाना सफल ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं। घटना के अनुसार, एक महिला द्वारा इलेक्ट्रिक स्कूटी चोरी की शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसके बाद एमएस पार्क थाना पुलिस तुरंत सक्रिय हुई। थाना प्रभारी (एसएचओ) राजेश कुमार मिश्रा के नेतृत्व में तथा एसीपी सीमापुरी मुकेश कुमार की निगरानी में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी सर्विलांस के आधार पर आरोपी की पहचान कर उसे नंद नगरी क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान मनीष उर्फ मन्नू उर्फ मोनू (उम्र लगभग 30 वर्ष), निवासी करावल नगर के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपी ने न केवल वर्तमान वारदात को स्वीकार किया, बल्कि दो अन्य वाहन चोरी की घटनाओं में भी अपनी संलिप्तता कबूल की। उसकी निशानदेही पर शाहदरा रेलवे स्टेशन के पास से दो और चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की गईं। कुल मिलाकर पुलिस ने एक इलेक्ट्रिक स्कूटी और दो हीरो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। आरोपी पहले भी लगभग 10 आपराधिक मामलों में शामिल रहा है और नशे की लत के कारण वाहन चोरी की घटनाओं को अंजाम देता था। शाहदरा जिले में इन दिनों अपराधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। विभिन्न थाना क्षेत्रों में रोजाना किसी न किसी मामले में पुलिस कार्रवाई कर अपराधियों को पकड़ा जा रहा है, चाहे वे वाहन चोरी से जुड़े हों, घरों में चोरी करने वाले हों या नशा तस्करी में लिप्त लोग। इस लगातार अभियान से अपराधियों में भय का माहौल देखा जा रहा है और क्षेत्र में कानून-व्यवस्था मजबूत होती दिखाई दे रही है। इस कार्रवाई में एसआई संदीप, एएसआई सुनील कुमार, हेड कांस्टेबल अनुज, हेड कांस्टेबल प्रदीप, हेड कांस्टेबल दीपक तथा एएसआई दीपक (टीएसटी प्रभारी) की अहम भूमिका रही। डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा ने टीम की सराहना करते हुए कहा कि जिले में अपराध के खिलाफ यह सख्त अभियान आगे भी इसी तरह जारी रहेगा और किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा।

केजरीवाल ने लखनऊ के विकास नगर स्थित झुग्गी बस्ती में लगी आग पर जताया दुख

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को लखनऊ के विकास नगर स्थित झुग्गी बस्ती में लगी आग पर दुख व्यक्त किया। अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए लिखा कि लखनऊ के विकास नगर स्थित झुग्गी बस्ती में लगी भीषण आग में अपना सब कुछ खो देने वाले पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी गहन संवेदनाएं। उन्होंने कहा कि इन गरीब परिवारों के सिर से सिर्फ छत नहीं गई है, बल्कि उनके जीवनभर की जमा-पूंजी और रोजगार के साधन आग में जलकर खाक हो गए हैं। केजरीवाल ने सरकार से अपील की है कि पीड़ित परिवारों के लिए जल्द से जल्द उचित राहत, रोजगार एवं पुनर्वास की व्यवस्था की जाए। उल्लेखनीय है कि, लखनऊ के विकास नगर की झुग्गी बस्ती में बुधवार शाम में आग लगने की घटना सामने आई। जिसमें 200 से ज्यादा झिग्गियां जल कर राख हो गई।

भाजपा जनकल्याण मंच के सभी पदाधिकारियों को संगठन विस्तार और हर जिले में तुरंत कार्यालय स्थापित करने का दिया निर्देश : पंडित संतोष मिश्रा

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

भाजपा जनकल्याण मंच के प्रदेश मीडिया प्रभारी भीम प्रकाश जी ने बताया कि आज दिल्ली में ही मीटिंग में भाजपा जन कल्याण के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष पंडित श्री संतोष मिश्रा जी ने संगठन के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं को सख्त और स्पष्ट निर्देश जारी करते हुए कहा है कि अब संगठन विस्तार को केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि एक सशक्त जनआंदोलन के रूप में आगे बढ़ाना होगा। उन्होंने सभी जिला अध्यक्षों को निर्देशित करते हुए कहा कि अपने-अपने जिलों में तत्काल प्रभाव से जिला स्तरीय कार्यालय स्थापित करें तथा जन सुनवाई को नियमित रूप से संचालित करते हुए जनता की समस्याओं के समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि संगठन में निष्क्रियता किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रदेश अध्यक्ष ने महामंत्री को निर्देश दिया कि वे संगठन की मजबूती हेतु सभी पदाधिकारियों की जिम्मेदारी तय करें, नियमित समीक्षा करें और कार्य में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करें। पंडित संतोष मिश्रा ने यह भी बताया कि नियुक्ति प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है, इसलिए सभी जिला अध्यक्ष एवं पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में मजबूत, सक्रिय और समर्पित टीम का गठन शीघ्र पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए हर कार्यकर्ता को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। उन्होंने अपने संदेश में जोर देते हुए कहा कि ह्लसंगठन की ताकत ही हमारी असली पहचान है, और अब समय आ गया है कि हम इसे और भी सशक्त बनाकर जन-जन तक पहुंचाएं।ह्व अंत में उन्होंने सभी कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ संगठन के उद्देश्यों को आगे बढ़ाएं और भाजपा जन कल्याण मंच को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में अपना योगदान दें, सभी मीडिया प्रभारी प्रचार प्रसार के माध्यम से भाजपा जनकल्याण मंच के द्वारा भाजपा के द्वारा जनता को दिए जा रहे सुविधाओं को जनता तक पहुंचने का कार्य करते रहें , साथ ही सभी जनता के बीच जाकर उनके मन की बात को सुने और उनको भाजपा के द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा करें।साथ ही प्रदेश के सभी सम्मानित पदाधिकारियों एवं सदस्यों की दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष पंडित श्री संतोष मिश्रा जी के जनता की सुख सुविधाओं को ध्यान में रखने का निर्देश दिया।

मंत्री सिरसा ने किया डीकेवीआईबी कर्मचारियों के वित्तीय उन्नयन से जुड़े मुद्दों का समाधान

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के उद्योग, खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने गुरुवार को दिल्ली सचिवालय में दिल्ली खादी और ग्राम उद्योग बोर्ड (डीकेवीआईबी) के कर्मचारियों से मुलाकात की। इसके दौरान उन्होंने कर्मचारियों के 32 साल पुराने वित्तीय उन्नयन से जुड़े मुद्दे का समाधान किया, जो सीधे उनके पदोन्नति से जुड़ा हुआ है। इस फैसले से डीकेवीआईबी के रिटायर्ड कर्मचारियों को भी लाभ मिलेगा, जो लंबे समय से इस फैसले का इंतजार कर रहे थे। मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, ह्यजो मामला पिछली कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आआपा) सरकारों में दशकों तक लटका रहा, उसे मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में आज हमने सुलझाकर कर्मचारियों को उनका हक दिलाने का काम किया है।ह्य उन्होंने कहा कि किसी का हक न मारा जाए और सबको उसका सही सम्मान मिले, यही हमारी सरकार का असली मकसद है। जनसेवा की असली भावना के साथ हमारी सरकार काम कर रही है।

दिल्ली साइबर पुलिस की बड़ी कार्रवाईः 500 से अधिक महिलाओं को ठगने वाला शातिर ठग गिरफ्तार, करीब 2 करोड़ की ठगी का खुलासा

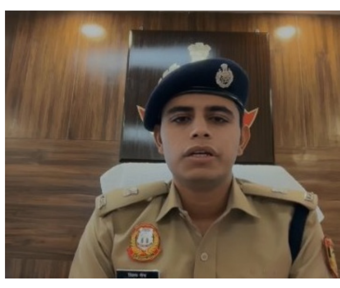

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली, साउथ वेस्ट जिला साइबर पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए महिलाओं को निशाना बनाकर ठगी और ब्लैकमेलिंग करने वाले एक कुख्यात साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया है। आरोपी फर्जी प्रोफाइल बनाकर डेटिंग और मैट्रिमोनियल ऐप्स के जरिए महिलाओं को अपने जाल में फंसाता था और बाद में निजी फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी देकर पैसे ऐंठता था। यह जानकारी साउथ वेस्ट जिले के डीसीपी अमित गोयल ने दी। पुलिस के अनुसार आरोपी बेहद शातिर तरीके से अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर डॉक्टर, वकील, बिजनेसमैन और फिल्म प्रोड्यूसर जैसी फर्जी पहचान बनाकर लोगों को झांसे में लेता था। अब तक की जांच में सामने आया है कि आरोपी ने 500 से अधिक महिलाओं को निशाना बनाया और उनसे लगभग 2 करोड़ रुपये की ठगी व वसूली की है। यह मामला तब सामने आया जब एक पीड़िता ने ई-एफआईआर दर्ज कराई, जिसमें बताया गया कि आरोपी ने पहले डेटिंग ऐप पर संपर्क कर भरोसा जीता और फिर इंस्टाग्राम व व्हाट्सएप पर बातचीत जारी रखी। बाद में बीमारी, व्यापार में नुकसान और पारिवारिक आपातकाल जैसी झूठी कहानियां बनाकर लगभग 7 लाख रुपये की ठगी की गई। शिकायत के बाद साइबर थाना टीम ने तकनीकी जांच शुरू की और मोबाइल नंबर, सोशल मीडिया अकाउंट्स व बैंक ट्रांजेक्शन ट्रेल्स के आधार पर आरोपी की लोकेशन ट्रैक की। इसके बाद पश्चिम बंगाल के 24 परगना क्षेत्र में कई जगहों पर छापेमारी कर आरोपी आनंद कुमार (35 वर्ष) को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान 4 स्मार्टफोन, 8 सिम कार्ड, 3 डेबिट कार्ड, सोने के कंगन और चेन बरामद किए गए।

दिल्ली के सरकारी स्कूलों के छात्रों ने सीबीएसई कक्षा 10 वीं परिणाम में 97.23% उत्तीर्ण प्रतिशत हासिल किया, राष्ट्रीय औसत को पीछे छोड़ा

हमारी बेटियों ने 97.37% उत्तीर्ण प्रतिशत के साथ नेतृत्व किया—यह दिल्ली के लिए गर्व का विषय है : सूद

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने सीबीएसई कक्षा 10 वीं के परिणाम आने और दिल्ली के सरकारी स्कूलों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर छात्रों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को बधाई दी। दिल्ली सरकार के स्कूलों ने 97.23% उत्तीर्ण प्रतिशत दर्ज किया, जो वर्ष 2025 के 94.64% से 2.59% अधिक है और राष्ट्रीय औसत 93.70% से बेहतर है। सूद ने कहा कि यह परिणाम मात्र संयोग नहीं, बल्कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में निर्मित सशक्त शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र का प्रत्यक्ष परिणाम है। उन्होंने कहा कि यह सुधार केवल कुछ चुनिंदा स्कूलों तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे दिल्ली के सरकारी स्कूल नेटवर्क में व्यापक रूप से दिखाई दे रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष 300 की तुलना में इस वर्ष 457 स्कूलों ने 100% परिणाम हासिल किया ही। वहीं 924 स्कूलों ने 90% से अधिक परिणाम दर्ज किया, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 529 थी। सरकारी स्कूलों में सीखने के परिणामों में भी निरंतर और सकारात्मक सुधार देखा गया है, जो शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन को दशार्ता है। सूद ने यह भी बताया की इस वर्ष कुल 1,88,460 छात्रों ने परीक्षा दी, जिनमें से 1,83,246 छात्र पास हुए। व्यक्तिगत उपलब्धियों की बात करें तो 26 छात्रों ने 95% से अधिक अंक प्राप्त किए, 540 छात्रों ने 90% से 95% के बीच अंक हासिल किए, और 5,202 छात्रों ने 80% से 90% के बीच अंक प्राप्त किए। सूद ने परिणामों पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि छात्राओं ने 97.37% उत्तीर्ण प्रतिशत के साथ छात्रों (97.09%) से बेहतर प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार इस बात के लिए प्रतिबद्ध है कि किसी भी बालिका की शिक्षा दूरी के कारण बाधित न हो। इसी दिशा में दिल्ली सरकार के इस वर्ष के बजट में कक्षा 9 की लगभग 1.3 लाख छात्राओं को निःशुल्क साइकिल उपलब्ध कराने हेतु 90 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। शिक्षा मंत्री ने आगे कहा कि ऐसे परिणाम अचानक नहीं आते, बल्कि भविष्य-उन्मुख वातावरण में विकसित होते हैं। इस वर्ष दिल्ली के सरकारी स्कूलों में 9,000 स्मार्ट कक्षाओं की स्थापना की गई है, जिसका कुल लक्ष्य 21,000 है। इसके साथ ही 175 आधुनिक कंप्यूटर लैब और 125 डिजिटाइज्ड पुस्तकालय स्थापित किए गए हैं। यह सुनिश्चित करता है कि हर छात्र को, उसकी पृष्ठभूमि चाहे जो भी हो, 21वीं सदी की तकनीक तक समान पहुंच मिले। उन्होंने यह भी बताया कि दिल्ली सरकार द्वारा बनाये गए 75 सीएम श्री स्कूल नए मानक स्थापित कर रहे हैं, जहां ए आई आधारित भाषा प्रयोगशालाएं और करियर लैब स्थापित की गई हैं, जिससे छात्रों को केवल परीक्षाओं के लिए नहीं, बल्कि जीवन के लिए तैयार किया जा रहा है। 19,148 करोड़ रुपये के सशक्त शिक्षा बजट के साथ सरकार छात्रों के आत्मविश्वास, क्षमता और व्यक्तित्व के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। सूद ने दोहराया कि मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली ने वादों से आगे बढ़कर परिणामों को सिद्ध किया है। यह उपलब्धि एक दिन में नहीं मिली, बल्कि बेहतर अवसंरचना, नवाचारी शिक्षा पद्धतियों और प्रत्येक बच्चे के विकास पर निरंतर ध्यान का परिणाम है। दिल्ली सरकार का लक्ष्य है की दिल्ली के हर बच्चे को विश्वस्तरीय एवम सुलभ शिक्षा दी जाए।

गाजियाबाद-सहारनपुर मार्ग पर सेक्शनल स्पीड 130 किमी प्रति घंटा तक बढ़ाने के लिए बड़ा कदम उठाया

भरत पांडेय/प्रातः किरण

नई दिल्ली। रेल अवसंरचना के आधुनिकीकरण और यात्रा समय में कमी लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए, उत्तर रेलवे ने पाबली खास और मेरठ छावनी रेलवे स्टेशनों पर डबल डिस्टेंट सिग्नल सफलतापूर्वक कमीशन किए। यह उन्नयन गाजियाबादझमेरठझसहारनपुर खंड पर ट्रेनों की गति को 130 किमी/घंटा तक बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया है। यह परियोजना 15 अप्रैल 2026 को एक महत्वपूर्ण परिचालन उपलब्धि तक पहुंची, जब रेलगाड़ी संख्या 12903 ने शाम 17:36 बजे अप दिशा में इस उन्नत खंड को सुरक्षित रूप से पार किया, जो नई सिग्नलिंग और इंटरलॉकिंग प्रणालियों के सफल एकीकरण का प्रमाण है। इस कमीशनिंग में मौजूदा सिग्नलिंग और सुरक्षा प्रोटोकॉल का व्यापक उन्नयन शामिल है। उन्नत इंटरलॉकिंगः लेवल क्रॉसिंग एलसी-31 सी का सफल इंटरलॉकिंग, जिसमें आधुनिक इलेक्ट्रिक लिफ्टिंग बैरियर, एफ्ट्रोनिक्स द्वारा रिमोट टर्मिनल यूनिट तथा इंटीग्रेटेड पावर सप्लाई प्रणाली स्थापित की गई है। सिस्टम संशोधनः मेरठ छावनी और पाबली खास रेलवे स्टेशनों पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग तथा विजुअल डिस्प्ले यूनिट प्रणालियों में महत्वपूर्ण संशोधन किए गए। कठोर परीक्षणः उच्च गति संचालन सुनिश्चित करने के लिए कुल 90 रूट्स का परीक्षण एवं सत्यापन किया गया (मेरठ छावनी पर 57 और पाबली खास पर 33)। नई सिग्नलिंग अवसंरचनाः लोको पायलट को अग्रिम सूचना देने हेतु नए अप/डाउन गेट एवं डिस्टेंट सिग्नल स्थापित किए गए, जो उच्च गति सेक्शनल संचालन के लिए आवश्यक हैं। - यात्री अनुभव में सुधार सेक्शनल गति को 130 किमी/घंटा तक बढ़ाने के लिए, उत्तर रेलवे का उद्देश्य मेरठझसहारनपुर कॉरिडोर से यात्रा करने वाले यात्रियों को अधिक सुगम और कुशल यात्रा अनुभव प्रदान करना है। डबल डिस्टेंट सिग्नलिंग प्रणाली के माध्यम से उच्च गति ट्रेनों के लिए बेहतर दृश्यता और नियंत्रण सुनिश्चित होता है, जिससे अचानक ब्रेक लगाने की आवश्यकता कम होती है और समयपालन में सुधार होता है। यह परियोजना उत्तर रेलवे की अत्याधुनिक तकनीकों को अपनाने और भारतीय रेल नेटवर्क की बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा करने की प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

बार बार बम धमकियां मिलने के बाद विधानसभा अध्यक्ष को जेड श्रेणी की सुरक्षा

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा को बार-बार बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल मिलने के मद्देनजर विधानसभा अध्यक्ष को जेड श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई है। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। दिल्ली विधानसभा सचिवालय के एक बयान में कहा है कि बजट सत्र के बाद से बम संबंधी धमकियां आने और हाल में विधानसभा की सुरक्षा में चूक के बाद, अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता की सुरक्षा को बढ़ाकर जेड श्रेणी का कर दिया गया है। विधानसभा सचिवालय और अध्यक्ष के कार्यालय को 23 मार्च को शुरू हुए बजट सत्र के बाद से लगभग छह. सात धमकी भरे ईमेल मिले हैं। इसके बाद यह कदम उठाया गया है। इसके अलावा हाल में एक शख्स अपनी कार से विधानसभा गेट नंबर दो पर लगे अवरोधक तोड़ते हुए परिसर में घुस गया था और वहां अध्यक्ष के कार्यालय के पास गुलदस्ता और माला रखकर वापस लौट गया। नई जेड श्रेणी की सुरक्षा व्यवस्था के तहत, गुप्ता को एक विशेष टीम द्वारा चौबीसों घंटे व सातों दिन सुरक्षा प्रदान की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

आबकारी विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, मप्र में फिट नहीं बैठता छत्तीसगढ़ मॉडल

भोपाल, प्रात:किरण संवाददाता। मप्र में नई आबकारी नीति लागू होने के बाद करीब 96 प्रतिशत शराब दुकानों की नीलामी हो चुकी है। शेष 4 प्रतिशत दुकानों के लिए कई बार नीलामी की प्रक्रिया हुई है, लेकिन इनको कोई लेने को तैयार नहीं है। ऐसे में सरकार की मंशा है कि इन दुकानों का संचालन छत्तीसगढ़ मॉडल पर कराया जाए। इस बीच प्रदेश में शराब की बिक्री और आबकारी नीति को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच, छत्तीसगढ़ के शराब मॉडल को मप्र में लागू करना अव्यावहारिक माना गया है। आबकारी विभाग द्वारा की गई स्टडी के बाद यह रिपोर्ट सरकार को सौंपी जा रही है कि छत्तीसगढ़ मॉडल एमपी में फिट नहीं बैठता है। मप्र में लगभग 96 प्रतिशत शराब दुकानों का पहले ही नीलामी के माध्यम से आवंटन हो चुका है। छत्तीसगढ़ मॉडल सरकारी दुकानों के संचालन पर आधारित है, जिसे लागू करने पर सरकार को अपने ही ठेकेदारों से प्रतिस्पर्धा करनी पड़ती। छत्तीसगढ़ मॉडल को पूरी तरह लागू करने के लिए, जो अभी लागू नहीं है, नए सिरे से नीलामी की आवश्यकता होगी। मौजूदा स्थिति में इसे लागू करने से राजस्व और प्रबंधन में अव्यवस्था फैल सकती है। अगर सरकार इस मॉडल को अपनाती है, तो इसके लिए बड़े पैमाने पर मैनपावर, परिवहन और प्रॉपर्टी का अनुबंध करना होगा, जिसके लिए काफी समय चाहिए। दिलचस्प बात यह है कि छत्तीसगढ़ सरकार भी अब सरकारी मॉडल से हटकर ठेका पद्धति को फिर से लागू करने की तैयारी में है।

22 प्रोजेक्ट्स की देरी ने खजाने पर बढ़ाया 687 करोड़ का बोझ

भोपाल, प्रात:किरण संवाददाता। मध्य प्रदेश में विकास के दावे एक बार फिर सवालों के घेरे में हैं। दरअसल कागजों पर तेजी से दौड़ती विकास योजनाएं जमीनी हकीकत में सुस्ती की शिकार हो रही हैं। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक यानि सीएजी की ताजा रिपोर्ट की मानें तो अधिकारियों की लापरवाही और देरी का खामियाजा सीधे जनता और सरकारी खजाने को भुगतना पड़ रहा है। लोक निर्माण विभाग, नर्मदा घटी विकास प्राधिकरण और नगरीय प्रशासन जैसे केवल 3 विभागों की 22 अधूरी परियोजनाओं ने राज्य पर 687 करोड़ रुपये से ज्यादा का अतिरिक्त बोझ डाल दिया है। सीएजी की रिपोर्ट में 31 मार्च 2023 तक की स्थिति का विश्लेषण किया गया है, जिसमें सामने आया कि कई परियोजनाएं तय समय सीमा में पूरी नहीं हो सकीं। प्रशासनिक ढिलाई और निर्णय लेने में देरी के कारण इन परियोजनाओं की लागत लगातार बढ़ती गई।

भाजपा कोर ग्रुप की बैठक में राज्यसभा चुनाव पर भी हुआ मंथन

तीसरी सीट पर चुनाव नहीं लड़ेगी भाजपा!

भोपाल, प्रात:किरण संवाददाता।

मप्र में राज्यसभा की तीन सीटों पर होने वाले चुनाव को लेकर सियासी गहमागहमी चरम पर पहुंच गई है। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा तीसरी सीट पर अपना उम्मीदवार नहीं उतारेगी। यह फैसला कांग्रेस में कथित 'तोड़फोड़' की राजनीति से दूरी बनाकर साफ संदेश देने के उद्देश्य से लिया गया है।

भाजपा नेताओं का कहना है कि उनकी पार्टी जिस सीट पर चुनाव लड़ेगी, उस पर जीत हासिल करेगी। उधर, मुख्यमंत्री निवास में भाजपा कोर कमेटी की बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा हुई। जिसमें नारी शक्ति वंदन अधिनियम, राज्यसभा की तीन सीटों पर होने वाले चुनाव, साल 2028 में राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव, किस तरह संगठन और सरकार के बीच तालमेल बनाया जाए, निगम और मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति, मंत्रिमंडल के विस्तार और पार्टी संगठन के आगामी

कार्यक्रम शामिल हैं। इस दौरान निर्णय लिया गया कि राज्यसभा की तीसरी सीट यानी कांग्रेस के कब्जे वाली सीट पर भाजपा प्रत्याशी उतारेगी या नहीं यह केंद्रीय नेतृत्व तय करेगा। गौरतलब है कि प्रदेश में राज्यसभा की तीन सीटों पर चुनाव होना है। इनमें से दो सीटें भाजपा और एक सीट कांग्रेस के पास है। कांग्रेस में जिस तरह के हालात बने हुए हैं उससे भाजपा तीसरी सीट पर भी संभावना तलाश रही है।

इस बीच मप्र भाजपा कोरग्रुप ने तय किया है कि यदि पार्टी हाईकमान का निर्देश होगा, तो मप्र से राज्यसभा की तीसरी सीट पर पार्टी प्रत्याशी उतारेगी। खाली हो रही सीटों पर भी दिल्ली के निर्देश पर नाम तय किए जाएंगे। नेताओं ने कितनी सीटों पर पार्टी प्रत्याशी खड़े करने है, इस पर निर्णय पूरी तरह से दिल्ली पर छोड़ दिया गया। नेताओं ने कहा कि यदि दिल्ली कहेंगी, तो तीसरी सीट पर भी प्रत्याशी को मैदान में उतारा जाएगा और उसके बाद ही तय करेंगे कि तीनों उम्मीदवार किस तरह से चुनाव जीतेंगे।

भाजपा फेल हो गई: पीसी शर्मा

सूत्रों की मानें तो भाजपा के पास विधायकों की संख्या में सात की कमी बताई जा रही है, जो तीसरी सीट पर उम्मीदवार उतारने की राह में बड़ी बाधा बनी। वहीं, कांग्रेस खेमे में इस खबर से जश्न का माहौल है, लेकिन अंदरखाने हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस नेता पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने कहा कि भाजपा ने तोड़फोड़ की कोशिश की, लेकिन स्थितियों को भांपकर वह फेल हो गई। उन्होंने दावा किया कि अब कांग्रेस में एकजुटता है और टूट नहीं हो पाएगी, इसलिए भाजपा ने तीसरा उम्मीदवार न उतारने का फैसला लिया।

सत्ता और संगठन की बैठकों में बनी सहमति

सहकारी समितियों में राजनीतिक प्रशासक नियुक्त करेगी सरकार

भोपाल, प्रात:किरण संवाददाता।

मप्र में जहां एक तरफ निगम-मंडल-प्राधिकरणों में राजनीतिक नियुक्तियों का मामला लगातार टलता जा रहा है, वहीं सहकारी बैंकों और समितियों में राजनीतिक नियुक्तियों की तैयारी तेज हो गई है। सत्ता और संगठन की बैठकों में इसके लिए सहमति बन गई है। सूत्रों के मुताबिक, सहकारिता विभाग में लंबे समय से लंबित नियुक्तियों को अब तेजी से पूरा करने की योजना बनाई जा रही है। इसके तहत अपेक्स बैंक सहित जिला सहकारी बैंकों में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, संचालक मंडल और अन्य समितियों में पदाधिकारियों की नियुक्ति जल्द हो सकती है। बताया जा रहा है कि निगम-मंडलों के साथ-साथ सहकारी संस्थाओं में भी राजनीतिक संतुलन साधने की कोशिश की जा रही है। यह नियुक्तियां आने वाले चुनावों को ध्यान में रखते हुए बेहद अहम मानी जा रही हैं। हाल ही में इस मुद्दे को लेकर केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के बीच मुलाकात भी हो चुकी है। इसके अलावा क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जमवाल के साथ भी इस विषय पर विस्तार से चर्चा की गई है। सूत्रों की मानें तो पहले इन पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी और उसके बाद सहकारी संस्थाओं में चुनाव कराने की रणनीति पर काम होगा। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि सहकारिता क्षेत्र में ये

नियुक्तियां चुनावी समीकरणों को साधने में अहम भूमिका निभा सकती हैं।

अभी अधिकारी-कर्मचारी हैं प्रशासक

गौरतलब है कि प्रदेश में कृषक कल्याण वर्ष मनाया जा रहा है। इसमें किसानों के हित में कई काम किए जा रहे हैं। अब इनसे जुड़ी संस्थाओं के चुनाव कराने की तैयारी है। चुनाव न होने के कारण वर्तमान में समितियों के कामकाज को संचालित करने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रशासक नियुक्त किया गया था। अब इन्हें मुक्त करके राजनीतिक नियुक्तियां की जाएंगी। दरअसल, पिछले दिनों राजनीतिक नियुक्तियों को लेकर सत्ता और संगठन की जो बैठकें हुईं, उनमें यह बात निकलकर सामने आई कि अब कार्यकर्ताओं को सहकारी और कृषि उपज मंडियों में समायोजित किया जाए। इसके लिए पहले मनोनयन होगा। इसकी तैयारी काफी समय से चल भी रही है लेकिन सहमति नहीं बनने के कारण मामला रुका हुआ था। प्रदेश में 4,345 सहकारी समितियों, 38 जिला सहकारी केंद्रीय बैंक और राज्य शीर्ष बैंक (अपेक्स बैंक) हैं।

कानूनी पेचीदगी और प्रशासनिक बदलाव : 2018 से इनके चुनाव अलग-अलग कारणों से नहीं हुए हैं। हाई कोर्ट बार-बार चुनाव कराने को लेकर निर्देश दे रहा है। सरकार ने अवमानना से बचने के लिए अधिनियम में संशोधन करके यह प्रविधान तो कर लिया कि विशेष परिस्थितियों में चुनाव आगे बढ़ाए जा सकते हैं लेकिन अब कार्यकर्ताओं को समायोजित करने की बात है। इससे पहले राजनीतिक नियुक्तियों के क्रम में नगरीय निकायों में एल्डरमैन (मनोनीत पार्षद) नियुक्त किए जा चुके हैं। अब सबसे बड़े क्षेत्र सहकारी समितियों की बारी है। दरअसल, पंचायत के बाद प्रदेश में इनका ही बड़ा नेटवर्क है। समितियों से लगभग 65 लाख किसान जुड़े हैं। भले ही समितियों के चुनाव राजनीतिक आधार पर नहीं होते हैं मगर इनकी भूमिका पंचायत से लेकर विधानसभा-लोकसभा के चुनाव में महत्वपूर्ण रहती है। पार्टी के पक्ष में वातावरण बनाने का दायित्व इन्हीं का रहता है।

डामर हुआ महंगा... सड़कों का काम अटका

भोपाल, प्रात:किरण संवाददाता। ईरान-इजरायल युद्ध का असर अब विकास कार्यों पर नजर आने लगा है। क्रूड ऑयल की सप्लाई घटने व कीमतें बढ़ने से सड़क निर्माण में इस्तेमाल होने वाली डामर की किल्लत हो गई है। इसकी सप्लाई करीब 60 फीसदी तक घट गई है, जिससे प्रदेश में चल रहे कई सड़क निर्माण कार्य या तो बंद हो गए हैं या धीमे पड़ गए हैं। अगले कुछ दिन यही स्थिति रही तो प्रोजेक्ट पूरी तरह रुक जाएंगे। उनकी लागत भी बढ़ जाएगी। मप्र में सड़कों के निर्माण और मरम्मत का काम टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद ठप है। आलम यह है कि टेंडर होने के बाद भी ठेकेदार काम करने को तैयार नहीं हो रहे हैं।

गौरतलब है कि दुनिया भर में पेट्रोल एवं डीजल के दाम बढ़ गए हैं, लेकिन भारत में अभी पुराने दाम पर ही बिक्री हो रही है। हालांकि पेट्रोलियम कपंनियों ने डामर के दाम बहुत ज्यादा बढ़ा दिए हैं। 28 फरवरी से 13 अप्रैल के बीच डामर के दामों में दोगुना अंतर आया है। फरवरी में डामर का रेट 54000 रुपए प्रति 1000 किलो था, जो अब बढ़कर 78912 रुपए हो गया है। इतना ही नहीं, डामर की सप्लाई भी देरी से हो रही है। रेट बढ़ने से सड़क निर्माण भी महंगा हो गया है इसलिए ठेकेदारों ने बंद कर दिया है।

600 से ज्यादा सड़कों का काम प्रभावित : प्रदेश में 600 से अधिक सड़कों का काम काम प्रभावित हो रहा है। ग्वालियर में पीडब्ल्यूडी एवं नगर निगम द्वारा डामर से बनने वाली लगभग 51 सड़कों के टेंडर लगाए गए हैं। इनमें 47 टेंडर ग्वालियर नगर निगम में लगे हैं और तीन टेंडर पीडब्ल्यूडी द्वारा लगाए गए हैं। इनमें अधिकतर टेंडर खुल चुके हैं। ठेकेदारों ने अनुबंध भी कर लिए हैं, लेकिन काम शुरू नहीं किए। वर्तमान में डामर का रेट दोगुना हो गया है इसलिए ठेकेदार काम करने से बच रहे हैं। जो बहुत ही ज्यादा आवश्यक कार्य हैं, वहीं ठेकेदार कर रहे हैं। इसके अलावा पैच रिपेयरिंग भी अभी बंद कर दी गई है। ठेकेदारों ने निगमायुक्त को भी बता दिया है कि जो बहुत आवश्यक कार्य हैं, वहीं किए जाएंगे। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शहर की जर्जर सड़कों को सही करने के लिए अधिकारियों की बैठक ली थी। इसमें 77 सड़कों की सूची बताई गई थी। इनमें 34 सडकों का काम पूरा हो चुका है। 20 सड़कों का काम चल रहा है जिसे फिलहाल बंद कर दिया गया है। सात सड़कों के अनुबंध हो गए है।

छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ में सहायक शिक्षक के 2292 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू

रायपुर, प्रात:किरण संवाददाता।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की घोषणा के अनुरूप स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा राज्य में बड़ी भर्ती प्रक्रिया की शुरुआत की गई है। विभाग द्वारा कुल 5000 शिक्षकीय पदों पर भर्ती की योजना के तहत पहले चरण में सहायक शिक्षक के 2292 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया जा रहा है। इन पदों में से 795 पद ई-संवर्ग की शालाओं के लिए तथा 1497 पद टी-संवर्ग की शालाओं के लिए निर्धारित किए गए हैं।

लोक शिक्षण संचालनालय के उपसंचालक अशोक नारायण बंजारा ने जानकारी दी कि इन पदों के लिए विस्तृत विज्ञापन जल्द ही छत्तीसगढ़ व्यापम की आधिकारिक वेबसाइट https://vyapamcg.cgstate.gov.in/ और स्कूल शिक्षा विभाग की वेबसाइट httpsÑ//eduportal.cg.nic.in पर उपलब्ध कराया जाएगा। इसके साथ ही भर्ती परीक्षा का पाठ्यक्रम भी व्यापम की वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इन पदों के लिए लिखित भर्ती परीक्षा का आयोजन छत्तीसगढ़ व्यापम द्वारा किया जाएगा, जिसकी संभावित तिथि 11 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है।

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया की तिथि और अन्य दिशा-निर्देश अलग से जारी किए जाएंगे। साथ ही यह भी बताया गया है कि मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुसार व्याख्याता और शिक्षक पदों पर भर्ती के लिए भी अलग से विज्ञापन जारी किया जाएगा।

रायपुर नगर निगम में 100 करोड़ से ज्यादा का घोटाला!

TNC और मार्ग संरचना अप्रूवल के नाम पर हुआ खेल, फाइलें गायब, जानिए क्या कहते हैं अधिकारी

रायपुर, प्रात:किरण संवाददाता।

रायपुर नगर निगम में 100 करोड़ रुपये से अधिक कथित घोटाले का मामला सामने आया है, जिससे हड़कंप मच गया है। टीएनसी (टाउन एंड कंट्री प्लानिंग) और मार्ग संरचना अप्रूवल के नाम पर नियम-कानूनों को दरकिनार कर फाइलें पास करने और बाद में मूल दस्तावेज गायब होने के आरोप लगे हैं। मामले में प्रक्रिया को बायपास करने, 70 खसरा नंबर की फाइलें गायब होने और अधिकारियों-बिल्डरों की मिलीभगत जैसे गंभीर सवाल उठे हैं, जिस पर अब जांच के आदेश दिए गए हैं।

रायपुर नगर पालिक निगम में टाउन एंड कंट्री प्लानिंग (TNC) और मार्ग संरचना अप्रूवल प्रक्रिया में भारी अनियमितताओं का मामला सामने आया है। आरोप है कि 100 करोड़ रुपये से ज्यादा का घोटाला कर निजी बिल्डरों और दलालों को फायदा पहुंचाने के लिए पूरी प्रक्रिया को दरकिनार कर दिया गया है। मामले की भनक लगते ही 70 से ज्यादा खसरा नंबरों की मूल फाइलें गायब कर दी गई।

अवैध कॉलोनियों को अवैध तरीके से वैध करने का षड्यंत्र

नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने इस घोटाले को लेकर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि यह 100

करोड़ से अधिक का घोटाला है। दलाल, बिल्डरों और कुछ अधिकारियों की मिलीभगत से खेल खेला गया है। नियम-कानून और प्रक्रिया को तिलांजलि दे दी गई है। मामले की जानकारी होते ही मूल नस्ती गायब कर दी गई। अवैध कॉलोनियों को अवैध तरीके से वैध करने का एक बड़ा षड्यंत्र है।

घोटाले का केंद्र- बोरियाखुर्द, ओम नगर, साई नगर, बिलाल नगर

यह पूरा मामला कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड क्रमांक 54 अंतर्गत आरडीए कॉलोनी से लगे बोरियाखुर्द, ओम नगर, साई नगर और बिलाल नगर क्षेत्र के भूखंडों से जुड़ा है। इनमें भूखंड क्रमांक 81, 82, 86 से लेकर 450 तक कुल 70 से अधिक खसरा नंबर, All of Part शामिल हैं।

प्रक्रिया कैसे बायपास की गई?

नियम के अनुसार अप्रूवल की प्रक्रिया इस प्रकार है– जोन से फाइल निगम मुख्यालय आती है। निगम कमिश्नर अप्रूवल देते हैं। फिर टाउन एंड कंट्री प्लानिंग (TNC) विभाग भेजी जाती है। TNC से वापस कमिश्नर के पास आती है और अंतिम अप्रूवल के बाद जोन को भेजी जाती है। लेकिन इस मामले में जोन क्रमांक 10 से फाइल सीधे TNC विभाग पहुंचा दी गई। निगम कमिश्नर को पूरी तरह बायपास कर दिया गया। जब ञ्हृष्ट से फाइल कमिश्नर के पास आई, तो उन्होंने हैरानी जताई कि यह फाइल तो उन्होंने अप्रूव ही नहीं की थी। इसके बाद जोन क्रमांक 10 से मूल नस्ती मंगवाई गई, तो पता चला कि मूल फाइल गायब हो चुकी है। जोन आयुक्त, जोन-10 ने नस्ती गुम होने का आधिकारिक पत्र भी लिखा है।

निगम कमिश्नर विश्वदीप का बयान

नगर निगम आयुक्त विश्वदीप ने मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया है। गड़बड़ियां सामने आई हैं। उन्होंने बताया कि तत्काल प्रभाव से मामले में कार्रवाई शुरू की गई है और पूरी जांच कराई जाएगी। जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

भंडाफोड़

आईटीसी की कार्रवाई में 5 लाख का माल जब्त

प्रदेश में नकली 'गोल्ड फ्लैक' की हो रही सप्लाई

बिलासपुर, प्रात:किरण संवाददाता।

बिलासपुर में नकली सिगरेट के कारोबार का बड़ा खुलासा हुआ है। व्यापार विहार के मालधक्का क्षेत्र में डुप्लीकेट 'गोल्ड फ्लैक' ब्रांड की सिगरेट की सप्लाई की जा रही थी। दिल्ली से आई आईटीसी कंपनी की टीम ने योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई करते हुए इस अवैध धंधे का भंडाफोड़ किया।

दरसअल, टीम को पहले से ही बिलासपुर में नकली सिगरेट बिकने की सूचना मिल रही थी। इसी के आधार पर टीम के सदस्य शहर पहुंचे और सबसे पहले अलग-अलग पान ठेलों व दुकानों से सिगरेट के सैंपल एकत्र किए। जांच में यह स्पष्ट हुआ कि बाजार में बिक रही सिगरेट असली नहीं है।

इसके बाद टीम ने सप्लाई नेटवर्क तक पहुंचने के लिए ग्राहक बनकर सिगरेट की मांग

की। संपर्क करने पर उन्हें महाराणा प्रताप चौक के पास निगम कॉलोनी में बुलाया गया, जहां से थोक स्तर पर सिगरेट की आपूर्ति की जा रही थी। यहां पहुंचकर टीम ने रोशन चंदानी की फर्म में रखे माल की जांच की और ओरिजिनल उत्पाद से तुलना की। जांच में पूरा स्टॉक नकली पाया गया।

कार्रवाई के दौरान करीब 5 लाख रुपए कीमत की चार कार्टून सिगरेट जब्त की गई। बताया जा रहा है कि आरोपी कारोबारी शहर के कई छोटे-बड़े दुकानदारों को थोक में यह सिगरेट सप्लाई कर रहा था।

कार्रवाई के बाद टीम सिविल लाइन थाने पहुंची, जहां पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी गई और जब्त माल सुपुर्द किया गया। जानकारी के मुताबिक नकली सिगरेट का यह कारोबार प्रतिदिन 2 लाख रुपए से अधिक का हो सकता है। असली और नकली सिगरेट के बीच अंतर पैकेजिंग की प्रिंटिंग, होलोग्राम, कोड, सिगरेट की बनावट और स्वाद से पहचाना जाता है।

सौतेली होने के बाद भी जन्म से मानसिक दिव्यांग की गार्जियन बनने लगाई याचिका

बिलासपुर, प्रात:किरण संवाददाता। 26 वर्षीय मानसिक दिव्यांग की सौतेली मां होने के बावजूद महिला उसकी गार्जियन बनने के लिए 2022 से कानूनी लड़ाई लड़ रही है। कानून की बाध्यता के कारण हाईकोर्ट ने भी हस्तक्षेप से इंकार करते हुए लोकल कमेटी में आवेदन देने की याचिकाकर्ता को स्वतंत्रता देते हुए कमेटी को कानून के अनुसार निर्णय करने का निर्देश दिया है। याचिकाकर्ता ने दिव्यांग पुत्री की सगी मां के मौत के बाद उसके पिता से 15 दिसंबर 2012 को दूसरी शादी की है। शादी के बाद पति-पत्नी में विवाद होने पर वह सौतेली पुत्री को लेकर मनेंद्रगढ़ स्थित अपने मायके आ गई। वह उसकी सगी मां से भी ज्यादा देखभाल करती है। पुत्री भी मां के साथ ही रहने की बात कहती है। जैविक पिता अक्टूबर 2022 में मनेन्द्रगढ़ आया और झगड़ा कर पुत्री को अपने साथ जबरदस्ती ले जाने का प्रयास किया। पुलिस बीच-बचाव के कारण वह सफल नहीं हुआ। इस घटना के बाद शासकीय सेवारत सौतेली माँ ने बेटी का विधिवत गर्जियन नियुक्त करने की मांग को लेकर परिवार न्यायालय में

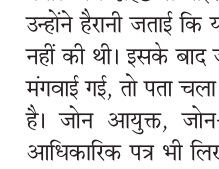

आवेदन दिया। परिवार न्यायालय से आवेदन खारिज होने पर हाई कोर्ट में याचिका पेश की थी। हाईकोर्ट ने कानूनी बाध्यता एवं परिवार न्यायालय को इस एक्ट के तहत अधिकार नहीं होने के आधार पर याचिका को खारिज किया, किन्तु दिव्यांगों के कल्याण हेतु गठित लोकल कमेटी के समक्ष आवेदन प्रस्तुत करने छूट दी है। याचिकाकर्ता ने दिव्यांग बेटी की गार्जियन बनने परिवार न्यायालय में आवेदन दिया। परिवार न्यायालय ने नेशनल ट्रस्ट फॉर वेलफ़ेयर ऑफ पर्सन्स विद ऑटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी, मेंटल रिटार्डे शन एंड मल्टीपल डिसेबिलिटीज एक्ट, 1999 के सेक्शन 14(1) के तहत फाइल की गई उनकी एप्लीकेशन को यह कहते हुए खारिज कर दिया गया कि फैमिली कोर्ट के पास दिव्यांग व्यक्ति के लिए गार्जियन नियुक्त करने की एप्लीकेशन पर विचार करने का कोई अधिकार नहीं है। इसके खिलाफ मां ने हाईकोर्ट में याचिका पेश की थी।

सम्पादकीय

कहो तो कह दूं : चलो दिलदार चलो चांद के पार चलो, हम भी तैयार...

70 के दशक में कमाल अमरोही द्वारा निर्देशित और निर्मित फिल्म पाकीजा आई थी। मीना कुमारी और राजकुमार के अभिनय ने फिल्म को सुपर हिट बना दिया था। इस फिल्म का एक बड़ा मशहूर गीत था चलो दिलदार चलो चांद के पार चलो, हम भी तैयार चलो नासा के आर्टेमिस मिशन के चार अंतरिक्ष यात्री चांद के करीब पहुंचने का ऐतिहासिक सफर पूरा कर सुरक्षित लौट आए, बताया जाता है कि 2028 में आर्टेमिस चार के तहत नासा चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर दो इंसानों को उतारेगी यानी जो कल्पना कई बरस पहले कमाल अमरोही ने की थी और आशिक और महबूबा चांद पर चलने की बात कह रहे थे वो सार्थक सिद्ध होने वाली है। नासा का कहना है कि चांद का रास्ता खुल चुका है आगे और बड़ा काम होगा, अभी तक तो चांद को खूबसूरती का पर्याय माना जाता था न जाने कितने गीत चांद पर बनाए गए हैं यहां तक की महबूबा की खूबसूरती पर एक गीतकार ने तो ये तक लिख दिया चांद आहें भरेगा फूल दिल थाम लेंगे हुस्न की बात चली तो सब तेरा नाम लेंगे फिर एक गीतकार और आगे बढ़ गए कहा चांद सी महबूबा होगी मेरी कब ऐसा मैंने सोचा था आ तुम बिलकुल वैसी हो जैसा मैंने सोचा था जब पूनम की रात होती है तब चांद की खूबसूरती देखने लायक होती है इसलिए शायद चांद को हुस्न का पैमाना माना जाता है लेकिन इंसान इस चांद को भी रौंदने के लिए तैयार है अरे भैया धरती क्या कम है जो तुम चांद पर पहुंच रहे हो और अगर पहुंच भी रहे हो तो चुपचाप अध्ययन करके आ जाओ अब वहां इंसानों को उतारोगे वे वहां गंदगी करेंगे तो चांद बेचारा कर भी क्या लेगा, वो तो ये सोचता था कि हम तो कई लाख मील दूर है इस पृथ्वी से कोई हम तक नहीं पहुंच पाएगा लेकिन इंसान कहां पीछे हटने वाला वो तो अच्छा हुआ कि सूरज में इतनी गर्मी है वरना वो सूरज तक भी पहुंचने की कोशिश कर लेता मंगल, शुक्र, गुरु सब की दहलीज पर अपने पांव रखने के लिए इंसान तैयार हो रहा है खबर तो ये भी लगी है कि कुछ उद्योगपति, बिल्डर चांद से भी प्लाट बेचने के चक्कर में हैं। अपने को तो लगता है कि जिस तरह से इंसान चांद को अपने कब्जे में करने की कोशिश कर रहा है वो दिन दूर नहीं जब वहां भी जाम लगने लगेगा, ठेले टपरे ठुकने लगेंगे अतिक्रमण का जाल फैल जाएगा सब्जी भाजी की दुकानें खुल जाएंगी दारू के ठेके चलने लगेंगे और बेचारा चांद अपनी पुरानी खूबसूरती को याद करते हुए यही गाना गाएगा याद न जाए बीते दिनों की दिल क्यों बुलाए उन्हें। ग्रहों का चक्कर विजयराघवगढ़ के अरबपति भाजपा विधायक संजय पाठक के ग्रह इन दोनों बहुत खराब चल रहे हैं लगता है राहु, शनि, केतु सब एक साथ उन पर हमला करने के लिए तैयार बैठे हैं। एक जमाना था जब संजय पाठक का कांग्रेस में जलजला हुआ करता था बाद में भाई साहब कांग्रेस से कुलाटी खाकर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए सोचा वही जलवा बीजेपी में भी बना रहेगा लेकिन लगता है जब से बीजेपी में आए हैं उनके गृह नक्षत्र कुछ गड़बड़ा से गए हैं जिस पार्टी का दामन थामा था उसी ने चार सौ करोड़ से ज्यादा का जुमार्ना अवैध उत्खनन को लेकर जड़ दिया, इधर हाईकोर्ट के एक जज को फोन करने के मामले में भी भाई जी अलसेट खा गए माफी भी मांग ली लेकिन न्यायालय ने इसको गंभीरता से लिया और आगामी दिनों में फिर पेशी होने वाली है। कहते हैं ये जीवन चक्र है इंसान ऊंचाई पर चला जाता है तो फिर उसे कभी ना कभी नीचे आना ही पड़ता है। आप हिमालय पर चढ़ जाओ, एवरेस्ट पर चढ़ जाओ लेकिन फिर वापस भी वही आना पड़ता है, यही लगता है कि संजय पाठक के साथ हो रहा है अपनी तो उनको एक ही सलाह है कि भैया किसी अच्छे ज्योतिषी या तांत्रिक को अपनी कुंडली दिखाओ कुछ उपाय करवाओ, राहु शनि का जाप करवा लो हो सकता है इससे कुछ शांति महसूस हो सके वरना जो कुछ भोग रहे हो सकता है आगे भी भोगना पड़ जाए क्योंकि यदि ग्रह नक्षत्र नाराज हो गए तो फिर उनके कोप से कोई बचा नहीं पाता सिर्फ ईश्वर का ही एक सहारा बचता है जो इन उधम करने वाले ग्रहों को ठीक कर सकता है दो तीन तीर्थ स्थल पर हो आओ, कुछ ज्योतिर्लिंगों का भ्रमण कर लो शायद इसका कुछ फायदा मिल जाए अपन ने तो सलाह दे दी अब भाई साहब माने या ना माने उनकी मर्जी मोहब्बत हो तो ऐसी जबलपुर के पास सिहोरा में एक आशिक ने अपनी महबूबा से शादी की मांग को लेकर एक ऐसी तरकीब लगाई कि प्रेमिका के परिवार वालों को भी शादी के लिए राजी होना पड़ा।

भारतीय पत्रकारिता को कलंकित करता गोदी मीडिया

सत्ता की गुलामी करने में मदहोश देश का गोदी मीडिया तमाम अपमानों, जलालत, विरोध व आलोचनाओं के बावजूद अपनी प्रस्तुति, सामग्री व शब्दों के चयन के स्तर को दिन प्रतिदिन गिराता जा रहा है। हद तो यह है अपनी टी आर पी बढ़ाने के चक्कर में पाकिस्तान व अन्य देशों के अतिथियों को अपने साथ लाईव जोड़कर उनसे विवदित व बेतुके सवाल पूछकर उन्हें बदकलामी करने के लिये जानबूझकर उकसाया जाता है। ताकि वे तीखा जवाब दें जिससे बहस में गर्मी पैदा हो और बहस में असंसदीय व अभद्र शब्दों का इस्तेमाल हो। और इसी शोर शराबे की आड़ में उनकी टी आर पी भी बढ़े उनका एजेंडा भी पूरा हो और उनके सरपरस्त आका भी खुश हो सकें। देश को कलंकित करने वाले ऐसे अनेक टी वी स्टूडियो में डिबेट के दौरान गाली गलौज, धक्का मुक्की मार पीट सब कुछ तो होता रहता है ? अफसोस यह कि यह सब पूर्वनियोजित होता है और जानबूझकर करवाया जाता है। सरकारी टी वी चैनल डीडी न्यूज के शो दो टूक के एंकर अशोक श्रीवास्तव द्वारा अपने इसी शो में पिछले दिनों की गयी एक अत्यंत घटिया टिप्पणी को सुनकर भला कौन कह सकता कि यह भाषा किसी पत्रकार या टीवी एंकर की भाषा हो सकती है। एक लाइव डिबेट के दौरान अशोक श्रीवास्तव ने कहा कि ह्लराहुल गांधी सावरकर के चप्पल की धूल के एक कण के हजारवें हिस्से के बराबर भी नहीं हैं। राहुल गांधी सावरकर के जूते की नोक के बराबर भी नहीं हैं, और उस नोक पर लगी धूल के कण के भी हजारवें भाग के बराबर नहीं हैं ह्व एंकर अशोक श्रीवास्तव द्वारा यह टिप्पणी सावरकर को श्रद्धांजलि देते समय राहुल गांधी से उनकी तुलना करने के बहाने से की गई थी। इस ओछी व घटिया टिप्पणी के बाद खासकर कांग्रेस कार्यकताओं में उबाल आ गया। कई विपक्षी नेताओं ने भी ऐसी घटिया टिप्पणी को अपमानजनक व असभ्य बताया। इसके बाद युवा कांग्रेस कार्यकताओं ने नई दिल्ली में दूरदर्शन मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने ये पत्रकारिता नहीं, सत्ता की दलाली है जैसे नारे लगाये। गोदी मीडिया का पुतला फूंका गया। इसके बाद यह सवाल भी खड़ा हुआ कि निजी टी वी चैनल तो भय लालच व्यवसायिकता अथवा वैचारिक कारणों से तो सत्ता की गोद में जाकर बैठ ही चुके हैं परन्तु आखिर देश के कर दाताओं के पैसों से चलने वाला सरकारी चैनल भी क्या अपनी निष्पक्षता खो चुका है ? क्या ऊऊ ठी६२ पर भी करोड़ों रुपए लेने वाले पत्रकार व टाई सूट में सजे धजे टी वी ऐंकर भी अब आई टी सेल या ट्रोलर्स की भाषा बोलने के लिये मजबूर हो चुके हैं ? इसी तरह एक निजी टीवी चैनल की एक एंकर हैं जिन्होंने पिछले दिनों इफ़्तार पार्टी आयोजित कर कई राजनेताओं को दावत दी थी। उनकी यह दावत और आमंत्रित लोगों को देखकर यह समझने में देर नहीं लगी कि उनका राजनैतिक रुझान भी है और वह पत्रकारिता के बाद संभवतः राजनीति में ही अपना कैरियर बना सकती हैं। दरअसल गोदी पत्रकारों को यह मालूम है कि गोदी से उतरने के बाद वे इस लायक ही नहीं रहेंगे कि अपना कोई प्लेटफॉर्म खड़ाकर उसपर अपने जौहर दिखा सकें। क्योंकि हर पत्रकार सिद्धार्थ वरदराजन, रवीश कुमार, अजीत अंजुम, अभिसार शर्मा, अशोक पाण्डेय, पुण्य प्रसून वाजपेई, प्रज्ञा मिश्रा, आरिफा खानम या आशुतोष जैसे पत्रकारों के नक़्शे कदम पर नहीं चल सकता। दरअसल ऐसी पत्रकारिता के लिये अध्ययन, साहस, ज्ञान, पत्रकारिता का दायित्वबोध आदि सब कुछ चाहिये जो चाटुकारिता या सत्ता की दलाली के लिये जरूरी नहीं। बहरहाल गोदी चैनल की यही मोहतरमा अपने चैनल पर एक पाकिस्तानी मेहमान को बार बार बुलाती हैं। यह जब उससे कोई तीखा सवाल जानबूझकर करती हैं तो वह शख़्स इनसे भी तीखा जवाब देता है।

भक्ति नहीं है हिन्दू युवा शक्ति को ढोल मंजीरा नचैया बनाने का खेल!

श्रद्धालु सुरेंद्र सिंह नाम के व्यक्ति ने स्वजन के साथ मिलकर कथावाचक और चालक भगवान सिंह संग मारपीट की।कथावाचक शास्त्री ने रोडरेज की इस वारदात को लूट का रंग दे दिया। तहरीर के अनुसार जब ड्राइवर भगवान सिंह ने टक्कर का विरोध किया, तो विपक्षी कार से सुरेंद्र सिंह नामक व्यक्ति अपने पांच अन्य साथियों जिनमें महिलाएं भी शामिल थीं के साथ नीचे उतरा। आरोप है कि इन लोगों ने उतरते ही गाली-गलौज शुरू कर दी और मृदुल कांत शास्त्री के साथ मारपीट की। हमलावरों ने उनके कपड़े फाड़ दिए और गले से सोने की चेन व रुद्राक्ष की माला तोड़कर गायब कर दी। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि हमलावरों ने उन पर जान से मारने की नीयत से हमला किया था।

मनोज कुमार अग्रवाल
(लेखक)

अभी दो दिन पहले वृंदावन में यमुना जी में स्टीमर पलटने से हुए हादसे में महिलाओं बच्चों समेत करीब डेढ़ दर्जन जीवन अकाल मौत का शिकार हो गए। वहीं इस हादसे के एक दिन बाद ही वृंदावन में ही एक कथावाचक मृदुल कृष्ण शास्त्री और श्रद्धालुओं की कार भिड़ंत के बाद रोडरेज मारपीट की वारदात भी चर्चा का बिंदु बनी है। आज इन दोनों हादसा और वारदात तथा धर्म नगरी में फैले अनाचार कदाचार दुर्व्यवहार और धर्म के नाम पर चल रही दुकान का सटीक विश्लेषण करने की जरूरत है। सबसे पहले वृंदावन की नाव दुर्घटना का संदर्भ लें किस तरह लुधियाना से आए श्रद्धालुओं के परिवार जरा सी लापरवाही और प्रशासन की नाकामी के चलते अपना जीवन दे गए। आपको पता हो कि मथुरा के वृंदावन में यमुना में हुए नाव हादसे ने पूरे देश को झकझोर दिया है. हादसे के तीन दिन बाद भी रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है, जहां 13 लोगों की मौत हो चुकी है. वहीं 3 लोग अब भी लापता हैं. सेना, एनडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन की बड़ी टीम लगातार सर्च ऑपरेशन में जुटी है. वृंदावन में एक नाव हादसे ने कई परिवारों की खुशियां छीन लीं. वहीं कुछ परिवार अब भी अपने अपनों के मिलने की आस में नदी किनारे टकटकी लगाए खड़े हैं. हादसा शुक्रवार को हुआ, जब श्रद्धालुओं से भरी एक मोटर बोट देवरहा बाबा के दर्शन के लिए जा रही थी. किसे पता था कि यह सफर उनकी जिंदगी का आखिरी सफर साबित होगा. इस हादसे में मरने वाले अधिकांश युवक युवती और बच्चे शामिल हैं। इस हादसे में मृत डिंकी बीए फाइनल ईयर की छात्रा थी, जिसके सपने अभी अधूरे ही रह गए. वहीं ऋषभ शर्मा 12वीं पास था और अपने पिता के काम में हाथ बंटाता था. दोनों अपने परिवार के साथ धार्मिक यात्रा पर निकले थे, लेकिन यह यात्रा कभी खत्म न होने वाले दर्द में बदल गई. युवा शक्ति को पुरूषार्थी योगी पराक्रमी चरित्रवान नैतिकता और सदाचार का कठोर जीवन अभ्यास करने वाला साहसी निडर धर्म रक्षक देश भक्त बनने की प्रेरणा दें सिर्फ ढोलक मंजीरे नृत्य से मनोरंजन से पर्यटन और कुछ फर्जी बाबाओं गुरू घंटालो की जेब भरने का व्यवसाय चल रहा है और युवा पीढ़ी का धर्म और भक्ति की गलत व्याख्या कर धर्मभीरू परावलंबी कृतध्न और चमत्कार की उम्मीद में जीवन को तबाह बर्बाद करने की ओर धकेलने की धृष्टता अक्षम्य अपराध है। सनातन संस्कृति को सबसे ज्यादा खतरा इसकी आड़ लेकर धर्म के नाम पर अनर्थ कर रहे छिपे कालनेमियो से है। विचार करें सिर्फ.लाइफ जेकेट पहन लेते तो पंद्रह जीवन बचाए जा सकते थे। अब दूसरी वारदात का हवाला लें कोतवाली क्षेत्र के राधानिवास स्थित बस स्टैंड के समीप शनिवार की दोपहर कथावाचक आचार्य मृदुलकांत शास्त्री अपनी कार से घर जा रहे थे।इसी दौरान दिल्ली के श्रद्धालुओं की कार ने ओवरटेक करते हुए दोनों कार टकरा गयी। कथावाचक के चालक ने श्रद्धालुओं की कार को रोका और चाबी निकाल कर कालर पकड़ कर बाहर निकाला जिस पर दोनो पक्षों में मारपीट शुरू हो गई।आरोप है कि कार में टक्कर कथावाचक और उनके कार चालक ने उतरकर दिल्ली के श्रद्धालुओं से अपना विरोध जताया तो वह बदसलूकी करने लगे। श्रद्धालु सुरेंद्र सिंह नाम के व्यक्ति ने स्वजन के साथ मिलकर कथावाचक और चालक भगवान सिंह संग मारपीट की।कथावाचक शास्त्री ने रोडरेज की इस वारदात को लूट का रंग दे दिया। तहरीर के अनुसार जब ड्राइवर भगवान सिंह ने टक्कर का विरोध किया, तो विपक्षी कार से सुरेंद्र सिंह नामक व्यक्ति अपने पांच अन्य साथियों जिनमें महिलाएं भी शामिल थीं के साथ नीचे उतरा। आरोप है कि इन लोगों ने उतरते ही गाली-गलौज शुरू कर दी और मृदुल कांत शास्त्री के साथ मारपीट की। हमलावरों ने उनके कपड़े फाड़ दिए और गले से सोने की चेन व रुद्राक्ष की माला तोड़कर गायब कर दी। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि हमलावरों ने उन पर जान से मारने की नीयत से हमला किया था। कथावाचक और उनके सहयोगी स्थानीय लोगों के दबाव में तीन महिलाओं दो छोटे बच्चों समेत छह लोगों को रात भर पुलिस हिरासत में रखा गया। काफी चिरौरी के बावजूद कथावाचक अपने डीआईजी एसएसपी सर्किल अफसर और कोतवाल से सहयोग मिलने के बयान देते रहे उधर आकस्मिक तनाव में रोडरेज का दूसरा पक्ष महिलाओं बच्चो को भूखे हवालात में रखा गया लेकिन कथावाचक अपनी शान में कथित गुस्ताखी के लिए महिलाओं बच्चो को भी हवालात से बाहर कराने के लिए तैयार नहीं हुए। यह बेहद शर्मनाक है कि मंचों पर क्षमा करुणा और परोपकार का प्रवचन करने वाला कथित संत महिलाओं बच्चो को लाकअप में रखवा कर आत्मसंतुष्टि अनुभव करते हैं। दूसरे पक्ष का आरोप है कि पुलिस ने एकतरफा कारवाई की। कथावाचक ने रसूख का दुरुपयोग कर के इस परिवार के खिलाफ कानूनी कार्यवाही कर के इनको पूरी रात पुलिस लॉकअप में बन्द रखते हैं। इस तरह का एकतरफा प्रकरण ब्रज क्षेत्र के धर्माटन और पर्यटन लिए पतन का कारण भी बन सकता है। यहां श्रद्धालु परिवार दर्शन के लिए आते हैं और श्रद्धा के साथ आते हैं उनके सम्मान की और सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी है? यदि ऐसे पक्षपात पूर्ण कारवाई होगी तो एक दिन वो आजाएगा कि श्रद्धालु बृज में आने से ही डरेगा। आपको बता दें कि कथा का धंधा इंडस्ट्री बन गया है कथा वाचक अपने तिलिस्म और रसूख के बूते पर तमाम कानून को अपने चरणों में मानने लगे हैं सैकड़ों करोड़ की संपत्ति जुटा कर धर्म की मयार्दा को तोड़ रहे हैं। आपको पता रहे कि धर्म के दस मूल सिद्धांत शम दम क्षमा धैर्य अस्तेय इंद्रिय निग्रह विद्या पवित्रता सत्य अक्रोध को जीवन में उतारने का अभ्यास करें कथावाचकों की खरपतवार इन धर्म की मूल बुनियाद को आमजन को समझाने के लिए तैयार नहीं है क्योंकि वह स्वयं अपने जीवन में इन सिद्धांतों पर आचरण नही करते और भांति भांति के प्रपंच कर आस्था और श्रद्धा का शोषण कर अपने सुख सुविधा संपन्नता के लिए संपत्ति बटोरने में लगे हुए हैं।

बिहार की राजनीति का नया अध्याय हुआ शुरू - सम्राट चौधरी का नेतृत्व

सम्राट चौधरी का मुख्यमंत्री बनना बिहार के लिए एक नए युग की शुरूआत हो सकता है। उनके पास अनुभव, संगठनात्मक शक्ति और राजनीतिक समझ का ऐसा संयोजन है, जो उन्हें एक प्रभावी नेता बनाता है। हालांकि चुनौतियां कम नहीं हैं, लेकिन यदि वे अपनी रणनीति और कार्यशैली को सही दिशा में लागू करते हैं, तो बिहार को विकास के नए पथ पर ले जाना संभव है। आने वाले वर्षों में यह देखना बेहद दिलचस्प होगा कि सम्राट चौधरी अपने नेतृत्व में बिहार को किस दिशा में ले जाते हैं। क्या वे उम्मीदों पर खरे उतरते हैं या राजनीति की जटिलताओं में उलझ जाते हैं। लेकिन इतना निश्चित है कि 15 अप्रैल 2026 को शुरू हुआ यह अध्याय बिहार की राजनीति के इतिहास में लंबे समय तक याद रखा जाएगा।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
लेखक

15 अप्रैल 2026 का दिन बिहार की राजनीति में एक ऐतिहासिक मोड़ लेकर आया है, जब सम्राट चौधरी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर राज्य के नेतृत्व की कमान संभाली। यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं है, बल्कि एक नए राजनीतिक दौर की शुरूआत मानी जा रही है, जहां संगठनात्मक मजबूती, आक्रामक रणनीति और सामाजिक समीकरणों का नया संतुलन देखने को मिल सकता है। सम्राट चौधरी का जन्म 16 नवंबर 1968 को बिहार के मुंगेर जिले के लखनपुर गांव में हुआ था। उनका परिवार पहले से ही राजनीति से जुड़ा हुआ था। उनके पिता शकुनी चौधरी बिहार की राजनीति के एक महत्वपूर्ण नाम रहे और मंत्री पद पर भी आसीन रहे। राजनीतिक माहौल में पले-बढ़े सम्राट चौधरी के लिए राजनीति कोई नया क्षेत्र नहीं था। बचपन से ही उन्होंने सत्ता, संगठन और समाज के बीच संबंधों को करीब से देखा। यही अनुभव उनके भविष्य की राजनीतिक दिशा तय करने में सहायक बना। उनके शैक्षणिक जीवन के बारे में अधिक चर्चा नहीं होती है, लेकिन यह स्पष्ट है कि युवा अवस्था से ही उनकी रुचि राजनीति और सामाजिक गतिविधियों में रही है। 1990 के दशक में जब बिहार की राजनीति में मंडल और कमंडल की राजनीति अपने चरम पर थी, उसी समय सम्राट चौधरी ने सक्रिय राजनीति में कदम रखा। सम्राट चौधरी ने अपने राजनीतिक करियर की शुरूआत राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और बाद में जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के साथ जुड़कर की। यह वह दौर था जब बिहार में लालू प्रसाद और नीतीश कुमार जैसे बड़े नेताओं का दबदबा था। इन दलों के साथ जुड़कर उन्होंने राजनीति के बुनियादी गुर सीखे- संगठन निर्माण, जनसंपर्क और सत्ता की रणनीति।सम्राट चौधरी के राजनीतिक जीवन का पहला बड़ा मोड़ 1999 में आया, जब वे मंत्री बने। यह उपलब्धि उनके लिए न केवल व्यक्तिगत सफलता थी, बल्कि उनके राजनीतिक कौशल की पहचान भी थी। इसके बाद 2000 में वे परबत्ता विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुने गए। यह जीत उनके लिए एक मजबूत जनाधार का संकेत थी और उन्होंने खुद को एक प्रभावी जननेता के रूप में स्थापित किया। सम्राट चौधरी के करियर का सबसे महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थामा। भाजपा में शामिल होने के बाद उनका राजनीतिक कद तेजी से बढ़ा। उन्होंने न केवल पार्टी संगठन में अपनी मजबूत पकड़ बनाई, बल्कि राज्य स्तर पर भी अपनी पहचान को मजबूत किया। उनकी आक्रामक शैली और स्पष्टवादिता ने उन्हें पार्टी के भीतर एक प्रभावशाली नेता बना दिया। सम्राट चौधरी ने अपने राजनीतिक जीवन में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं। कई बार विधायक बने, विधान परिषद के सदस्य रहे, विभिन्न विभागों में मंत्री पद संभाला और संगठनात्मक स्तर पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। यह विविध अनुभव उन्हें एक परिपक्व और बहुआयामी नेता बनाता है। 2023 में उन्हें भाजपा का बिहार प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया। यह पद उनके राजनीतिक करियर का एक महत्वपूर्ण पड़ाव था। प्रदेश अध्यक्ष के रूप में उन्होंने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत किया, कार्यकताओं में नई ऊर्जा भरी और विपक्ष के खिलाफ आक्रामक रणनीति अपनाई। उनके नेतृत्व में भाजपा ने बिहार में अपनी पकड़ को और मजबूत किया। 2024 में सम्राट चौधरी को बिहार का उपमुख्यमंत्री बनाया गया। इस दौरान उन्होंने वित्त, गृह और पंचायती राज जैसे महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी संभाली। इन विभागों में काम करते हुए उन्होंने वित्तीय अनुशासन पर जोर दिया, कानून व्यवस्था को मजबूत करने के प्रयास किए और ग्रामीण विकास योजनाओं को गति दी। 15 अप्रैल 2026 को सम्राट चौधरी ने बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। यह उनके लंबे राजनीतिक संघर्ष और संगठनात्मक मेहनत का परिणाम है। उनका मुख्यमंत्री बनना कई दृष्टिकोणों से महत्वपूर्ण है। भाजपा का नेतृत्व मजबूत होना, पिछड़े वर्ग की राजनीति में नया संतुलन बनाना और बिहार की राजनीति में नई पीढ़ी का उदय होना। सम्राट चौधरी पिछड़े वर्ग, विशेष रूप से कुशवाहा समुदाय का एक प्रमुख चेहरा हैं। बिहार की राजनीति में जातीय समीकरण अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और इस संदर्भ में उनकी पहचान बेहद अहम है। उनकी लोकप्रियता का आधार पिछड़े वर्गों में मजबूत पकड़, ग्रामीण क्षेत्रों में प्रभाव और युवा कार्यकताओं के बीच लोकप्रियता रहा है। सम्राट चौधरी की नेतृत्व शैली को कुछ प्रमुख विशेषताओं में समझा जा सकता है। वे अपने विरोधियों के खिलाफ खुलकर बोलने के लिए जाने जाते हैं। उनकी भाषा और शैली में स्पष्टता और तीखापन होता है। भाजपा संगठन को मजबूत करने में उनका योगदान उल्लेखनीय रहा है। वे राजनीतिक परिस्थितियों को समझकर तेजी से निर्णय लेने में सक्षम हैं। उनका संपर्क सीधे कार्यकताओं और जनता से बना रहता है। मुख्यमंत्री बनने के बाद उनके सामने कई बड़ी चुनौतियां हैं। बिहार में कानून व्यवस्था हमेशा एक बड़ा मुद्दा रही है। राज्य से युवाओं का पलायन एक गंभीर समस्या है। इन क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही है। विभिन्न जातीय और राजनीतिक समूहों के बीच संतुलन बनाए रखना आसान नहीं होगा। सम्राट चौधरी से जनता को कई उम्मीदें हैं। बिहार में विकास की गति तेज होगी, भ्रष्टाचार पर लगाम लगेगी, प्रशासनिक सुधार होंगे और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

बिहार में संभावनाएं विकास की: अब सत्ता सम्राट की

ललित गर्ग

बिहार की राजनीति लंबे समय से बदलाव, प्रयोग और नेतृत्व के उतार-चढ़ाव का साक्षी रही है। ऐसे परिदृश्य में जब लंबे इंतजार और जटिल कूटनीतिक समीकरणों के बाद पहली बार भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में शासन स्थापित होने की स्थिति बनती है और सम्राट चौधरी जैसे नेता मुख्यमंत्री के रूप में उभरते हैं, तो यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि एक संभावित राजनीतिक और प्रशासनिक परिवर्तन का संकेत भी है। यह क्षण बिहार के लिए एक नए युग की शुरूआत के रूप में देखा जा रहा है, जहां अपेक्षाएं केवल शासन परिवर्तन की नहीं, बल्कि शासन की गुणवत्ता, दृष्टि और परिणामों की भी हैं। नये मुख्यमंत्री के रूप में सम्राट चौधरी के सामने न सिर्फ बिहार की जनता में एक कुशल प्रशासक की छाप छोड़ने की चुनौती है, बल्कि पार्टी की अपेक्षाओं एवं नीतीश कुमार द्वारा खींची रेखाओं से आगे निकलने के संघर्ष में भी उन्हें खरा उतरना होगा। सम्राट को उससे आगे ऐसा कुछ करना होगा, ताकि भाजपा उसके आधार पर भविष्य की दावेदारी पेश कर सके एवं अपने बल पर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने की पात्रता विकसित कर सके। बिहार में भाजपा का एक नया अध्याय शुरू हो रहा है, सम्राट के भरोसे से।

सम्राट चौधरी का मुख्यमंत्री के रूप में चयन कई दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। वे कोई अप्रत्याशित या अपरिचित चेहरा नहीं हैं। बिहार की राजनीति में सक्रिय रहते हुए, उपमुख्यमंत्री के रूप में कार्य करते हुए और विभिन्न राजनीतिक धाराओं से गुजरते हुए उन्होंने राज्य की जटिलताओं को निकट से समझा है। उनकी राजनीतिक यात्रा उन्हें एक व्यावहारिक नेता के रूप में स्थापित करती है, जो केवल सिद्धांतों तक सीमित नहीं, बल्कि जमीन की वास्तविकताओं से भी जुड़ा हुआ है। यही कारण है कि उनके नेतृत्व से बिहार की जनता को एक ऐसे प्रशासन की उम्मीद है जो नीतिगत स्पष्टता के साथ-साथ क्रियान्वयन की क्षमता भी रखता हो। किन्तु यह भी उतना ही सत्य है कि बिहार में नेतृत्व का मूल्यांकन केवल व्यक्ति के आधार पर नहीं, बल्कि उसकी नीतियों, प्राथमिकताओं और परिणामों के आधार पर होता है। पिछले वर्षों में यह प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से सामने आई है कि शासन की सफलता का निर्धारण केवल मुख्यमंत्री के व्यक्तित्व से नहीं, बल्कि उस व्यापक नीति-ढांचे से होता है जो केंद्र और राज्य के बीच समन्वय स्थापित करता है। भारतीय राजनीति में यह एक नया आयाम है, जहां केंद्र सरकार की नीतियां राज्यों के विकास की दिशा को काफी हद तक प्रभावित करती हैं। राजस्थान, मध्य प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्यों के उदाहरण इस बात को पुष्ट करते हैं कि अपेक्षाकृत कम चर्चित चेहरों के बावजूद विकास की गति तेज रह सकती है, यदि नीतिगत समर्थन और प्रशासनिक इच्छाशक्ति मजबूत हो।

बिहार के संदर्भ में यह पहलू और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि यह राज्य लंबे समय तक अवसंरचनात्मक पिछड़ेपन, बेरोजगारी, पलायन और सामाजिक विषमताओं से जूझता रहा है। ऐसे में सम्राट चौधरी के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि वे इन जटिल समस्याओं के समाधान के लिए एक स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करें। केवल राजनीतिक स्थिरता पर्याप्त नहीं होगी, बल्कि उसे विकासात्मक स्थिरता में परिवर्तित करना होगा। सड़क, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मूलभूत क्षेत्रों में निरंतर सुधार के साथ-साथ रोजगार सृजन पर विशेष ध्यान देना होगा, ताकि बिहार के युवाओं को अपने ही राज्य में अवसर मिल सकें। यहां यह उल्लेख करना आवश्यक है कि बिहार के हालिया इतिहास में यदि किसी नेता ने प्रशासनिक सुधार और सुशासन की एक स्पष्ट छवि प्रस्तुत की है, तो वह नीतीश कुमार हैं। उन्होंने जिस समय सत्ता संभाली, उस समय बिहार ह्यजंगलराजह्न की छवि से जूझ रहा था। कानून-व्यवस्था की स्थिति दयनीय थी, अवसंरचना लगभग ध्वस्त थी और राज्य की छवि राष्ट्रीय स्तर पर नकारात्मक थी। ऐसे समय में नीतीश कुमार ने सड़क, बिजली और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार किए। विशेष रूप से बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए साइकिल योजना जैसी पहलें सामाजिक परिवर्तन का आधार बनीं। उन्होंने प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही को भी बढ़ाने का प्रयास किया, जिससे शासन के प्रति जनता का विश्वास पुनः स्थापित हुआ। नीतीश कुमार का व्यक्तित्व एक संतुलित, संयमित और व्यावहारिक नेता के रूप में उभरता है। वे आक्रामक राजनीति के बजाय संवाद और सहमति की राजनीति के पक्षधर रहे हैं। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि उन्होंने राजनीति को व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से ऊपर उठाकर विकास के एजेंडे से जोड़ने का प्रयास किया।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

संक्षिप्त खबरें

30 अप्रैल तक सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक बिजली रहेगी बाधित

विभूतिपुर/समस्तीपुर। प्रखंड अंतर्गत विद्युत शक्ति उप केंद्र विभूतिपुर/नरहन,समर्था कल्याणपुर से जुड़े उपभोक्ताओं का विद्युत आपूर्ति 17 अप्रैल से 30 अप्रैल तक सुबह 8:00 बजे से दोपहर 1:00 तक बाधित रहेगी। बताया गया है कि दलसिंहसराय ग्रिड से निकलकर 33 केवी लाइन जो विभूतिपुर पावर सब स्टेशन में आता है वह लाइन 2004 में चालू हुआ था, जिसका मेंटेनेंस कार्य चल रहा है। आवश्यकता अनुसार पोल लगाने एवं पुराने तार को पूर्ण रूप से बदलने का कार्य किया जा रहा है। साथ ही न्यू पावर सब स्टेशन देसरी को चालू करने के लिए 33 केवी न्यू लाइन देसरी का कार्य किया जाएगा। जिसके कारण सुबह 8:00 बजे से दोपहर 1:00 तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। विभूतिपुर/ नरहन, समर्था कल्याणपुर से जुड़े उपभोक्ताओं से अनुरोध किया गया है कि पानी की व्यवस्था ससमय कर लें एवं बिजली संबंधित आवश्यक कार्य सुबह 8:00 से पहले निपटा लें।

आंगन से मासूम को उठा ले गया कुत्ता, मौत

मुजफ्फरपुर। अहियापुर थाना क्षेत्र के अब्दुल नगर उर्फ माधोपुर में दिल को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। जहां एक मासूम बच्चे को घर के आंगन से कुत्ता उठा ले गया, जिससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई। परिजनों के अनुसार, बच्चा घर के आंगन में खेल रहा था, तभी अचानक एक आवारा कुत्ता उसे उठा ले गया। कुछ देर बाद जब बच्चे के रोने की आवाज नहीं आई तो परिजनों ने खोजबीन शुरू की। तलाश के दौरान बच्चे को गंभीर हालत में पाया गया। आनन-फानन में उसे इलाज के लिए ले जाया गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना के बाद पूरे इलाके में मातम पसरा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय लोगों में भी इस घटना को लेकर आक्रोश देखा जा रहा है और आवारा कुत्तों के बढ़ते आतंक पर सवाल उठाए जा रहे हैं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन में जुट गई है। वहीं, स्थानीय प्रशासन से आवारा कुत्तों पर नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की जा रही है।

नामांकन नहीं होने पर छात्रों का हंगामा, सड़क जाम कर किया प्रदर्शन

मुजफ्फरपुर। पारू प्रखंड स्थित राजकीयकृत उच्च विद्यालय, पारू में नामांकन नहीं किए जाने से नाराज छात्रों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित छात्रों ने विद्यालय के प्रधानाचार्य के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जमकर विरोध प्रदर्शन किया। बताया जा रहा है कि नामांकन से वंचित छात्रों ने बड़ी संख्या में स्कूल के सामने इकट्ठा होकर हंगामा किया और अपनी मांगों को लेकर सड़क पर उतर गए। इसी दौरान छात्रों ने एसएच-74 को जाम कर दिया, जिससे आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। प्रदर्शन कर रहे छात्रों का आरोप है कि बिना उचित कारण के उनका नामांकन नहीं किया जा रहा है, जिससे उनका भविष्य अंधकारमय हो रहा है। उन्होंने जल्द से जल्द नामांकन सुनिश्चित करने की मांग की। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंची और छात्रों को समझाने-बुझाने का प्रयास किया। अधिकारियों ने मामले के समाधान का आश्वासन दिया है। फिलहाल, स्थिति तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में बताई जा रही है।

भाकपा-माले के राज्य सम्मेलन के लिए प्रतिनिधियों का चुनाव आज

मुजफ्फरपुर।भाकपा-माले का 12वां बिहार राज्य सम्मेलन 16-18 मई 2026 को दरभंगा में आयोजित है। मुजफ्फरपुर से 11प्रतिनिधियों के चुनाव हेतु शुक्रवार को पार्टी कार्यकर्ता वोटिंग करेंगे। वोटिंग में पार्टी जिला कमिटी, प्रखंड व टाउन कमिटी सदस्यों सहित लोकल व पंचायत कमिटी सदस्य तथा ब्रांच सचिव भाग लेंगे। पार्टी राज्य कमिटी ने राज्य पर्यवेक्षक का.प्रकाश कुमार को नियुक्त किया है जिनकी निगरानी में सुबह 7बजे से 4 बजे शाम तक वोटिंग की प्रक्रिया चलेगी। उसके बाद वोटों की गणना के बाद क्रमशः अधिक वोट पाने वाले 11 प्रतिनिधि चुने जायेंगे। यह जानकारी नवनिर्वाचित माले जिला सचिव जितेन्द्र यादव ने एक प्रेस बयान के माध्यम से दी है।

असामाजिक तत्वों ने परवल की फसल को किया बर्बाद, लाखों की क्षति

विभूतिपुर/समस्तीपुर। थाना क्षेत्र के सिंघिया बुजुर्ग उत्तर पंचायत से एक अजीबोगरीब मामला प्रकाश में आया है। जहां असामाजिक तत्वों ने एक किसान के खेत में लगे परवल की फसल को जड़ से काटकर क्षतिग्रस्त कर दिया है। इस संबंध में पंचायत के उप मुखिया सह किसान अशोक कुमार राय ने बताया कि काफी मेहनत कर 8 कट्ठा खेत में परवल का फसल लगाए था। अभी फूल और फल देना शुरू है किया था कि असामाजिक तत्वों ने परवल की फसल को जड़ से कटकर तहस-नहस कर दिया है।लाखों की क्षति हुई है। वहीं फसल क्षति होने की जानकारी मिलते ही 20 सूत्री के सदस्य मनोज कुमार, आत्मा सदस्य कृष्णदेव प्रसाद सिंह पीड़ित किसान के खेत में जाकर क्षतिग्रस्त फसल को देखा।

डीएम-एसएसपी ने किया विश्वविद्यालय का मुआयना

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा। बुधवार की शाम जिलाधिकारी कौशल कुमार व एसएसपी जेजे रेड्डी ने संयुक्त रूप से संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर का मुआयना किया। विश्वविद्यालय में 22 अप्रैल को सीनेट की 49वीं बैठक आयोजित होने वाली है। इस बैठक की अध्यक्षता माननीय कुलाधिपति सह राज्यपाल करेंगे। इसलिए सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर जिला व पुलिस प्रशासन द्वारा कार्यक्रम स्थल समेत कई जगहों का अवलोकन किया गया। साथ चल रहे अन्य पदाधिकारियों को डीएम व एसपी ने अलग अलग सुरक्षात्मक निर्देश दिए। इसी क्रम में पदाधिकारियों ने कुलपति प्रो0 लक्ष्मीनिवास पांडेय से भी कार्यक्रम की बाबत सारी जानकारी ली। उन्होंने अभी तक की गयी तैयारी व प्रस्तावित कार्यक्रम का ब्यौरा दिया। उक्त जानकारी देते हुए पीआरओ निशिकांत ने बताया कि कार्यक्रम से सम्बंधित मिनट- टू -मिनट के बारे में भी चर्चा हुई। मौके पर डॉ पवन कुमार झा, डॉ दिनेश कुमार झा, डॉ उमेश झा, डॉ रामसेवक झा समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

राज्यसभा में शपथ लेकर नितिन नवीन ने बढ़ाया बिहार का सम्मान : डॉ गोपाल जी ठाकुर

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा। बिहार से राज्यसभा सदस्य के रूप में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का शपथ ग्रहण किया जाना सम्पूर्ण बिहारवासियों के लिए गर्व की बात है। नितिन नवीन न केवल भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में बिहार की गरिमा को बढ़ा रहे हैं बल्कि बिहार राज्य से राज्यसभा से निर्वाचित होने के बाद अब देश के उच्च सदन के सदस्य के रूप में इनका शपथ ग्रहण करना बिहार की राजनीतिक भागीदारी को भी स्पष्ट करता है। भाजपा के सांसद सह लोकसभा में पार्टी सचेतक डा गोपाल जी ठाकुर ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन के राज्यसभा सदस्य के रूप में गुरुवार को शपथ ग्रहण किए जाने पर बधाई देते हुए कहा है कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने के बाद अब उच्च सदन के के सदस्य के रूप में बिहार के साथ साथ देश स्तर पर भाजपा की सोच को देश स्तर पर स्थापित करेंगे ।सांसद डा ठाकुर ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन को उनके संसदीय जीवन की सफलता के लिए बधाई देते हुए कहा है कि श्री नवीन एक सुलझे हुए तथा अनुभवी राजनेता है जिनकी संगठनात्मक क्षमता, राजनीतिक अनुभव तथा सार्वजनिक जीवन के प्रति प्रतिबद्धता जहां भाजपा संगठन को मजबूत बनाएगा वहीं संसद सदस्य के रूप में विकसित भारत के संकल्पों के लिए देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की पहल को मजबूती प्रदान करेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नितिन नवीन के कार्यकाल को बिहार के लिए उपलब्धिपूर्ण बताते हुए कहा कि बिहार से राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने के बाद अब बिहार में भाजपा का मुख्यमंत्री बनना इस बात का ज्वलंत उदाहरण है। बिहार से राज्यसभा में शपथ ग्रहण करने वाले भाजपा के शिवेश राम, जदयू के रामनाथ ठाकुर तथा रालोमों के उपेंद्र कुशवाहा को भी बधाई एवं शुभकामनाएं दी है ।

सीबीएसई दसवीं में देवघर एवं सिद्धिविनायक के बच्चों ने लहराया परचम

प्रात: किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर। सीबीएसई दशवीं बोर्ड परीक्षा के रिजल्ट में देवघर पब्लिक स्कूल बिशनपुर एवं सिद्धि विनायक इंटरनेशनल स्कूल कल्याणपुर के छात्र-छात्राओं ने परचम लहराया है। देवघर पब्लिक स्कूल की छात्रा वैष्णवी कुमारी 93.4 प्रतिशत, दिवेश रंजन झा 91.2 प्रतिशत, तान्या राज 89.8 प्रतिशत तथा अंशु कुमारी 85.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय की मान सम्मान को बढ़ाया है। वहीं इन छात्र-छात्राओं की सफलता पर विद्यालय की प्रधानाध्यापिका कामिनी झा ने सभी छात्र छात्राओं की उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी है। वहीं सिध्दी विनायक इंटरनेशनल स्कूल कल्याणपुर की छात्र-छात्रा आस्तिक आनंद 92 प्रतिशत, आस्था आनंद 90 प्रतिशत एवं विवेक शेखर 89.5 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय की मान सम्मान को बढ़ाया है। विद्यालय के निदेशक रमेश कुमार ठाकुर ने बताया कि सीबीएसई 10वीं बोर्ड में तीन छात्राओं ने 90 प्रतिशत के आसपास एवं शेष सभी छात्र छात्राओं ने बेहतर अंक प्राप्त कर सफलता हासिल की है। उन्होंने सभी छात्र छात्राओं की उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दिया है।

क्रियात्मक अनुसंधान पर दो दिवसीय कार्यशाला प्रारंभ

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर । स्थानीय रामबाग स्थिति जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का विषय का शीर्षक है क्रियात्मक अनुसंधान। इस कार्यशाला का उद्देश्य डी एल एड प्रथम वर्ष के प्रशिक्षुओं को एक्शन रिसर्च को करने में कुशल बनाना है। जिसका प्रयोग प्रशिक्षु अपने विद्यालय अनुभव कार्यक्रम के दौरान स्कूल के विद्यार्थियों को विषयों को सीखने- समझने में आ रही कठिनाइयों की पहचान कर उसे दूर करने का प्रयास करेंगे जिससे प्रत्येक बच्चा गुणवत्तापूर्ण तरीके से सीख सकें। इस कार्यशाला की मुख्य साधन सेवी डायट व्याख्याता डॉ श्वेता सोनाली हैं। कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन करते हुए डायट प्राचार्या अनामिका कुमारी ने कहा कि हम सभी दैनिक जीवन में कई कठिनाइयों का सामना करते हैं और उसका समाधान प्राप्त करने का प्रयास करते हैं ठीक वैसे ही एक विद्यालय में छात्र को सीखने के दौरान कई दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। एक शिक्षक इन समस्याओं की सही समय पर पहचान कर इसका निवारण कर सकता है, जिससे छात्र निर्बाध रूप से सीख सकें और सीखना आनंददायी हो सके। इसी क्रम में व्याख्याता डॉ सरिता शर्मा ने कहा कि एक्शन रिसर्च ना केवल छात्रों के सीखने को सरल सुगम बनता है बल्कि पूरे विद्यालय के शैक्षणिक और प्रशासनिक वातावरण को बेहतर बनता है। एक्शन रिसर्च की महत्ता को देखते हुए और आज के शैक्षिक माहौल में यह अत्यंत आवश्यक है कि प्रत्येक शिक्षक एक्शन रिसर्च की विधा में पारंगत हो। इसके पश्चात कार्यशाला का विधिसम्मत संचालन डॉ श्वेता सोनाली के द्वारा किया गया। इसमें प्रत्येक प्रशिक्षु ने कहानी और उदाहरणों के माध्यम से एक्शन रिसर्च की अवधारणा को स्पष्ट किया और एक्शन रिसर्च के प्रत्येक पदों के बारे विस्तार से जाना। इस सत्र के बाद प्रशिक्षुओं को समूह में विभाजित किया गया और उनको यह निर्देश दिया गया कि एक समस्या को उदाहरण के तौर पर चयन कर उसका समाधान करे और प्रस्तुति करें। इस अवसर पर वरीय व्याख्याता मनीष पांडे, पंकज कुमार, डॉ निर्मल कुमार मीरा कुमारी, सुजीत कुमार, राकेश सिन्हा, अर्जुन गिरी, अपर्णा कुमारी, दीपिन्ती कुमारी , श्रीमती रोली, के साथ ह्यूमना के अश्विनी पांडे और गौरव उपस्थित थे।

निजी विद्यालयों की मनमानी पर प्रशासन सख्त

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। तिरहुत प्रमंडल के निजी स्कूलों की ओर से फीस वृद्धि और नामांकन के नाम पर की जा रही मनमानी पर प्रशासन ने शिकंजा कस दिया है। प्रमंडलीय आयुक्त गिरिवर दयाल सिंह ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि बिहार निजी विद्यालय (शुल्क विनियमन) अधिनियम का उल्लंघन करने वाले स्कूलों को बख्शा नहीं जाएगा। नियमों की अनदेखी करने वाले शिक्षण संस्थानों पर अब भारी आर्थिक दंड लगाया जाएगा। आयुक्त की अध्यक्षता में आज एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इसमें तिरहुत प्रमंडल के अंतर्गत आने वाले सभी छह जिलों के जिला शिक्षा पदाधिकारी और अभिभावक संघ के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक का मुख्य उद्देश्य निजी स्कूलों की ओर से अभिभावकों के आर्थिक शोषण पर रोक लगाना और सरकारी दिशानिदेशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना था। बैठक के बाद आयुक्त ने मीडिया को बताया कि सरकार के स्पष्ट निर्देश हैं कि कोई भी निजी विद्यालय एक शैक्षणिक सत्र में 7 प्रतिशत से अधिक फीस नहीं बढ़ा सकता। यदि कोई स्कूल इससे अधिक फीस वसूलता है, तो इसे अधिनियम का उल्लंघन माना जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि अक्सर स्कूल विकास शुल्क, वार्षिक शुल्क और अन्य मदों के नाम पर अत्यधिक रकम वसूलते हैं, जो पूरीतरह गलत है। आयुक्त के अनुसार, यदि कोई स्कूल पहली बार शुल्क विनियमन अधिनियम का उल्लंघन करते हुए पकड़ा जाता है, तो उस पर एक लाख रुपये का जुमार्ना लगाया जाएगा। यदि वही स्कूल दोबारा दोषी पाया जाता है, तो जुमार्ने की राशि बढ़ाकर दो लाख रुपये कर दी जाएगी। इसके बावजूद सुधार न होने पर स्कूल की मान्यता रद्द करने की अनुशंसा भी की जा सकती है।अभिभावकों को दी बड़ी राहत नामांकन शुल्क, अर्धवार्षिक शुल्क और अन्य गुप्त शुल्कों के नाम पर होने वाली अवैध वसूली को भी जांच के दायरे में रखा गया है। आयुक्त ने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने जिलों में इस आदेश का व्यापक प्रचार-प्रसार करें और यह सुनिश्चित करें कि हर निजी स्कूल तक यह जानकारी पहुंच जाए।शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे स्कूलों के बैलेंस शीट और फीस स्ट्रक्चर की नियमित जांच करें। अभिभावक संघों ने इस फैसले का स्वागत किया है और इसे आम जनता के लिए बड़ी राहत बताया है। आयुक्त ने साफ लहजे में कहा कि शिक्षा को व्यापार बनाने की अनुमति किसी को नहीं दी जाएगी और नियमों की लक्ष्मण रेखा लांघने वाले स्कूलों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गांव-गांव में शिक्षा चौपाल : स्कूलों से जुड़ रहे झुग्गियों के बच्चे अब तक लगाया गया है 1500 शिक्षा चौपाल

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। झुग्गी-झोपड़ियों एवं कमजोर तबकों के बच्चे भी स्कूल जाएं और पढ़-लिखकर अपने सपनों को पूरा कर सके। वे बाल विवाह के शिकार होकर अपनी जिंदगी को नरक न बना लें, इसके लिए गांव-गांव में मुहिम चलाई जा रही है। दलित-महादलित बस्तियों की महिलाएं एवं पुरुष संकल्प ले रहे हैं कि वे अपनी बेटियों को कम-से-कम 12वीं तक जरूर पढ़ाएंगे और उसकी शादी कच्ची उम्र में नहीं करेंगे। शिक्षाग्रह अभियान के तहत जिले के सभी 16 प्रखंडों के सैकड़ों गांवों में ह्यशिक्षा चौपालह्ल लगाया जा रहा है।10 दिवसीय यह अभियान 6 अप्रैल को शुरू हुआ था, जिसका समापन आज होगा। इस कैंपेन को सफल बनाने में ज्योति महिला समाख्या की रागिनी कुमारी, कविता कुमारी, मृदुला, तारा, अणिमा, सीता समेत पांच दर्जन से अधिक महिला उत्प्रेरक लगी हैं। शिक्षा चौपाल में 20 से अधिक महिला-पुरुष, किशोर-किशोरियां भाग लेकर समुदाय में पढ़ाई की स्थिति पर चर्चा करते हैं। उस टोले के बच्चे क्यों ड्रॉपआउट हैं, क्यों अनामांकित हैं, उस विषय पर गहन चर्चा कर उन समस्याओं को चिन्हित किया जाता है और अंत में समुदाय के स्तर पर समाधान ढूंढा जाता है। इस चौपाल में स्थानीय शिक्षक, टोला सेवक, सेविका, आशा एवं पंचायत प्रतिनिधि आदि भी शामिल होते हैं। यह छठ्ठे चरण का चौपाल चल रहा है। इसके पहले हरेक तीन महीने के अंतराल पर कुल पांच बार चौपाल लगाए जा चुके हैं। पहला चौपाल अक्टूबर 2024 में लगा था। राज्य के 8 जिलों से शुरू हुआ यह कैंपेन अब तक मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, शिवहर, पूर्वी व पश्चिम चंपारण, पटना, किशनगंज, गया, कैमूर, रोहतास, सीवान, जहानाबाद, वैशाली जिले में पहुंच चुका है ।इस अभियान को बेंगलुरु की संस्था मंत्रा 4 चेंज सहयोग दे रही है। मुजफ्फरपुर जिले के बंदरा प्रखंड की निधि कुमारी के माता-पिता ने दो साल पहले उसकी शादी कम उम्र में ही करने का फैसला लिया था। तब निधि आठवीं के बाद पढ़ाई छोड़ चुकी थी। इसी बीच अक्टूबर 2024 में बंदरा में दर्जनों जगहों पर चौपाल लगाया गया। एक चौपाल में निधि एवं दूसरे चौपाल में उसकी मां ने भाग लेकर संकल्प लिया। इसके बाद निधि ने फिर से पढ़ाई शुरू की एवं उसके माता-पिता ने शादी नहीं करने का निर्णय लिया। इस वर्ष निधि ने मैट्रिक परीक्षा 66.67 फीसदी अंकों के साथ पास किया है। आज उसके माता-पिता भी काफी खुश हैं। पिछले डेढ़ साल में शिक्षा चौपाल के दौरान ये समस्या निकल कर आई कि बहुत सारे बच्चे स्कूल से बाहर इसलिए है कि उनके पास जन्म प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड नहीं हैं। बता दें कि शिक्षाग्रह अभियान के कारण बहुत सारे बच्चों को आधार कार्ड बना एवं स्कूलों में नामांकन कराया गया।जिले के बंदरा, मुरौल एवं मड़वन प्रखडों में करीब 10 रेमेडियल क्लास भी चलाया जा रहा है। ज्योति महिला समाख्या की सचिव सीता देवी ने बताया कि इस बार जिले के 1000 टोले में चौपाल लगाने का लक्ष्य रखा गया था, जिनमें से अब तक करीब 800 टोले में 1500 शिक्षा चौपाल लग चुका है। चौपाल का व्यापक प्रभाव खासकर वंचित समुदायों में दिख रहा है। महिला उत्प्रेरक लोगों को सफलता की कहानियां सुना कर भी पढ़ाई के प्रति जागरूक कर रही हैं।

डॉक्टर अम्बेडकर की जयंती मनाई गई

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। मुसहरी स्थित अम्बेडकर भवन परिसर में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के अंतर्गत मेरा युवा भारत के बैनर तले भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेदकर की जयंती का आयोजन किया गया। जिसका नेतृत्व मेरा युवा भारत के संयोजक राजा कुमार ने किया।आयोजन की शुरूआत स्थानीय प्रहलादपुर पंचायत के मुखिया उदय चौधरी के संबोधन से हुआ। उन्होंने इस अवसर पर डॉ अम्बेडकर के समाज और राष्ट्र के प्रति योगदान की चर्चा की तथा प्रेरणा लेने की बात कही। सामाजिक कार्यकर्ता परमानन्द पाठक ने शिक्षा की महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा कि परिस्थिति चाहे जितना प्रतिकूल हो, शिक्षा प्राप्त करने में, कभी कोताही नहीं बरतना चाहिए, जिसके उदाहरण स्वरूप बाबा साहेब अम्बेडकर हैं। वहीं ह्वविकल्पह्व के

राज्य सचिव, शिक्षक व रंगकर्मी बैजू कुमार ने उपस्थित छात्र - युवाओ को सम्बोधित करते हुए कहा कि शिक्षा का ध्येय मात्र धन अर्जन नहीं होना चाहिए बल्कि एक मुकम्मल इंसान बनना होना चाहिए,जिससे कि वह देश और समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सके। इस अवसर पर उपस्थित छात्र - छात्राओं के बीच *डॉ भीम राव अम्बेडकर के जीवन संघर्ष और उनकी उपलब्धि*विषय पर निबंध व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। सबों ने अपनी समझ के मुताबिक पूरी तन्मयता के साथ अपनी बात भाषण और निबंध के माध्यम से रखी तथा संकल्प स्वरूप संविधान की प्रस्तावना पढ़कर संविधान निमार्ता डॉ भीम राव अम्बेडकर के प्रति कृतज्ञता व्यक्त किया।भाषण प्रतियोगिता में प्रथम -रजनी कुमारी, द्वितीय - छोटू कुमार, तृतीय - सोनाली कुमारी तथा निबंध प्रतियोगिता में प्रथम - रजनी कुमारी, द्वितीय - परमजीत शर्मा, तृतीय - छोटू कुमार के रुप में सफलता हासिल की। विजेता छात्र-छात्राओं को मुखिया उदय चौधरी द्वारा मेडल व मेंमोटो प्रदान किया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों में रामजी शर्मा, कठपुतली कलाकार सुनील कुमार, सोनू सरकार, शिक्षक केदार पासवान, विपिन कुमार, कन्हैया कुमार, हिमांशु राज, सोनू कुमार, आदित्य राज, सन्नी कुमार, सुजीत कुमार एवं अमित कुमार इत्यादि प्रमुख थे।

सीबीएसई दसवीं बोर्ड परीक्षा में डीपीएस कादिराबाद के छात्र प्रिंस कुमार बने जिला टॉपर

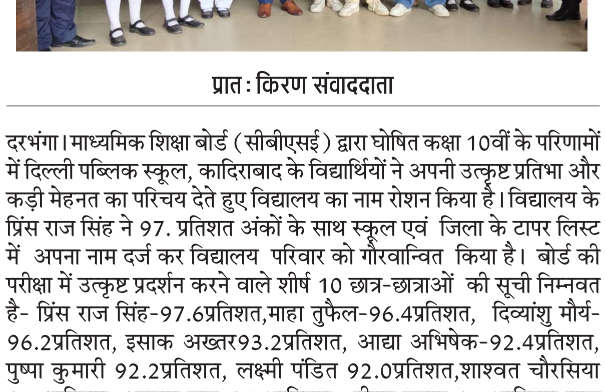

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा घोषित कक्षा 10वीं के परिणामों में दिल्ली पब्लिक स्कूल, कादिराबाद के विद्यार्थियों ने अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा और कड़ी मेहनत का परिचय देते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यालय के प्रिंस राज सिंह ने 97. प्रतिशत अंकों के साथ स्कूल एवं जिला के टापर लिस्ट में अपना नाम दर्ज कर विद्यालय परिवार को गौरवान्वित किया है। बोर्ड की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शीर्ष 10 छात्र-छात्राओं की सूची निम्नवत है- प्रिंस राज सिंह-97.6प्रतिशत,माहा तुफैल-96.4प्रतिशत, दिव्यांशु मौर्य-96.2प्रतिशत, इसाक अख्तर93.2प्रतिशत, आद्या अभिषेक-92.4प्रतिशत, पुष्पा कुमारी 92.2प्रतिशत, लक्ष्मी पंडित 92.0प्रतिशत,शाश्वत चौरसिया 91.4प्रतिशत, अनुराग राज-91.0प्रतिशत, पीयूष कुमार 91.0प्रतिशत प्राप्त किया।स्कूल प्रशासन ने इस शानदार उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए सभी सफल छात्र-छात्राओं, उनके अभिभावकों और शिक्षकों को बधाई दी है। स्कूल प्रबंधन के अनुसार,यह सफलता विद्यार्थियों के निरंतर परिश्रम और शिक्षकों के सही मार्गदर्शन का परिणाम है। हमें गर्व है कि हमारे छात्र शैक्षणिक क्षेत्र में नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं।सफल छात्र-छात्राओं ने अपनी सफलता का श्रेय स्कूल के अनुशासित वातावरण और शिक्षकों के सहयोग को दिया है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि से पूरे विद्यालय परिवार में उत्साह का माहौल है।

गैस वितरण व्यवस्था सुदृढ़, नियंत्रण कक्ष सक्रिय

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। गैस वितरण व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। नई व्यवस्था के तहत शहरी क्षेत्रों के घरेलू उपभोक्ता अपने अंतिम गैस सिलेंडर की डिलीवरी के 25 दिनों बाद, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों के उपभोक्ता 45 दिनों के बाद ही नए सिलेंडर की बुकिंग कर सकेंगे। प्रशासन ने आवश्यक सेवाओं को प्राथमिकता देने का भी निर्णय लिया है। इसके तहत अस्पतालों, विद्यालयों एवं जीविका समूहों द्वारा संचालित रसोइयों को व्यावसायिक गैस की आपूर्ति प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित की जा रही है, ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। गैस आपूर्ति से संबंधित शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए जिला नियंत्रण कक्ष का गठन किया गया है, जो 24 घंटे कार्यरत है। आमजन अपनी समस्याएं दूरभाष संख्या 0621-2212007 अथवा मोबाइल नंबर 8544010249 पर दर्ज करा सकते हैं। इधर, कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन ने सख्ती भी बढ़ा दी है। मुसहरी प्रखंड के शेरपुर स्थित आईओसीएल बॉटलिंग प्लांट पर दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों की तीन शिफ्टों में तैनाती की गई है। साथ ही, भीड़-भाड़ वाले गैस एजेंसियों पर भी निगरानी बढ़ा दी गई है ।प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा लगातार क्षेत्र भ्रमण कर गैस एजेंसियों एवं अन्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया जा रहा है तथा आवश्यकतानुसार छापेमारी भी की जा रही है। अब तक कुल 8 मामलों में प्राथमिकी दर्ज की गई है और कालाबाजारी में प्रयुक्त गैस सिलेंडरों को जब्त किया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि गैस की कालाबाजारी किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अग्निशमन सेवा सप्ताह पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मुजफ्फरपुर। अग्निशमन सेवा सप्ताह (14झ20 अप्रैल 2026) के अवसर पर गुरुवार को जिला अग्निशमन पदाधिकारी, मुजफ्फरपुर के नेतृत्व में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस क्रम में सुबह 7:00 बजे अग्निशमनालय मुजफ्फरपुर परिसर से मैराथन दौड़ की शुरूआत हुई।मैराथन दौड़ अग्निशमनालय परिसर से निकलकर बनारस बैंक चौक, पक्की सराय चौक, हरपुरजन चौक होते हुए पानी टंकी के रास्ते पुनः अग्निशमनालय पहुंचकर संपन्न हुई। इस दौरान पदाधिकारियों एवं कर्मियों के साथ पीटी और योगाभ्यास भी किया गया। इसी प्रकार अग्निशमनालय मोतीपुर द्वारा भी मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। यह दौड़ ओवरब्रिज से शुरू होकर शंकर चौक, मोतीपुर बाजार, मोतीपुर ब्रिज होते हुए पुनः अग्निशमनालय मोतीपुर में समाप्त हुई। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों के साथ पीटी एवं योग का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, जुब्बा सहनी पार्क और भिखनपुरा क्षेत्र में अग्नि सुरक्षा को लेकर ह्वक्या करें, क्या न करेंह्व विषय पर जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। अग्निशमनालय परिसर में मुजफ्फरपुर क्लब टीम एवं विभागीय पदाधिकारियों व कर्मियों के बीच वॉलीबॉल मैच का आयोजन भी किया गया। वहीं, मोतीपुर अंतर्गत पंचायत मोरसंडी के ग्राम मोरसंडी में ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में झुग्गी-झोपड़ियों में अग्नि सुरक्षा के उपायों को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों और अग्निशमन विभाग के कर्मियों के बीच वॉलीबॉल मैच भी खेला गया। कार्यक्रम में वरीय जिला समादेष्टा-सह-जिला अग्निशमन पदाधिकारी, सहायक जिला अग्निशमन पदाधिकारी अनुगंडल अग्निशमन पदाधिकारी मुजफ्फरपुर एवं अनुगंडल अग्निशमन पदाधिकारी मोतीपुर सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

मधुबनी में ईंधन संकट की आशंका बेबुनियाद, हर स्तर पर पर्याप्त आपूर्ति

प्रात: किरण संवाददाता

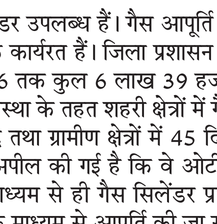

मधुबनी। जिला प्रशासन ने जानकारी दी है कि मधुबनी जिले में आवश्यक ईंधन एवं रसोई गैस का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। दिनांक 16 अप्रैल 2026 को जिले में कुल 43 हजार 49 घरेलू गैस सिलेंडर उपलब्ध हैं। गैस आपूर्ति के लिए विभिन्न कंपनियों के कुल 103 वितरक कार्यरत हैं। जिला प्रशासन के अनुसार, 1 मार्च 2026 से 15 अप्रैल 2026 तक कुल 6 लाख 39 हजार 301 गैस बुकिंग दर्ज की गई है। वर्तमान व्यवस्था के तहत शहरी क्षेत्रों में गैस सिलेंडर की अगली बुकिंग 25 दिनों के बाद तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिनों के बाद ही की जा सकेगी। उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे ओटीपी (डीएसी) प्राप्त कर अधिकृत विक्रेता के माध्यम से ही गैस सिलेंडर प्राप्त करें।सभी गैस एजेंसियो द्वारा होम डिलीवरी के माध्यम से आपूर्ति की जा रही है। ऐसे में आमजन से अनुरोध है कि वे गैस एजेंसियों पर अनावश्यक भीड़ न लगाएं और पैनिक बुकिंग से बचें। किसी भी प्रकार की समस्या के समाधान हेतु उपभोक्ता गैस कंपनियों के ग्राहक सेवा नंबर 1906, इंडियन ऑयल के टोल फ्री नंबर 1800-23333-555, भारत पेट्रोलियम के 1800-22-4344 तथा हिंदुस्तान पेट्रोलियम के 1800-2333-555 पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराए गए गूगल लिंक पर भी शिकायत या सुझाव दर्ज किया जा सकता है। जिला नियंत्रण कक्ष के दूरभाष संख्या 06276-222576 पर भी जानकारी दी जा सकती है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कालाबाजारी एवं जमाखोरी पर कड़ी नजर रखी जा रही है तथा इसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उपभोक्ताओं से अफवाहों पर ध्यान न देने और संयम बरतने की अपील की गई है।वहीं, जिले के विभिन्न पेट्रोल पंपों पर भी ईंधन का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। 16 अप्रैल 2026 को 462.6 हजार लीटर पेट्रोल तथा 683.1 हजार लीटर हाई स्पीड डीजल उपलब्ध है। प्रशासन ने आमजनों से पेट्रोल-डीजल का अनावश्यक भंडारण नहीं करने की अपील की है।

संक्षिप्त खबरें

पूर्व केंद्रीय मंत्री आर.के. सिंह से मिले बबलू और प्रिंस सिंह

जगदीशपुर। नगर निवासी बबलू कुमार और दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में कार्यरत और जगदीशपुर प्रखंड के अरैला गांव निवासी प्रिंस कुमार सिंह ने नई दिल्ली स्थित आवास पर पूर्व केंद्रीय मंत्री व आरा के पूर्व सांसद आर.के. सिंह से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान प्रिंस कुमार सिंह ने उन्हें अपने पैतृक गांव अरैला आने का भावपूर्ण निमंत्रण दिया।मुलाकात के संबंध में जानकारी देते हुए प्रिंस कुमार सिंह ने बताया कि वह विशेष रूप से अपने विवाह का निमंत्रण देने के लिए पूर्व केंद्रीय मंत्री के पास पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि आगामी 3 मई को आयोजित होने वाले उनके तिलक समारोह में शामिल होने के लिए आर. के. सिंह ने अपनी सहर्ष सहमति दे दी है। उन्होंने बताया कि शिष्टाचार मुलाकात के दौरान प्रिंस कुमार सिंह ने पूर्व केंद्रीय मंत्री को जगदीशपुर प्रखंड और विशेषकर अरैला गांव की वर्तमान स्थिति व विभिन्न जनसमस्याओं से भी अवगत कराया। पूर्व मंत्री ने उनकी बातों को ध्यानपूर्वक सुना और क्षेत्र से जुड़ी अपनी पुरानी यादें साझा कीं। प्रिंस कुमार सिंह के इस आमंत्रण और आर. के. सिंह की आने की सहमति से अरैला गांव के ग्रामीणों और उनके शुभचिंतकों में काफी हर्ष का माहौल है।

वारंटी को पुलिस ने किया गिरफ्तार भेजा जेल

सीवान/दरौंदा. थाना क्षेत्र के हड़साटाली गांव से पुलिस ने फरार वारंटी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. बताया जा रहा है कि हडसाटाली गांव के विनोद शर्मा के ऊपर मारपीट की प्राथमिकी दर्ज थी. जिसके बाद से वह फरार चल रहा था. मबुधवार की रात्रि में उसे गिरफ्तार कर गुरुवार को पुलिस ने जेल भेज दिया है.

आज होगा एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित

सीवान/दारौंदा प्रखंड संसाधन केंद्र, दरौंदा में FLN अभियान 2026-27 के सफल क्रियान्वयन को लेकर 17 अप्रैल को एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह प्रशिक्षण पूर्वाह्न 10:00 बजे से ब्लॉक रिसोर्स सेंटर, दरौंदा परिसर में संपन्न होगा। यह कार्यक्रम जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (प्राथमिक शिक्षा एवं समग्र शिक्षा अभियान), सीवान के निर्देश के आलोक में आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण में प्रखंड स्तर के स्कूल संचालक एवं समन्वयकों को ऋछठ अभियान के उद्देश्यों, कार्यप्रणाली और प्रभावी क्रियान्वयन की जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए चार ब्लॉक रिसोर्स पर्सन (इफ्ढ) को नामित किया गया है, जिनमें विशाल कुमार, मनीष कुमार, काशी भूषण सिन्हा एवं ज्योति प्रकाश यादव शामिल हैं। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, दरौंदा द्वारा जारी आदेश में सभी संबंधित संचालक एवं समन्वयकों को निर्देश दिया गया है कि वे निर्धारित समय पर प्रशिक्षण स्थल पर उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

मुंसफ बने न्यायधीश : अभय सिंह

औरंगाबाद। व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद के मुसंफ प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी अभय सिंह को बनाया गया है। अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि मुंसफ सौभित शौरभ के तबादला हो जाने के कारण 23 मार्च 26 से पद रिक्त था आज न्यायधीश अभय सिंह ने पदभार ग्रहण कर न्यायिक कार्य में भाग लिया। जिला विधिज्ञ संघ औरंगाबाद के अध्यक्ष विजय कुमार पाण्डेय महासचिव जगनरायण सिंह, अधिवक्ता संघ अध्यक्ष संजय सिंह महासचिव सिद्धेश्वर विधार्थी ने न्यायधीश अभय सिंह के पदभार ग्रहण करने पर बधाई देते हुए शुभकामनाएं प्रकट किया है।

मारपीट के मामले में 13 पर प्राथमिकी दर्ज

परसा। स्थानीय थाना क्षेत्र के श्रीरामपुर गांव में जमीनी विवाद में दो पक्षो के बीच हुई मारपीट के मामले दो पक्षो द्वारा परसा थाना में लिखित आवेदन देकर कर 13 लोगों पर नामजद प्राथमिकी दर्ज कराया गया है. प्रथम पक्ष से ऐनुल हक का पुत्र तस्लीम मिया ने थाना में लिखित आवेदन देकर कर मुस्लिम मिया समेत 10 पर नामजद प्राथमिकी दर्ज कराया है.जबकि दूसरे पक्ष से मुस्लिम मिया की पत्नी हलीमन खातून ने थाना में लिखित आवेदन देकर अलियास मिया समेत 3 पर नामजद प्राथमिकी दर्ज कराया गया है.दर्ज प्राथमिकी के आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है.

मशरक में मारपीट में बृध्द की मौत पुलिस जांच में जुटी

मशरक। मारपीट की घटना में एक बृद्ध की मौत हो जाने का समाचार है। पुलिस शव को अपने कब्जे में ले अंत्य परीक्षण हेतु छपरा सदर अस्पताल भेज दिया। मशरक थाना क्षेत्र के कवलपुरा गांव में एक बृद्ध को मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। जिसे मौके पर पहुंची डायल 112 पुलिस मशरक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में पहुंचा, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतक मशरक थाना क्षेत्र के कवलपुरा गांव निवासी 70 वर्षीय कंचन सिंह पिता स्वर्गीय लोचन सिंह बताया जाता है।

17 अप्रैल से 1 मई तक स्व-गणना, हर नागरिक की भागीदारी जरूरी: डीएम

प्रात : किरण संवाददाता

गया। जनगणना-2027 के तहत स्व-गणना प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संचालित करने के उद्देश्य से आज समाहरणालय सभागार में जिला पदाधिकारी शशांक शुभंकर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पदाधिकारियों तथा सभी अनुमंडल पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से महत्वपूर्ण बैठक किया गया है। इस बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए जिला पदाधिकारी ने बताया कि जिले में स्व-गणना की प्रक्रिया 17 अप्रैल 2026 से 01 मई 2026 तक निर्धारित की गई है। इस अवधि के दौरान नागरिक स्वयं ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से अपनी एवं अपने परिवार की जानकारी दर्ज कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि यह पहल जनगणना प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस मौके पर उन्होंने जानकारी दी कि नागरिक पोर्टल पर जाकर लॉग-इन कर सकते हैं तथा परिवार पंजीकरण, भाषा चयन, ओ टी पी सत्यापन एवं स्थान संबंधी विवरण भरने के उपरांत प्रश्नावली को पूर्ण कर अंतिम सबमिशन कर सकते हैं। उन्होंने विशेष रूप से बताया कि अंतिम सबमिशन के बाद परिवार के मुखिया का नाम, मोबाइल नंबर आदि का संशोधन संभव नहीं होगा, अतः सभी जानकारी सावधानीपूर्वक भरना आवश्यक है। इस मौके पर उन्होंने आगे कहा कि स्व-गणना के उपरांत प्रत्येक परिवार को एक विशिष्ट स्व-गणना पहचान संख्या प्राप्त होगी, जिसे सुरक्षित रखना आवश्यक है। क्षेत्रीय सत्यापन के दौरान जब गणनाकार , प्रगणक घर-घर आएंगे, तब नागरिकों को यह एस ई आइडी प्रस्तुत करनी होगी। जिला पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि इस प्रक्रिया के लिए किसी प्रकार के दस्तावेज जैसे आधार, पासपोर्ट, रेंट एग्रीमेंट आदि दिखाने की आवश्यकता नहीं है तथा नागरिकों की सभी जानकारियां पूर्णतः गोपनीय रखी जाएंगी। इस बैठक में यह भी बताया गया कि प्रवासी मजदूर एवं बाहर रह रहे व्यक्ति अपने वर्तमान निवास स्थान से ही स्व-गणना कर सकते हैं। जिला पदाधिकारी ने आम नागरिकों से अपील की कि वे गया जिले में स्व-गणना प्रक्रिया को उत्साह एवं उल्लास के साथ इसे एक त्योहार की तरह मनाएं तथा इसमें बढ़-चढ़कर भाग लें। समय सीमा के भीतर अपनी जानकारी स्वयं दर्ज करें, ताकि जनगणना का कार्य सुचारू रूप से संपन्न हो सके। इस अवसर पर नगर आयुक्त, उप विकास आयुक्त, एडीएम, वरीय उप समाहर्ता, जिला स्तरीय पदाधिकारी सहित अन्य सम्बंधित पदाधिकारी तथा वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से जुड़े अनुमंडल पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी शामिल हुए।

हर व्यक्ति की सही गणना से ही विकास योजनाओं को मिलेगी दिशा : प्रिंसिपल सेक्रेटरी

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। सारण समाहरणालय में जनगणना को लेकर आयोजित प्रेस ब्रीफिंग में राजस्व एवं भूमि सुधारविभाग के प्रिंसिपल सेक्रेटरी सी. के.अनिल ने जिलाधिकारी की उपस्थिति में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं, बल्कि देश और राज्य की विकास योजनाओं की आधारशिला है। इसलिए इसकी प्रक्रिया को पूरी पारदर्शिता और शुद्धता के साथ पूरा किया जाना आवश्यक है। प्रिंसिपल सेक्रेटरी ने अपने संबोधन में कहा, ह्लहमारा उद्देश्य है कि राज्य के हर व्यक्ति तक पहुंचकर उसकी सही जानकारी दर्ज की जाए, ताकि कोई भी नागरिक सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रह जाए।ह्व उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जनगणना कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और प्रत्येक स्तर पर निगरानी सुनिश्चित की जा रही है। रेवेन्यू सेक्रेटरी अनिल ने सी. के. अनिल ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि आधुनिक तकनीक का उपयोग कर जनगणना प्रक्रिया को और अधिक सटीक और पारदर्शी बनाया जा रहा है। डिजिटल माध्यमों के जरिए डेटा संग्रहण किया जाएगा, जिससे त्रुटियों की संभावना कम होगी और आंकड़ों का विश्लेषण भी तेजी से किया जा सकेगा। साथ ही, उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि वे जनगणना कर्मियों को सही और पूरी जानकारी दें, ताकि योजनाओं का लाभ सही लोगों तक पहुंच सके। जिलाधिकारी ने भी इस अवसर पर कहा कि जिला प्रशासन पूरी तरह से तैयार है और सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि जनगणना कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। प्रेस ब्रीफिंग के दौरान प्रिंसिपल सेक्रेटरी ने यह भी कहा, ह्लसही जनगणना ही सशक्त योजना निर्माण का आधार है, और इसमें सभी की भागीदारी अनिवार्य है। प्रेस वार्ता में जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव के अलावा उप विकास आयुक्त, जिला सूचना जनसंपर्क पदाधिकारी रविंद्र कुमार सहित अन्य वरीय अधिकारी के अलावा विभागीय अधिकारी भी उपस्थित थे।

स्थानीय अधिकारियों के साथ विधायक द्वारा किया गया महत्वपूर्ण बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

रक्सौल थानाध्यक्ष सह प्रशिक्षु आईपीएस हेमंत सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी मनीष कुमार, एसडीपीओ मनीष आनंद एवं नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी डॉ. मनीष कुमार के साथ अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक किया। बैठक के पश्चात अधिकारियों के साथ प्रस्तावित बस स्टैंड और निमार्णाधीन पुल का स्थल निरीक्षण भी किया गया। इस दौरान शहर की बिगड़ी यातायात व्यवस्था और विशेष रूप से रक्सौल में लग रहे भीषण जाम के स्थाई समाधान पर धरातल पर उतरकर चर्चा की गई। विधायक श्री सिन्हा ने कहा कि विधानसभा सत्र के दौरान रक्सौल लक्ष्मीपुर स्थित बस स्टैंड को लेकर मेरे द्वारा लाए गए गैर-सरकारी संकल्प पर हुए सरकारी आदेशों की कागजी प्रक्रिया पूर्ण कर उसे तत्काल धरातल पर लागू करने का निर्देश अधिकारियों को दिया गया है। बहुत जल्द लक्ष्मीपुर बस स्टैंड को पूर्ण रूप से चालू कर शहर के मुख्य बाजार से बसों की आवाजाही पूरी तरह बंद कर दी जाएगी जिससे आम नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी। इसके साथ ही कोइरिया टोला स्थित निमार्णाधीन पुल के पास लोगों को हो रही भारी कठिनाइयों को देखते हुए पुल के दोनों तरफ के डायवर्सन को डबल लेन करने का कड़ा निर्देश दिया है, ताकि आदापुर की तरफ आने-जाने वाले राहगीरों और स्थानीय लोगों को आवागमन में कोई परेशानी न हो। प्रशासन को स्पष्ट तौर पर निर्देशित किया गया है कि इन जनहित के कार्यों को अविलंब पूरा किया जाए। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता व जिला महामंत्री अजय पटेल, भाजपा नेता व नगर चेयरमैन पति राकेश कुशवाहा, भाजपा मंडल अध्यक्ष मृत्युंजय सिंह, भाजपा नेता रवि गुप्ता, कमलेश कुमार समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कोईलवर में वार्ड सदस्यों का शक्ति प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

कोईलवर। कोईलवर प्रखंड के कपिल देव चौक स्थित अतिथि होटल सभागार में गुरुवार को उस वक्त राजनीतिक रूप से गर्म हो उठा, जब वार्ड सदस्य महासंघ भोजपुर की अहम बैठक में सैकड़ों वार्ड सदस्यों ने एकजुटता का परिचय देते हुए बड़ा फैसला लिया। बैठक की अध्यक्षता कोईलवर प्रखंड अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार सिंह ने की । संचालन महिला वार्ड संघ महिला सेल की जिलाध्यक्ष रितु देवी ने की। बैठक का मुख्य आकर्षण भोजपुर-बक्सर स्थानीय प्राधिकार क्षेत्र से एमएलसी चुनाव को लेकर रहा, जहां उपस्थित वार्ड सदस्यों ने एक स्वर में मनोज कुमार उपाध्याय को महासंघ का अधिकृत प्रत्याशी घोषित कर दिया। इस प्रस्ताव को ध्वनि मत से सर्वसम्मति के साथ पारित किया गया, जिससे सभागार तालियों और समर्थन के नारों से गूंज उठा। जिलाध्यक्ष शिवसागर सिंह ने अपने संबोधन में वार्ड सदस्यों की उपेक्षा पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि बीते दो दशकों से वार्ड प्रतिनिधियों के अधिकारों का लगातार हनन हो रहा है। उन्होंने कहा कि हम जिन प्रतिनिधियों को चुनते हैं, वही आगे चलकर हमारी आवाज को नजरअंदाज कर देते हैं। विधान परिषद में हमारी समस्याओं को कोई स्थान नहीं मिलता। जगदीशपुर प्रखंड अध्यक्ष नरेंद्र कुमार सिंह यादव ने भी इसी मुद्दे को उठाते हुए कहा कि वार्ड स्तर पर विकास के लिए आज तक कोई स्वतंत्र फंड उपलब्ध नहीं कराया गया। उन्होंने कहा कि पंचवर्षीय कार्यकाल समाप्ति की कगार पर है, लेकिन सरकार की ओर से वार्डों के विकास के लिए ठोस पहल नहीं की गई, जिससे जमीनी स्तर पर विकास बाधित रहा। प्रखंड अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार सिंह ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि इस बार वार्ड सदस्य महासंघ अपनी ताकत दिखाएगा और अपने समर्थित प्रत्याशी मनोज उपाध्याय को जीत दिलाने के लिए पूरी तरह एकजुट है। उन्होंने भरोसा जताया कि भोजपुर और बक्सर के वार्ड सदस्य इस बार किसी बाहरी दबाव में नहीं आएंगे और अपने हक की लड़ाई खुद लड़ेंगे। बैठक में मौजूद वार्ड सदस्यों ने हाथ उठाकर मनोज उपाध्याय के समर्थन में अपनी सहमति जताई, जो इस एकजुटता का प्रत्यक्ष प्रमाण बना। एमएलसी प्रत्याशी मनोज उपाध्याय ने अपने संबोधन में वार्ड सदस्यों के सम्मान और अधिकारों को सर्वोपरि बताते हुए कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता वार्ड स्तर पर विकास को मजबूत करना होगा। उन्होंने वादा किया कि जीत के बाद वे प्रत्येक वार्ड सदस्य को प्रतिवर्ष पांच लाख रुपये का विकास फंड दिलाने के लिए सदन से सड़क तक संघर्ष करेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि वार्ड सदस्यों के मान-सम्मान के साथ किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जाएगा। बैठक में जिलाध्यक्ष शिवसागर सिंह, महिला सेल जिलाध्यक्ष रितु देवी, जगदीशपुर प्रखंड अध्यक्ष नरेंद्र कुमार सिंह, शाहपुर प्रखंड अध्यक्ष विजय शंकर पाठक, अगिआंव प्रखंड अध्यक्ष अमित कुमार, बिहियां प्रखंड अध्यक्ष बबलू सिंह सहित कोईलवर प्रखंड के सभी 17 पंचायतों के वार्ड सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जनगणना कार्य को सुचारू एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने को लेकर हुई बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

सीवान/दारौंदा जनगणना कार्य को सुचारू एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने को लेकर गुरुवार को प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में बैठक आयोजित की गई। दारौंदा के गुजेश्वरी उच्च विद्यालय परिसर में पर्यवेक्षक विपेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में बैठक हुई, जिसमें प्रगणकों को क्षेत्र के सीमांकन, नक्शा तैयार करने, महत्वपूर्ण स्थलों की पहचान एवं चारों दिशाओं की जानकारी विस्तार से दी गई। बैठक में बताया गया कि जनगणना कार्य के दौरान प्रत्येक प्रगणक को अपने निर्धारित क्षेत्र की पूरी जानकारी होनी आवश्यक है, ताकि किसी भी प्रकार की त्रुटि से बचा जा सके। इसके लिए नक्शे का सही उपयोग एवं भौगोलिक सीमाओं की स्पष्ट समझ पर विशेष बल दिया गया। वहीं, कौथुआ सारंगपुर में भी पर्यवेक्षक रविंद्र कुमार, रवि राय एवं किताबुदीन अंसारी द्वारा बैठक आयोजित कर जनगणना से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान प्रगणकों को घर-घर जाकर सही एवं सटीक जानकारी एकत्रित करने, महत्वपूर्ण स्थलों को चिह्नित करने तथा क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति को समझने के बारे में बताया गया। बैठक में प्रगणक अशोक कुमार रंजन, रीतु कुमारी सिंह, अमरेश ठाकुर, दिनेश साह, फौजदार चौधरी, वासुदेव प्रसाद एवं अशोक प्रसाद सहित अन्य कर्मी उपस्थित रहे। सभी ने जनगणना कार्य को सफल बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

सीबीएसई बोर्ड दसवीं की परीक्षा में शांति निकेतन एकेडमी गोविंदपुरम, रौना(चाकंद)के छात्र-छात्राओं ने परचम लहराया

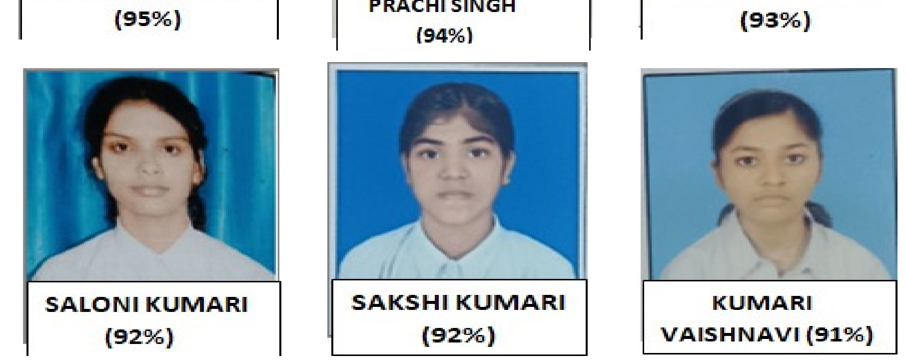

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी। सीबीएसई बोर्ड की दसवीं की परीक्षा में शांति निकेतन एकेडमी के छात्र-छात्राओं ने शानदार सफलता हासिल की है , सीबीएसई द्वारा बुधवार को जारी दशम वर्ग के वार्षिक परीक्षा में बच्चों ने शानदार सफलता हासिल कर विद्यालय के साथ अपने माता-पिता का नाम को गौरवान्वित किया है शुभाशीष नारायण 96 प्रतिशत, हबीबा खानम 95 प्रतिशत, प्राची सिंह 94 प्रतिशत, अंकिता कुमारी 93 प्रतिशत, साक्षी कुमारी 92 प्रतिशत, सलोनी वर्मा 92 प्रतिशत, कुमारी वैष्णवी 91 प्रतिशत अंक प्राप्त किया तथा 150 से अधिक बच्चों ने 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किया है । विद्यालय परीक्षा परिणाम शानदार रहा तथा विद्यालय के शत-प्रतिशत छात्र सफल रहे। विद्यालय के चेयरमैन हरि प्रपन्न ने कहा कि विद्यालय के बच्चों ने एक बार फिर साबित कर दिया कि कठिन परिश्रम तथा सही मार्गदर्शन से जीवन में सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने छात्र के उत्कृष्ट सफलता के लिए छात्रों की कड़ी मेहनत एवं शिक्षकों की लगनशीलता का आभार प्रकट किया तथा छात्र-छात्राओं की उज्जवल भविष्य की कामना किया साथ शिक्षकों को अब सभी छात्र-छात्राओं को बेहत्तर शिक्षा एवं 10वीं बोर्ड में उत्कृष्ट परिणाम मिले इसके लिए बेहतर योजना पर बल दियाजाये ताकि विद्यालय उच्च शिक्षा में भी अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सके।

पोल्ट्री फीड्स निमार्ता शिवशक्ति इंडस्ट्रीज प्रा.लिमिटेड के वार्षिकोत्सव पर सैकड़ों फॉर्मर्स एवं डीलर्स हुए सम्मानित

प्रात : किरण संवाददाता

रक्सौल। भारत-नेपाल सीमा स्थित शिवशक्ति इंडस्ट्रीज प्रा.लिमिटेड(न्यूट्रिनो) की बीती रात वार्षिकोत्सव पूरे हर्षोल्लास के साथ समारोह पूर्वक मनाई गई, जिसमें चम्पारण सहित नेपाल के लगभग 150 डीलर्स एवं फॉर्मर्स ने सम्मिलित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कंपनी द्वारा सभी लोगों को गिफ्ट हैंपर के रूप यूनिवर्सल इलेक्ट्रिक कूकर, एग बॉयलर, टिकॉस्टर, डायरी, पेन,पैड, चाभी रिंग एवं टी-शर्ट आदि देकर सम्मानित किया। वही बेहतर प्रदर्शन करने वाले फार्मरों एवं डिलर्स को गिफ्ट हैंपर के साथ साथ सोने के सिक्के व मोमेंटो देकर मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया। गौरतलब है कि शिव शक्ति इंडस्ट्रीज प्रा.लि. (न्यूट्रिनो) ब्रांड के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स एवं चेयरमैन के दिशा-निर्देशन में संजय गुप्ता कंपनी को काफी आगे ले गए हैं, पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष कंपनी से काफी लोग जुड़े हैं, जो एक विशेष उपलब्धि है। इस दौरान कंपनी के बारहवें वार्षिकोत्सव सह सम्मान समारोह कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री गुप्ता ने कहा कि बड़े ही दुःख की बात है कि हमारे पास संसाधन होते हुए भी अन्यत्र राज्यों से चिकेन की आयात चंपारण में करते हैं, जबकि जरूरी है कि हमारे यहां इसकी फार्मिंग हो और हम इसका निर्यात करें और खुद के लिए उपज करें, जबकि फीड यहां से बाहर राज्यों में जाता है। भारत-नेपाल सीमा के रक्सौल मझरिया स्थित मुर्गी दाना उत्पादक शिव शक्ति इंडस्ट्रीज पूरे चम्पारण में अकेला हैं, जहां से 45 प्रतिशत उत्तरप्रदेश, 25 प्रतिशत झारखंड एवं इसके अलावा बंगाल के कुछ क्षेत्रों के साथ पूरे बिहार में जाता है। अगर गुणवत्ता की बात करें तो कई सारी कंपनिया लगभग 6 ब्रांड बनाते हैं और हमारी कंपनी सिंगल ब्रांड की उत्पादन करती है, जो हर मौसम के लिए अनुकूल है। आश्चर्य की बात तो ये है कि चिकेन का चारा हमलोग यहां से भेजते हैं और चिकेन उधर से आता है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें जो जिम्मेवारी मिली है, अभी वहां तक पहुंचे नहीं है, परंतु अपनी जिम्मेवारी को पूर्ण करने हेतु प्रयासरत है। कंपनी को देश की सबसे बड़ी कंपनी के रूप में पहचान दिलाना उनका उद्देश्य है। वहीं मुख्य अतिथि एसआरपी मेमोरियल हॉस्पिटल के निदेशक सह प्रख्यात सर्जन डॉ.सुजीत कुमार ने बताया कि कंपनी फॉर्मर मीट का आयोजन कर सभी को एक परिवार के रूप में अपनाते हुए मान-सम्मान के साथ साथ रोजगार मुहैया कराने का हरसंभव प्रयास करती है। कंपनी के डाक्टर इकराम बताया कि शिवशक्ति इंडस्ट्रीज के पास खुद के डॉक्टर हैं, जो फार्मरों के यहां नियमित विजिट कर फार्मिंग के बेहतर तरीकों से परिपूर्ण कराते हुए व्यापार वृद्धि के गुण से अवगत करते हैं। वही पड़ोसी देश नेपाल के प्रमुख डीलर्स पवन सर्राफ, बृजेश चौरसिया को श्री गुप्ता ने सम्मानित किया। वही गोल्ड कॉइन पाने वालों में मलाही के परमीत पांडे, सरिसवा बाजार के आशिक अंसारी, पिपरपाति हसनतारा खातून एवं मोहनी मंडल के कमल कुमार शामिल हैं। मौके पर कंपनी के सभी सहकर्मी एवं समर्पण स्वयंसेवी संस्था के सेवकगण आदि मौजूद रहे।

भाकपा माले का 12वां बिहार राज्य सम्मेलन प्रतिनिधियों का चुनाव सम्पन्न

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर । भाकपा माले के 12वें बिहार राज्य सम्मेलन में भाग लेने हेतु छपरा जिला मुख्यालय के अम्बेडकर भवन में लोकतांत्रिक तरीके से प्रतिनिधियों का चुनाव सम्पन्न हुआ। यह राज्य सम्मेलन आगामी 16, 17 और 18 मई को दरभंगा में आयोजित होने जा रहा है। इस अवसर पर भाकपा माले छपरा जिला सचिव कॉ. हंसनाथ राम ने बताया कि राज्य सम्मेलन की तैयारी को लेकर जिले में व्यापक राजनीतिक सक्रियता चल रही है और उसी कड़ी में प्रतिनिधियों का यह चुनाव महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन बिहार को भाजपाई बुलडोजर राज का प्रयोगशाला बनाने के खिलाफ एक मजबूत आवाज का प्रतीक होगा। चुनाव प्रक्रिया अरवल के जिला सचिव कॉ. जीतेन्दर यादव की पर्यवेक्षण में सम्पन्न हुई, जिनकी देखरेख में पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और लोकतांत्रिक ढंग से पूरी की गई। चुनाव में जिले के निर्वाचक मण्डल के अधिकतर साथियों ने भाग लिया और सक्रिय रूप से अपनी भूमिका निभाई। कॉ. हंसनाथ राम ने आगे कहा कि सम्मेलन को सफल बनाने के लिए आधार और कतार को सक्रिय करते हुए तमाम बाजारों में कलेक्शन करने पर विशेष बल दिया गया है। उन्होंने सभी कार्यकताओं और समर्थकों से अपील की कि वे इस ऐतिहासिक सम्मेलन को सफल बनाने के लिए पूरे उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ आगे आएं। यह प्रतिनिधि चुनाव भाकपा माले की आंतरिक लोकतांत्रिक परंपरा और संगठनात्मक मजबूती का परिचायक है, जो आने वाले राज्य सम्मेलन को और अधिक प्रभावी और जनपक्षधर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

स्त्री रोग में कारगर है होमियोपैथिक दवाएं : डॉ. एन. शर्मा

बेतिया। नगर के संत कबीर रोड, बानूछापर स्थित मां सविता होमियो क्लिनिक एंड रिसर्च सेंटर की एमडी डॉ. एन. शर्मा ने बताया कि महिलाओं से जुड़ी अनेक समस्याओं में होमियोपैथिक दवाएं काफी प्रभावी और सुरक्षित साबित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि आजकल महिलाओं में अनियमित मासिक धर्म, सफेद पानी (ल्यूकोरिया), हार्मोनल असंतुलन, गर्भाशय की कमजोरी, ओवरी की समस्या, तथा पीरियड्स के दौरान दर्द जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। इन सभी समस्याओं का होमियोपैथी में बिना किसी साइड इफेक्ट के सफल उपचार संभव है। डॉ. शर्मा के अनुसार, होमियोपैथी शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर बीमारी को जड़ से खत्म करने का कार्य करती है। यह उपचार केवल लक्षणों को दबाने के बजाय रोग के मूल कारण पर काम करता है, जिससे बीमारी दोबारा होने की संभावना कम हो जाती है।

25112 डोमेस्टिक एलपीजी सिलेंडर तथा 627 19 केजी सिलेंडर का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध

बेतिया ।अपर समाहर्ता-सह-जिला आपूर्ति पदाधिकारी अनिल कुमार सिन्हा ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान में जिले में 25112 डोमेस्टिक एलपीजी सिलेंडरों तथा 627 (19 केजी) सिलेंडर का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। उपभोक्ताओं की मांग को आसानी से पूरा किया जा रहा है और किसी प्रकार की कमी की स्थिति नहीं है। उन्होंने बताया कि बीते 24 घंटों के दौरान 6848 सिलेंडरों की सफलतापूर्वक होम डिलीवरी की गई है, जो आपूर्ति व्यवस्था की मजबूती को दशार्ता है। प्रशासन लगातार इस बात पर नजर बनाए हुए है कि हर उपभोक्ता तक समय पर गैस सिलेंडर पहुंचे। उन्होंने बताया कि गैस आपूर्ति से संबंधित प्राप्त 34 शिकायतों को तुरंत संज्ञान में लिया गया है। इन शिकायतों को संबंधित अनुमंडल पदाधिकारियों को भेज दिया गया है, ताकि त्वरित कार्रवाई करते हुए उनका शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जा सके और उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने बताया कि जिले में गैस आपूर्ति में जो बैकलॉग की स्थिति पहले बनी हुई थी, उसमें लगातार सुधार हो रहा है। प्रशासनिक सख्ती और सतत निगरानी के कारण गैस आपूर्ति का बैकलॉग घटकर अब 5 के आसपास रह गया है। इसके लिए जिले की सभी तेल कंपनियों और गैस एजेंसियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे केवल बुकिंग के क्रम के आधार पर ही सिलेंडरों का वितरण करें। इससे पारदर्शिता बनी रहेगी और किसी भी प्रकार की अनियमितता पर रोक लगेगी। अपर समाहर्ता ने उपभोक्ताओं से अपील करते हुए कहा कि यदि किसी को गैस बुकिंग, डिलीवरी या अन्य किसी प्रकार की समस्या का सामना करना पड़ता है, तो वे जिला प्रशासन द्वारा जारी कंट्रोल रूम नंबर 06254-247002 एवं 06254-247003 पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। प्रशासन उनकी समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण

नई दिल्ली, शुक्रवार, 17 अप्रैल, 2026

मुझे उम्मीद नहीं थी कि मिंटू के किरदार के इतने अलग पहलू देखने को मिलेंगे : अंजुम बत्रा

लोकप्रिय कोर्ट ड्रामा सीरीज 'मामला लीगल है-2' में मिंटू का किरदार निभाने वाले अभिनेता अंजुम बत्रा ने के साथ खास बातचीत में अपने किरदार को लेकर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मिंटू ज्यादातर वीडी त्यागी की परछाई जैसा था। वह एक वफादार दोस्त है, जो अपने लोगों के साथ हमेशा खड़ा रहता था और दोस्ती को बहुत ही खूबसूरती से निभाता था। उससे सीखने के लिए बहुत कुछ है। पहले सीजन में मिंटू का किरदार मुख्य रूप से कॉमेडी तक सीमित था, लेकिन सीजन-2 में इस किरदार को काफी गहराई दी गई। मुझे खुद उम्मीद नहीं थी कि मिंटू के इतने अलग-अलग पहलू दिखाए जाएंगे। इस बार उसके साथ एक लव ट्रैक है, जिम्मेदारी का गहरा एहसास और सुजाता के साथ चैंबर में हल्की-फुल्की नोक-झोंक भी है। अभिनेता ने निर्देशक राहुल पांडे की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने कहानी में बहुत अच्छी गहराई जोड़ी। लेखकों ने शो को दिलचस्प बनाया है। निर्देशक राहुल पांडे ने इसे शानदार तरीके से पेश किया। अभिनेता ने अपने किरदार और असल जिंदगी के बीच फर्क पर भी बातचीत की। उन्होंने कहा, 'जब कोई एक्टर किसी किरदार को निभाता है, तो उसकी अपने व्यक्तित्व का कुछ हिस्सा किरदार में आ ही जाता है। इसलिए मिंटू में मेरी थोड़ी-बहुत समानताएं जरूर हैं, लेकिन कुल मिलाकर हम दोनों काफी अलग इंसान हैं। ' शूटिंग के अनुभव को याद करते हुए अंजुम बत्रा ने बताया कि सेट पर हर समय हंसी-मजाक का माहौल रहता था। कैमरे के पीछे की कॉमेडी स्क्रीन पर दिखने वाली कॉमेडी से कहीं ज्यादा मजेदार होती है। रवि किशन के साथ काम करना बहुत सुखद अनुभव था। उनकी कॉमिक टाइमिंग जबरदस्त है। बाकी को-एक्टर्स भी पूरे दिन माहौल को जोश भरा और जिंदादिल बनाए रखते थे। अभिनेता ने सीरीज में कॉमेडी और गंभीरता के बीच संतुलन पर लेखक और निर्देशक की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, 'लेखकों ने कहानी को समझदारी से लिखा है, जहां समाज को सार्थक संदेश देना था, वहां उन्हें असरदार तरीके से पेश किया, लेकिन कॉमेडी का अंदाज भी कहीं नहीं खोया। डायरेक्टर ने यह सुनिश्चित किया कि स्क्रीन पर यह बैलेंस अच्छे से दिखे। यह एक बेहतरीन मेल है। जरूरत पड़ने पर गंभीर और जरूरत पड़ने पर मजेदार। '

जंगल में अपना कचरा नहीं

अपनी यादें छोड़ें : रणदीप

मनुष्य की आधुनिक जीवनशैली और विकास की भूख ने उसे इस कदर अंधा कर दिया है कि वह अपनी जड़ों को धीरे-धीरे नष्ट करने पर लगा हुआ है। शहरों को कंक्रीट के जंगलों में बदलने के बाद अब उसकी नजर जंगलों पर है। पर्यटन और घूमने-फिरने के नाम पर लोग जंगलों में प्लास्टिक का कचरा और गंदगी के ढेर छोड़ रहे हैं। यह कचरा वहां के जानवरों और पेड़-पौधों के लिए धीरे-धीरे जहर बन रहा है। इसी मुद्दे पर ध्यान दिलाते हुए बुधवार को अभिनेता रणदीप हुड्डा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया। इसमें एक बाघ तालाब से पानी पीते हुए दिखाई दे रहा है। शुरू में यह सीन बहुत शांत और खूबसूरत लगता है, लेकिन जैसे-जैसे वीडियो आगे बढ़ता है, आसपास प्लास्टिक का कचरा साफ नजर आने लगता है। यह सीन जंगल में फैली इंसानी लापरवाही की कड़वी कच्चाई को दिखाता है कि ऐसे इलाकों तक अब गंदगी पहुंच चुकी है, जहां पहले इंसान की पहुंच बहुत कम थी। अभिनेता ने अपनी पोस्ट के जरिए सभी को संदेश दिया कि जंगल में जो भी चीज हम ले जाते हैं, खासकर प्लास्टिक की बोतलें, थैलियां या अन्य कचरा, उसे कभी भी वहीं नहीं छोड़ना चाहिए। वीडियो पोस्ट कर अभिनेता ने लिखा, 'यह सुंदर है, लेकिन जब तक कि यह सुंदर नहीं रहता। जंगल को हमारे प्लास्टिक की जरूरत नहीं है। उसे हमारे सम्मान की जरूरत है। ' अभिनेता की पोस्ट को काफी पसंद किया जा रहा है। यूजर्स उनकी राय की सराहना कर रहे हैं और कमेंट सेक्शन पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं देते नहीं थक रहे हैं। अभिनेता जल्द ही फिल्म 'ऑपरेशन खुकरी' में नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि इसमें वह मेजर जनरल राजपाल पुनिया का किरदार पर्दे पर निभाते दिखाई देंगे। यह फिल्म मेजर जनरल राजपाल पुनिया की पुस्तक पर आधारित है, जो 233 बंधक सैनिकों को बचाने के साहसी अभियान को दर्शाती है। राहुल मित्रा और रणदीप हुड्डा मिलकर इस फिल्म का निर्माण कर रहे हैं। फिल्म को लेकर अभी बाकी जानकारी सामने नहीं आई है।

महिला आरक्षण बिल पर कंगना का बयान

'यह महिलाओं के लिए नए युग की शुरुआत'

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर मनोरंजन जगत की कई अभिनेत्रियों ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए समर्थन जताया। इस ऐतिहासिक बिल को महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने का बड़ा कदम माना जा रहा है। अभिनेत्री कंगना रनौत ने के साथ खास बातचीत में इस बिल को 'ऐतिहासिक' बताते हुए प्रधानमंत्री की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह कानून महिलाओं के लिए एक नए युग की शुरुआत है। कंगना ने कहा, 'यह बिल महिलाओं के आत्मविश्वास को बढ़ाएगा और राजनीति व सत्ता के पदों पर उन्हें समान भागीदारी देगा। महिलाओं को अच्छे-अच्छे पदों पर जगह मिलेगी। हमारा सौभाग्य है कि हम इस इतिहास का हिस्सा बन रहे हैं।' विपक्ष की आलोचना पर कंगना ने कहा कि यह काम पीएम मोदी की वजह से ही संभव हो पाया है। उन्होंने कहा, 'विपक्ष ने तो हमेशा इस बिल को रोकने की कोशिश की है। इसलिए यह कोई हैरानी की बात नहीं है कि वे इसमें टांग अड़ाने की कोशिश न करेंगे। वहीं, अमीषा पटेल ने भी बिल का भरपूर समर्थन किया। उन्होंने कहा कि महिलाएं ही आम लोगों की असली समस्याओं और घर-परिवार से जुड़ी परेशानियों को बेहतर तरीके से समझ सकती हैं। उन्होंने कहा, 'देश की प्रगति के लिए महिलाओं की आवाज सुनना बहुत जरूरी है। जब भी किसी क्षेत्र में महिलाओं की प्रगति होती है और उन्हें ज्यादा समर्थन मिलता है, तो मुझे बहुत खुशी होती है। चाहे नौकरी हो या संसद, जब उनकी आवाज सुनी जाती है और उन्हें मौके दिए जाते हैं, तो यह अच्छा लगता है। 33 प्रतिशत आरक्षण होना चाहिए। महिलाओं का समर्थन करना बेहद जरूरी है। मैं इसका पूरा समर्थन करती हूं। '

फेमिना मिस इंडिया हरियाणा की विजेता देबास्मित ने भी बिल को महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और संसद को ज्यादा समावेशी बनाने वाला कदम बताया। उन्होंने कहा, 'हमारे वेदों में भी महिलाओं को समाज का अभिन्न अंग माना गया है। सरकार द्वारा लाया गया यह आरक्षण विधेयक बहुत महत्वपूर्ण कदम है। यह न सिर्फ महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देगा, बल्कि संसद को और ज्यादा समावेशी बनाएगा। हम एक विविधतापूर्ण देश हैं, इसलिए हर किसी की राय को समान महत्व देना जरूरी है। ' उन्होंने तीन दिवसीय चर्चा में समावेशिता पर जोर देते हुए कहा, 'चाहे आदिवासी महिलाएं हों या गैर-आदिवासी, अलग-अलग भौगोलिक क्षेत्रों से आने वाली महिलाओं की बात होनी चाहिए। यह हमारे देश के विकास की दिशा में एक बहुत सुंदर कदम है। '

फिल्मों में आने से पहले थिएटर में बहुत कुछ सीखा : अनु अग्रवाल

90 के दशक की मशहूर अभिनेत्री अनु अग्रवाल ने बुधवार को एक खास अनुभव शेयर किया। उन्होंने बताया कि अभिनय की दुनिया में आने से पहले उन्होंने किस तरह से अपने आप को तैयार किया था। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक पुरानी तस्वीर पोस्ट की। इस तस्वीर के साथ उन्होंने अपने शुरुआती दिनों की कहानी लिखी। उन्होंने बताया कि फिल्मों में आने से पहले वे थिएटर में काम करती थीं। अभिनेत्री लिखती हैं, 'फिल्मों और मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखने से पहले मैं थिएटर में काम किया करती थी। वहीं, मैंने किरदार को समझना, लोगों को ध्यान से देखना और सहज तरीके से अभिनय करना सीखा। उन्होंने लिखा कि थिएटर के बाद जीवन एकदम अलग दिशा की तरफ चला गया। फिर, जिंदगी मुझे एक अलग रास्ते पर ले गई। समाज सेवा की तरफ, असल दुनिया की समस्याओं से जुड़ीं और लोगों की मदद करने लगी। उन्होंने बताया कि किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। कुछ ही समय बाद वे एक मैगजीन के कवर पर छा गईं। मुझे सुपरमॉडल का खिताब मिल गया। मेरी यह सफलता सबको दिखाई दी, लेकिन एक्टर तो मेरे अंदर पहले से ही मौजूद था। 90 के दशक में अनु अग्रवाल ने बॉलीवुड में धमाल मचाया था। उनकी फिल्म 'आशिकी' (1991) सुपरहिट रही थी। इस फिल्म में राहुल रॉय के साथ उनकी जोड़ी काफी पसंद की गई। फिल्म के रिलीज के बाद से ही अभिनेत्री रातों-रात स्टार बन गई थीं। उसके बाद उन्होंने कई और फिल्मों में काम किया। हालांकि, एक भयंकर कार दुर्घटना के बाद वह 29 दिनों तक कोमा में रहीं, जिससे उनका करियर खत्म हो गया।

'रामायण' की यूनिवर्सल अपील पर बोले यश

'यह कहानी सीमाओं और संस्कृतियों से परे है'

रामायण महाकाव्य पर आधारित कई फिल्में, धारावाहिक और नाट्य प्रस्तुतियां समय-समय पर बनती रही हैं। हर युग, हर पीढ़ी इस अमर कथा को अपने दृष्टिकोण, अपनी संवेदनाओं और अपनी तकनीकी क्षमताओं के साथ प्रस्तुत करती रही है। इसी कड़ी में नितेश तिवारी जल्द ही 'रामायण' लेकर आ रहे हैं। इसमें रणबीर कपूर (राम), साई पल्लवी (सीता), यश (रावण) अहम किरदार में नजर आएंगे।

हाल ही में कन्नड़ सुपरस्टार यश ने सिनेमा कोन 2026 में फिल्म के बारे में बात की और रामायण की यूनिवर्सल अपील पर जोर दिया। यश ने कहा, 'रामायण में एक ऐसा तत्व है, जो लंबे समय तक आपके साथ रहता है। यही कारण है कि यह कहानी इतने लंबे समय से कायम है। यह सीमाओं से परे जाकर, लगभग संस्कृतियों से ऊपर उठकर लोगों के दिलों में बसी है। इसमें बहुत यूनिवर्सल बात है। उन्होंने आगे कहा, 'आज की आधुनिक तकनीक के साथ बड़े पर्दे पर इसे देखना दर्शकों के लिए और भी अच्छा अनुभव होगा। दर्शक इसे सचमुच आत्मसात कर सकेंगे और ठीक वैसे ही आनंद ले सकेंगे, जैसा इस कहानी को देखने का असली मकसद है। फिल्म का निर्माण नमित मल्होत्रा के प्राइम फोकस स्टूडियोज, वीएफएक्स स्टूडियो डीएनईजी और यश की मॉन्सटर मिंड क्रिएशन के साथ मिलकर किया जा रहा है। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम का रोल करेंगे, साई पल्लवी, सनी देओल और रवि दुबे भी अहम भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा, लारा दत्ता और अमिताभ बच्चन जैसे बड़े नाम शामिल हैं। यह फिल्म दो भागों में आएगी, जो रामायण की पौराणिक कहानी को बड़े पैमाने पर प्रस्तुत करेगी। फिल्म का संगीत ए.आर. रहमान और हंस जिमर मिलकर तैयार कर रहे हैं। यह दोनों संगीतकारों के बीच क्रॉस-इंडस्ट्री सहयोग है। इसके अलावा, हॉलीवुड के प्रमुख स्टंट डायरेक्टर्स टेरी नॉटरी और गाइ नॉरिस ने फिल्म में भगवान और राक्षसों के बीच होने वाले युद्ध के लिए कोरियोग्राफी की है।

यामी गौतम से तुलना पर मेधा शंकर बोलीं-फर्क नहीं पड़ता, मैं बस उनकी फैन हूं

अभिनेत्री मेधा शंकर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी 2' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में लीड रोल निभाने के कारण उनकी तुलना पहली फिल्म की हीरोइन यामी गौतम से हो रही है, लेकिन मेधा ने इन तुलनाओं पर साफ कहा है कि उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। से खास बातचीत में मेधा शंकर ने बताया, 'ऐसा कुछ भी नहीं है। मैं यामी गौतम और आदित्य धर दोनों को बहुत पसंद करती हूं। उन्हें अच्छी तरह पता है कि मैं उनकी कितनी बड़ी फैन हूं। यामी हमेशा से ही एक बेहतरीन अभिनेत्री रही हैं। कभी-कभी सम्मान मिलने में थोड़ा समय लग जाता है लेकिन उनका समय जरूर आएगा।' मेधा ने आगे जोड़ा, 'यह तुलना की बात नहीं है। मैं उन सभी लोगों से प्रेरित होती हूं जिन्होंने मुझसे पहले, बाद या साथ में बेहतरीन काम किया है। मैंने कभी किसी से अपनी तुलना नहीं की और अगर कोई दूसरा करता भी है तो मुझे उससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मेकर्स ने फिल्म का नया गाना 'तुमपे ही प्यार आ गया' हाल ही में जारी किया है। इस गाने का संगीत सुशांत-शंकर की जोड़ी ने मिलकर तैयार किया जबकि इसके बोल कुमार ने लिखे हैं। गाने को लेकर मेधा शंकर ने भी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, 'जब मैंने पहली बार यह गाना सुना, तो मैं लिरिक्स में कहीं खो सी गई थी। यह सिर्फ एक गाना नहीं बल्कि प्यार के अलग-अलग रंगों को दिखाने वाला एक अनुभव है। 'गिन्नी वेड्स सनी' का पहला भाग साल 2020 में रिलीज हुआ था। इस हल्की-फुल्की रोमांटिक कॉमेडी में यामी गौतम और विक्रांत मैसी मुख्य भूमिका में थे। फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था। अब इसके सीक्वल 'गिन्नी वेड्स सनी 2' में नई जोड़ी नजर आएगी। फिल्म में मेधा शंकर के साथ अविनाश तिवारी लीड रोल में हैं। यह फिल्म 24 अप्रैल को रिलीज होने वाली है। 'गिन्नी वेड्स सनी 2' में मेधा शंकर पहली बार रोमांटिक कॉमेडी जॉनर में लीड रोल निभा रही हैं। दर्शक इस नई जोड़ी को लेकर काफी उत्सुक हैं।

दिव्या दत्ता ने सुनाया किस्सा

आतंकवादियों के साथ कार में थीं मां फिर हुई दिल दहला देने वाली घटना

दिव्या दत्ता ने बड़े पर्दे पर ऐसे कई किरदार निभाए जो कई अदाकाराएं शायद ही निभा पाएं। हिम्मती होने का यह गुण उन्हें अपनी मां से मिला। जब पंजाब आतंकवाद की आग में जल रहा था, तब दिव्या दत्ता की मां का सामना भी कुछ आतंकियों से हुआ था? उस कभी ना भूल पाने वाले किस्से को दिव्या दत्ता ने हाल ही में साझा किया।

'मां एक ट्रेनिंग के लिए लुधियाना से चंडीगढ़ जा रही थीं। कर्फ्यू का माहौल था। मां की जीप पंचर हो गई तो उन्होंने लिफ्ट मांगी। एक गाड़ी सामने ठहरी। मां ने पूछा आगे तक छोड़ देंगे? उन लोगों ने एक-दूसरे को देखा और मां को अपनी कार में बैठा लिया।'

आवाज होती थी तो दिल दहल जाता था

बातचीत के दौरान दिव्या ने पंजाब के उस दौर को याद किया, जब वहां आतंकी घटना हो रही थीं। वह कहती हैं, 'वो दिन बहुत ही मुश्किल भरे थे। मां की सरकारी नौकरी थी और उन्हें पेपर साइन करने पड़ते थे। मां का काम नीचे वाले फ्लोर पर होता था और हम ऊपर रहते थे। मैं उस वक्त दस बार हर दरवाजे और खिड़की को चेक करती थी। कोई भी आवाज होती थी तो दिल दहल जाता था।

एक दिन कुछ लोग आए, उन्होंने कहा कि मैडम पेपर साइन करने हैं। मैं मां के दुपट्टे के पीछे छिपकर देख रही थी, उस वक्त सोचा कि आगे आ जाऊं। लेकिन उन लोगों ने कुछ नहीं कहा, बस काम होने पर चले गए।'

जब मां का सामना आतंकवादियों से हुआ

उस दौर में दिव्या दत्ता की मां का सामना आतंकवादियों से भी हुआ था। एक्ट्रेस ने बताया, 'मां एक ट्रेनिंग के लिए लुधियाना से चंडीगढ़ जा रही थीं। कर्फ्यू का माहौल था। मां की जीप पंचर हो गई तो उन्होंने लिफ्ट मांगी। एक गाड़ी सामने ठहरी। मां ने अंदर झांका तो उसमें चार से पांच आदमी बैठे थे। मां ने उनसे पूछा कि वो उन्हें आगे तक छोड़ देंगे? उन लोगों ने एक-दूसरे को देखा और फिर कुछ देर बाद मां को अपनी कार में बैठा लिया।'

तब लगा मेरी मां बहुत हिम्मत वाली हैं

दिव्या ने आगे बताया, 'रास्ते में मां ने उनसे बात करने की कोशिश की पर वो कुछ बोले नहीं। मां को भी थोड़ा अजीब लगा कि ऐसे कर्फ्यू के माहौल में ये लोग कहां जा रहे हैं। खैर उन्होंने मां को वहां छोड़ा जहां उन्हें जाना था और चले गए। मां अस्पताल पहुंचीं तो कुछ ही घंटों बाद जो हुआ, वो दिल दहला देने वाला था।

उनके अस्पताल में पांच लोगों के शव आए और ये उन्हीं के थे जिन्होंने मां को लिफ्ट दी थी। वो आतंकवादी थे जो मां को ड्रॉप करने के कुछ ही देर बाद पुलिस मुठभेड़ में मारे गए। जब हमने यह बात जानी तो दिल ने यही कहा कि मां को कुछ नहीं होना चाहिए, वो मेरी दुनिया हैं, लेकिन यह भी पता चला कि वो कितनी हिम्मती औरत थीं।'

शाहरुख की कही बात याद आती है

आज भले ही दिव्या दत्ता ने अपने माता-पिता को खो दिया है लेकिन उनकी यादें और आशीर्वाद हमेशा उनके साथ है। बातचीत के दौरान उन्होंने शाहरुख खान की कही गई एक बात का भी जिक्र किया। दिव्या बोलीं, 'एक बार शाहरुख ने मुझसे कहा था कि जब हम अपने मां-पापा जल्दी खो देते हैं तो जिंदगी में पहले ही बहुत कुछ सीख लेते हैं। लेकिन उनका आशीर्वाद हमेशा हमारे साथ रहता है।'

टाटा मोटर्स ने अपने लखनऊ प्लांट में 10 लाख कमर्शियल गाड़ियों के प्रोडक्शन का माइलस्टोन हासिल किया

लखनऊ, एजेंसी। भारत की सबसे बड़ी कमर्शियल वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स लिमिटेड ने आज एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। कंपनी के लखनऊ प्लांट से 10 लाखवें कमर्शियल वाहन को रोल-आउट किया गया। यह महत्वपूर्ण पड़ाव उत्तर प्रदेश में टाटा मोटर्स की साढ़े तीन दशकों से अधिक की उपस्थिति और औद्योगिक उत्कृष्टता, आर्थिक विकास, कौशल विकास व रोजगार सृजन में इसके योगदान को दर्शाता है।

ऐसे समय में जब भारत का कमर्शियल वाहन उद्योग साफ-सुथरी, स्मार्ट और ज्यादा कुशल तकनीक की ओर बढ़ रहा है, यह उपलब्धि भविष्य की ट्रांसपोर्ट व्यवस्था को आकार देने में टाटा मोटर्स की अग्रणी भूमिका को रेखांकित करती है। यह 10 लाखवां वाहन एक जीरो-एमिशन (शून्य उत्सर्जन) इलेक्ट्रिक बस है, जो उत्तर प्रदेश सरकार और टाटा मोटर्स की ग्रीन मोबिलिटी के प्रति साझा प्रतिबद्धता को दिखाती है। यह कदम राज्य सरकार के 2070 के नेट-जीरो विजन और कंपनी के 2045 तक नेट-जीरो लक्ष्य के साथ पूरी तरह मेल खाता है।

इस इलेक्ट्रिक बस को उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और टाटा संस लिमिटेड के चेयरमैन श्री एन. चंद्रशेखरन ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर माननीय उप-मुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक, टाटा मोटर्स लिमिटेड के एमडी एवं सीईओ श्री गिरीश

वाघ के साथ कई माननीय मंत्री, जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी और टाटा मोटर्स के वरिष्ठ नेतृत्व मौजूद रहे।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, टाटा मोटर्स के लखनऊ प्लांट से 10 लाखवें ट्रक और बस का तैयार होकर निकलना पूरे राज्य के लिए गर्व की बात है। यह उपलब्धि हमारे राज्य की क्षमताओं, यहाँ की अपार संभावनाओं और यहाँ के प्रतिभाशाली लोगों की पहचान है। हमारा सपना उत्तर प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है, जिसमें उद्योगों और उद्यमियों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होगी। हमारा राज्य बड़े बिजनेस के लिए एक बेहतरीन माहौल देता है, जहाँ बड़ा उपभोक्ता बाजार, कुशल युवा और शानदार कनेक्टिविटी मौजूद है। उत्तर प्रदेश में टाटा मोटर्स की यह सफलता हमारे इकोसिस्टम की मजबूती को दिखाती है। यह जिम्मेदारी से की जा रही औद्योगिक तरक्की को बढ़ावा देने, रोजगार के नए अवसर पैदा करने, कौशल विकास और सामाजिक-आर्थिक विकास के सतत् विकास के प्रति हमारे संकल्प को और मजबूत करती है। 1992 में स्थापित टाटा मोटर्स का लखनऊ प्लांट आज कंपनी के सबसे महत्वपूर्ण कमर्शियल वाहन निर्माण केंद्रों में से एक बन चुका है। यहाँ अंतरराष्ट्रीय स्तर के ट्रक और बसें बनाई जाती हैं, जिनमें शून्य-उत्सर्जन इलेक्ट्रिक और फ्यूल-सेल गाड़ियाँ भी शामिल हैं। लगभग 600 एकड़ में फैला यह प्लांट आधुनिकता के साथ-साथ पर्यावरण और लोगों की भलाई पर भी ध्यान देता है। यहाँ 8,000 से ज्यादा लोगों को आजीविका मिलती है।

महिला-नेतृत्व वाले एमएसएमई को सहारा देने के लिए एक्सिस बैंक ने लॉन्च की 'वूमेंस स्मॉल बिजनेस बैंकिंग' सुविधा

मुंबई, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के बैंकों में से एक, एक्सिस बैंक ने अपनी वूमेंस स्मॉल बिजनेस बैंकिंग सुविधा शुरू करने की घोषणा की है। यह एक विशेष पहल है जिसका उद्देश्य महिला-नेतृत्व वाले उद्यमों के लिए किफायती और व्यवस्थित वित्तीय समाधानों तक पहुंच को आसान बनाना है। यह पेशकश कर्ज सुविधाओं को व्यापक बैंकिंग सेवाओं और करंट अकाउंट के फायदों के साथ जोड़ती है। इसका मकसद महिला-मालकिन वाले व्यवसायों की तरक्की और स्थिरता को बढ़ाने के लिए एक संपूर्ण बैंकिंग अनुभव प्रदान करना है। इस पहल के तहत महिला-नेतृत्व वाले एमएसएमई को विशेष दरों का लाभ मिल सकता है, जिसमें सिक्योर्ड और क्रेडिट-गारंटी आधारित लोन पर ब्याज दरों में रियायत शामिल है। इसके साथ ही, करंट अकाउंट से जुड़े तय फायदे भी मिलते हैं, जो रोजमर्रा के बिजनेस लेनदेन और नकदी प्रबंधन को सरल बनाते हैं। इसका उद्देश्य किफायती कर्ज तक पहुंच सुधारना और महिला उद्यमियों को अपना कारोबार बढ़ाने में मदद करना है।

ट्रंप ने दिया मौका भारत ने लपक लिया

7 साल में पहली बार हुआ ऐसा, ईरान भी खुश

नई दिल्ली, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष के बीच भारत को ईरान से लगभग 40 लाख बैरल कच्चा तेल (क्रूड) मिला है। करीब सात सालों में यह पहली बार है जब भारत ने ईरान से कच्चा तेल खरीदा है। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने ईरानी तेल खरीद के लिए एक डेडलाइन तय की है। भारत इस समयसीमा से पहले ही सप्लाई सुरक्षित करना चाहता है। यह डेडलाइन

इस वीकेंड पर खत्म हो रही है। भारत आयातित ऊर्जा पर बहुत अधिक निर्भर है। यह चीज उसे कीमतों में उतार-चढ़ाव के प्रति संवेदनशील बनाती है। भारत ने फरवरी के अंत से ग्लोबल ऑयल फ्लो में आई रुकावटों का असर महसूस किया है। अमेरिका और इजरायल की ओर से ईरान पर किए गए हमलों के बाद ऐसा हुआ है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में मामले से परिचित सूत्रों और इंटेलिजेंस फर्मों केप्लर और वोर्टेक्सा के जहाज-ट्रैकिंग डेटा का हवाला दिया गया है। इसमें बताया गया है कि 'जया' नाम का एक बड़ा क्रूड कैरियर इस समय भारत के पूर्वी तट पर स्थित पारादीप में अपना माल उतार रहा है। यह ईरानी तेल से पूरी तरह भरा हुआ है। एक अन्य टैंकर 'फेलिसिटी' पश्चिमी तट पर स्थित सिक्का में इसी तरह का काम कर रहा है। ब्लूमबर्ग न्यूज के मुताबिक, ये दोनों जहाजों के शुक्रवार तक भारतीय बंदरगाहों से रवाना होने की उम्मीद है। इन पर अमेरिका के प्रतिबंध लगे हुए हैं। पारादीप में कच्चे तेल की खेप को संभालने का काम इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन करता है। वहीं, सिक्का का इस्तेमाल रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन की ओर से किया जाता है। ये इस क्षेत्र में एक 'सिंगल-पॉइंट मूरिंग' फैसिलिटी को ऑपरेट करते हैं।

ईरानी तेल के साथ पेमेंट की मुश्किल

पिछले साल तक भारत समंदर के रास्ते आने वाले रूसी कच्चे तेल का प्रमुख आयातक था। उसने इन खरीदों में तेजी से बढ़ोतरी की थी। हालांकि, लगातार जारी वित्तीय प्रतिबंधों के कारण रिफाइनरियों को ईरानी खेप की खरीद और उसके पेमेंट में अधिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। भारत ने संकेत दिया था कि सप्लाई में जारी कमी से निपटने के लिए वह अन्य स्रोतों के साथ ईरान से भी कच्चा तेल खरीदेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि टैंकर 'जया' और 'फेलिसिटी' की ओर से लाई गई खेप का आगमन दिखाता है कि इन आयातों को सुगम बनाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं की गई हैं।

भारत पर बढ़ता दबाव

पेट्रोल-डीजल के दाम न बढ़ाकर रोक रखा है सैलाब, हर दिन 1,600 करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में पेट्रोल पंप पर ईंधन की कीमतें अभी स्थिर दिख रही हैं। लेकिन, पर्दे के पीछे कहानी बिगड़ी हुई है। तेल कंपनियां इन कीमतों को ऐसे ही बनाए रखने के लिए भारी नुकसान उठा रही हैं। इंडस्ट्री के जानकारों के मुताबिक, सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियां (ओएमसी) मिलकर हर दिन करीब 1,600 करोड़ रुपये का नुकसान उठा रही हैं। इन कंपनियों में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड शामिल हैं। यह ऐसे समय में हो रहा है जब 28 फरवरी को ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से भू-राजनीतिक तनाव बढ़ा है। इसके कारण कच्चे तेल की ग्लोबल कीमतें बढ़ गई हैं। वहीं, भारत में खुदरा ईंधन की कीमतें काफी हद तक जस की तस रही हैं। 135-165 डॉलर प्रति बैरल की मौजूदा (स्पॉट) पेट्रोल-डीजल कीमतों पर हमारा अनुमान है कि भारत की तेल मार्केटिंग कंपनियों को पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर 18 रुपये और 35 रुपये प्रति लीटर का नुकसान हो रहा है। अगर घरेलू ईंधन की कीमतें कच्चे तेल के वैश्विक रुझानों को पूरी तरह से दर्शातीं तो मौजूदा अनुमानों के अनुसार, पेट्रोल लगभग 113 रुपये प्रति लीटर और डीजल 123 रुपये प्रति लीटर बिक रहा होता। इसके बजाय ओएमसी इस अंतर को खुद

वहन कर रही हैं। पेट्रोल-डीजल की कीमतों को नियंत्रण-मुक्त करने के बावजूद इन कंपनियों ने अप्रैल 2022 के बाद से खुदरा दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। सूत्रों के हवाले से पीटीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, इससे नुकसान बढ़कर पेट्रोल पर लगभग 18 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 35 रुपये प्रति लीटर हो गया है। मैक्वेरी ग्रुप की एक रिपोर्ट ने इस दबाव की गंभीरता का जिक्र किया। रिपोर्ट में कहा गया, '135-165 डॉलर प्रति बैरल की मौजूदा (स्पॉट) पेट्रोल-डीजल कीमतों पर हमारा अनुमान है कि भारत की तेल मार्केटिंग कंपनियों को पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर 18 रुपये और 35 रुपये प्रति लीटर का नुकसान हो रहा है।' रिपोर्ट में आगे कहा गया, 'कच्चे तेल की कीमतों में हर 10 डॉलर प्रति बैरल की बढ़ोतरी से मार्केटिंग में होने वाला नुकसान लगभग 6 रुपये प्रति लीटर बढ़ जाता है।' एक समय जब कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ी थीं तो दैनिक नुकसान 2,400 करोड़ रुपये तक पहुंच गया था। इसके बाद यह कम होकर मौजूदा 1,600 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। सरकार ने इस दबाव को कुछ हद तक कम करने के लिए हस्तक्षेप किया है। लेकिन, इसकी भी एक कीमत चुकानी पड़ी है। पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क यानी एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती से ओएमसी पर पड़ने वाले बोझ को कम करने में मदद मिली। हालांकि, कंपनियों ने इस लाभ को उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के बजाय अपने नुकसान की भरपाई करने के लिए इसे खुद ही रखा।

फास्टैग से अलग गाड़ी का नंबर तो होगा बंद, ब्लैक लिस्ट में डाल दिया जाएगा

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आपका फास्टैग का नंबर आपकी गाड़ी के नंबर से मेल नहीं खाता है तो सावधान हो जाएं। ये आपस में मैच नहीं करते हैं तो आपका फास्टैग बंद कर ब्लैक लिस्ट में डाला जा सकता है। टोल प्लाजाओं पर फास्टैग से टोल कटते हुए फास्टैग रीडर और गाड़ी नंबर का मेल ना खाने के बाद मिली इस तरह की शिकायतों पर अमल करते हुए एनएचएआई ने फास्टैग जारी करने वाले सभी बैंकों से कहा है कि वह इनका मिलान करें। नहीं कहीं ऐसा तो नहीं कि इसमें किसी तरह की हेराफेरी की जा रही हो। अगर किसी फास्टैग में कोई गड़बड़ी मिलती है तो उसे ब्लैक लिस्ट में डाल दिया जाए। एनएचएआई ने स्टेटमेंट जारी करते हुए कहा है: इस तरह की किसी भी विसंगति से बचने के लिए इसे क्रॉस चेक करना जरूरी है। इसका मकसद यह है कि सिस्टम में कहीं कोई लीकेज ना रहे। यह देखा गया है कि इस तरह की विसंगतियों की एक बड़ी संख्या गाड़ी डेटाबेस में दर्ज होने से पहले जारी किए गए फास्टैग से संबंधित है। इस अवधि के दौरान जांच व्यवस्था अपेक्षाकृत सीमित थी और 'मैन्युअल' प्रक्रियाओं पर अधिक निर्भर थी। एनएचएआई ने कहा है कि उसने विशेष रूप से आने वाले समय में देश में 'मल्टी-लेन फ्री फ्लो' (एमएलएफएफ) टोलिंग जैसे सिस्टम को देखते हुए फास्टैग के साथ वीआरएन मैपिंग की सटीकता सुनिश्चित करने पर जोर दिया है।

पहले की तरह धड़ाधड़ गैस सिलेंडर मिलने में लगेंगे कई साल, सप्लाई चेन चरमराई

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनियाभर में एलपीजी सप्लाई चेन में रुकावट आई है। इसे ठीक होने में तीन से चार साल लग सकते हैं। अभी यह साफ नहीं है कि प्रोडक्शन कुछ समय के लिए रुका है या उसे हमेशा के लिए नुकसान पहुंचा है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के हवाले से 'मनी कंट्रोल' ने यह जानकारी दी है। इसका सीधा मतलब है कि पहले की तरह धड़ाधड़ एलपीजी गैस सिलेंडर मिलने में अभी कई साल का इंतजार करना पड़ सकता है। यह भारत के लिए अच्छा नहीं है। अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर 'मनी कंट्रोल' से कहा, 'प्रभावित सप्लायरों से मिली जानकारी के आधार पर सप्लाई को फिर से शुरू करने में कम से कम तीन साल और शायद उससे भी ज्यादा समय लग सकता है।' उन्होंने भारत के बढ़ते आयात जोखिमों और लागत के दबाव की ओर भी इशारा किया। युद्ध से पहले और बाद की स्थिति

ईरान युद्ध शुरू होने से पहले इस सप्लाई का लगभग 90 फीसदी हिस्सा होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते ही आता था। 24 मार्च तक खाड़ी देशों से होने वाले आयात का हिस्सा घटकर 55 फीसदी रह गया था। यह इस बात का संकेत है कि सप्लाई में रुकावट आई है। साथ ही भारत ने सप्लाई के नए स्रोत भी खोजे हैं। रुबिक्स डेटा साइंसेज और वयाना ट्रेडएक्सचेंज की अप्रैल में आई एक रिपोर्ट के

अनुसार, सप्लाई के रास्ते बदलने और नए स्रोत खोजने के बाद भी सप्लाई में रुकावट का असर 40-50 फीसदी तक बना रह सकता है। रुबिक्स डेटा साइंसेज रिस्क मैनेजमेंट और एनालिटिक्स कंपनी है। वहीं, वयाना ट्रेडएक्सचेंज सप्लाई-चेन फाइनेंस और ट्रेड डेटा का एक प्लेटफॉर्म है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत की सालाना एलपीजी मांग लगभग 3.3 करोड़ टन है। मार्च के मध्य तक भारत के पास केवल 15 दिनों की खपत के बराबर ही एलपीजी का भंडार मौजूद था।

ऐसे में सप्लाई के स्रोतों में बदलाव होने से कम समय के लिए सप्लाई में रुकावट का जोखिम बढ़ जाता है। कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव का भी सामना करना पड़ सकता है। मार्च के मध्य से घरेलू 14.2 किलो एलपीजी सिलेंडरों की कीमतें 60 रुपये बढ़ गई हैं। इसी दौरान कमर्शियल सिलेंडरों की कीमतों में 115 रुपये का इजाफा हुआ है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सऊदी अरब, कतर, कुवैत, बहरीन और ओमान ने मिलकर वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की 92 फीसदी एलपीजी की सप्लाई की।

कोरोना महामारी वाले इंतजामों पर नजर

अधिकारी ने बताया कि सरकार घरों तक एलपीजी की लगातार सप्लाई सुनिश्चित करने पर ध्यान दे रही है। साथ ही कमी को पूरा करने के लिए सप्लाई के नए विकल्प भी तलाश रही है। अधिकारी के मुताबिक, 'आपकी एलपीजी सप्लाई बहाल होने में समय लग सकता है। कारण है कि एलपीजी के कुछ बहुत ही जरूरी स्रोत बंद हो गए हैं। 'बंद होने' का ठीक-ठीक क्या मतलब है, यह अभी पूरी तरह साफ नहीं है। या तो कुएं पूरी तरह सूख गए हैं या फिर प्रोडक्शन रोक दिया गया है।

भारत के बड़े शहरों में होटल के कमरे खाली

युद्ध ने बिगाड़ा काम

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध की वजह से भारत के कई सेक्टरों पर सीधा असर पड़ा है। होटल और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर भी इससे अछूता नहीं है। बेंगलुरु और हैदराबाद जैसे जीसीसी शहरों में होटलों की ऑक्यूपेंसी गंभीर रूप से प्रभावित हुई है। कारण है कि भारत आने वाले ज्यादातर विदेशी यात्री दुबई, अबू धाबी और दोहा जैसे एविएशन हब से होकर आते हैं। जीसीसी यानी ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर ऐसे केंद्र होते हैं जिन्हें बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियां (एमएनसी) अपने देश से बाहर दूसरे देशों में स्थापित करती हैं। इनमें हैदराबाद, बेंगलुरु, पुणे, दिल्ली-एनसीआर जैसे शहर शामिल हैं। 28 फरवरी को अमेरिका-इजरायल ने ईरान पर हमले किए। ईरान ने भी पलटवार किया। उसने कई खाड़ी देशों में अमेरिकी अड्डे को निशाना बनाया। इससे यह संकट पूरे क्षेत्र में फैल गया। इसने हवाई यातायात को भी प्रभावित किया। शैले होटल्स के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ श्वेतांक सिंह ने बिजनेस टुडे को बताया, 'पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध की वजह से होटल

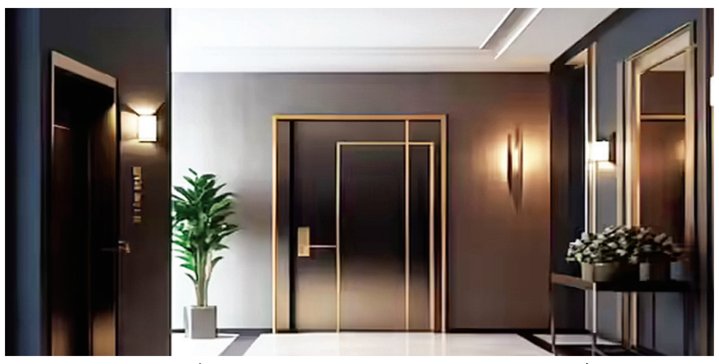

बिजनेस पर असर पड़ा है। विदेशी पर्यटकों के आने में कमी आई है। इसका असर बड़े शहरों के बड़े होटलों की ऑक्यूपेंसी पर पड़ा है।' सिंह ने कहा, 'मिडिल ईस्ट के रास्ते यात्रा करने वाले लोगों की संख्या बहुत ज्यादा है। अगर मैं अपने पोर्टफोलियो को देखूं तो 40 प्रतिशत बिजनेस विदेशी पर्यटकों से आता है। बड़े शहरों के बड़े होटलों का हिस्सा हमारे पोर्टफोलियो में लगभग 60 प्रतिशत है। साफ तौर पर इसका असर दिख रहा है।' उन्होंने आगे कहा, 'ये यात्री होटल के अंदर ज्यादा खर्च करते हैं। ज्यादा समय तक रुकते हैं। वे अपने साथ एक पूरा ग्रुप लेकर चलते हैं।' सिंह ने बताया, 'हालांकि, लक्जरी रिजॉर्ट का बिजनेस अच्छा चल रहा है। लेकिन, कुल मिलाकर हमें जितना फायदा हुआ है, उससे ज्यादा नुकसान हुआ है। मार्च में ऑक्यूपेंसी 10 प्रतिशत तक गिर गई है। जीसीसी से जुड़ी यात्राओं की वजह से बेंगलुरु और हैदराबाद पर इसका बहुत गहरा असर पड़ा है।' हालांकि, प्रीमियम हॉस्पिटैलिटी अनुभवों की बुनियादी मांग अभी भी बनी हुई है। इस पर भू-राजनीतिक हालात की वजह से कुछ हद तक असर पड़ा है। पिट्टी ने आगे कहा, 'मार्च के महीने में हमने बड़े शहरों के लक्जरी होटलों की बुकिंग में अचानक आई भारी गिरावट के बजाय कुछ हद तक बदलाव या रीकैलिब्रेशन देखा है। हालांकि, पश्चिम एशिया में हो रहे भू-राजनीतिक घटनाक्रमों की वजह से अंतरराष्ट्रीय यात्रा के कुछ खास हिस्सों पर असर पड़ा है। लेकिन, घरेलू यात्रियों और बिजनेस ट्रैवल्स के सहारे कुल मांग काफी हद तक स्थिर बनी हुई है।' हवाई किराए में हुई भारी बढ़ोतरी का भी मांग पर असर पड़ रहा है। पिट्टी ने कहा, 'फ्यूल सरचार्ज और ऑपरेशनल खर्चों में बढ़ोतरी की वजह से हवाई किराए में भी बढ़ोतरी देखने को मिली है। घरेलू रूट्स पर किराए में लगभग 5-10 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

पीएफ खाते से विड्रॉल टीडीएस बचाने के लिए अब नहीं चलेंगे पुराने फॉर्म, बदल गया है नियम

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएफ खाताधारकों के लिए टैक्स से जुड़े नियम बदल गए हैं। अब पीएफ से पैसा निकालते समय टीडीएस बचाने के लिए पुराने फॉर्म नहीं चलेंगे। इनकी जगह फॉर्म 121 शुरू किया है। नियम 1 अप्रैल से लागू है। फॉर्म भरने वाले को यह सुनिश्चित करना होगा कि उसकी साल भर की टैक्स लायबिलिटी जीरो है। कंपनियां, फर्में और एनआरआई इस फॉर्म को भरने के पात्र नहीं हैं। 13 अप्रैल को जारी अपने सर्कुलर में ईपीएफओ ने बताया कि पहले 60 साल से कम उम्र के लोग फॉर्म 15त्न भरते थे और सीनियर सिटीजन फॉर्म 15॥ का इस्तेमाल करते थे। अब इन दोनों की जगह केवल फॉर्म 121 इस्तेमाल होगा। यह फॉर्म केवल उन लोगों के लिए है जिनकी पूरे साल की कुल अनुमानित कमाई पर टैक्स की देनदारी शून्य है। यानी अगर आपकी सालाना कमाई टैक्स छूट की सीमा से कम है, तो आप इस फॉर्म को भरकर अपनी

इनकम बिना झ्ष्ठस् कटे हासिल कर सकते हैं। ईपीएफओ ने साफ किया है कि यह फॉर्म सबके लिए जरूरी नहीं है। यह केवल उन लोगों के लिए है जो टीडीएस कटने से बचना चाहते हैं। ईपीएफओ ने कहा है कि 1 अप्रैल के बाद अगर किसी ने पुराने फॉर्म के साथ क्लेम फाइल कर दिया है, तो उसे रिजेक्ट करके वापस नहीं भेजा जाएगा। हालांकि, कर्मचारी से फॉर्म 121 लेने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। प्राइवेट सेक्टर में काम करने वाले लोगों के लिए पीएफ एक अनिवार्य सरकारी बचत योजना है। इसमें कर्मचारी अपनी बेसिक सैलरी का 12 प्रतिशत हिस्सा कंट्रीब्यूट करता है जबकि कंपनी भी इतना ही योगदान देती है। एम्प्लॉयर के कंट्रीब्यूशन में से 8.33 प्रतिशत कर्मचारी पेंशन योजना में जाता है।

वैशाली ने चेस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीता

पहली भारतीय महिला बनीं, अब वर्ल्ड चैंपियनशिप में चीन की जू वेनजुन से भिड़ंत

साइप्रस (एजेंसी)। भारतीय ग्रैंडमास्टर वैशाली रमेशबाबू ने एफआईडीई विमेंस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026 का खिताब जीत लिया है। उन्होंने 15 अप्रैल को साइप्रस के कैप सेंट जॉर्ज होटल में खेले गए फाइनल राउंड के बाद पॉइंट्स टेबल में टॉप पर रहते हुए खिताब अपने नाम किया। वैशाली ने फाइनल राउंड में सफेद मोहरों से खेलते हुए रूस की अनुभवी खिलाड़ी कैटरिना लग्नो को हराया। 24 साल की वैशाली कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गई हैं। अब वे वर्ल्ड चैंपियनशिप में चीन की मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन जू वेनजुन को चुनौती देंगी।

10 साल बाद कोई गैर चीनी खिलाड़ी फाइनल में – साल 2016 से विमेंस वर्ल्ड चैंपियनशिप पूरी तरह से चीनी खिलाड़ियों के कब्जे में रही है। वैशाली पिछले एक दशक में पहली ऐसी खिलाड़ी हैं जो चीन के इस दबदबे को चुनौती देंगी। खेल विशेषज्ञ अब वैशाली की तुलना गुकेश से कर रहे हैं, जिन्होंने 2024 में चीन के ही डिंग लिरेन को हराकर वर्ल्ड चैंपियनशिप जीती थी। उम्मीद जताई जा रही है कि 2026 में वैशाली भी जू वेनजुन को हराकर वही कारनामा दोहराएंगी।

गुकेश ने जीता था पिछला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट – पिछली बार भारत के डी गुकेश ने इसे जीतकर चीन के डिंग लिरेन को चुनौती दी थी। तब गुकेश कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने वाले भारत के दूसरे खिलाड़ी बने थे। 5 बार के वर्ल्ड चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने 1995 में पहली बार कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीता था।

ओपनिंग से ही बनाई मजबूत पकड़

- रूस की कैटरिना लग्नो ने मुकाबले की शुरुआत में सिसिलियन डिफेंस की ड्रैगन वेरिएशन अपनाई। यानी उन्होंने अपने किंग को सुरक्षित रखते हुए काले मोहरों को इस तरह जमाया कि उनका ऊंट (बिशप) कोने से लंबी दूरी तक असर डाल सके।
- इसके जवाब में वैशाली रमेशबाबू ने यूगोस्लाव अटैक खेला। मतलब, उन्होंने शुरुआत से ही सफेद मोहरों से किंग साइड पर तेज हमला करने की रणनीति अपनाई और खेल पर पकड़ बना ली।
- करीब 16वीं चाल तक वैशाली के पास साफ बढ़त थी। इसके बाद उन्होंने बिना जल्दबाजी किए रूसी खिलाड़ी की गलतियों का भी पूरा फायदा उठाया। 48वीं चाल पर लग्नो ने हार मान ली।

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट क्या है और क्यों अहम

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट शतरंज की दुनिया का सबसे अहम इवेंट माना जाता है, क्योंकि यही तय करता है कि वर्ल्ड चैंपियन को अगला चैलेंजर कौन होगा। इसे वर्ल्ड चैंपियनशिप का सेमीफाइनल भी कहा जाता है। विजेता को सीधे वर्ल्ड चैंपियन से खेलने का मौका मिलता है। यह शतरंज का सबसे बड़ा क्वालिफाइंग टूर्नामेंट है। कैंडिडेट्स टूर्नामेंट हर दो साल में होता है और विजेता वर्ल्ड चैंपियन को चुनौती देता है। ओपन कैटेगरी के विजेता का मुकाबला भारत के डी गुकेश से, जबकि विमेंस कैटेगरी की विजेता चीन की जू वेनजुन से होगा।

कैसे होता है टूर्नामेंट?

- इसमें दुनिया के टॉप 8 खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं।
- सभी खिलाड़ी एक-दूसरे से 2 बार (राउंड-रॉबिन फॉर्मेट) खेलते हैं।
- कुल 14 राउंड होते हैं।
- हर जीत पर 1 अंक, ड्रॉ पर 0.5 अंक मिलता है।
- सबसे ज्यादा पॉइंट्स वाला खिलाड़ी विजेता बनता है।

बेंगलुरु की इस आईपीएल सीजन में चौथी जीत

- **लखनऊ को 5 विकेट से हराया; टेबल के टॉप पर आई, कोहली ने 49 रन बनाए**

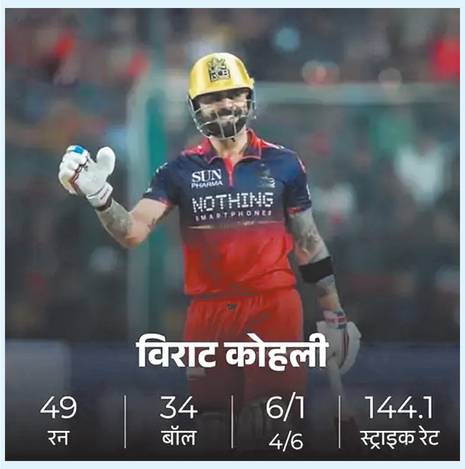

बेंगलुरु (एजेंसी)। डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल सीजन में चौथी जीत हासिल की है। टीम ने बुधवार को लखनऊ सुपर जायंट्स को 5 विकेट से हराया। बेंगलुरु ने अपने होमग्राउंड में 147 रन का टारगेट 15.1 ओवर में 5 विकेट पर हासिल कर लिया। लखनऊ 20 ओवर में 146 रन पर ऑलआउट हो गई।

मैच का स्कोरकार्ड

- **मैच में एक भी फिफ्टी नहीं** – इस मैच एक भी फिफ्टी नहीं लगाई। सबसे ज्यादा रन विराट कोहली (49 रन) ने बनाए। वे एक रन से फिफ्टी चूक गए। रजत पाटीदार ने 27 और जितेश शर्मा ने 23 रन बनाए।
- **रसिख सलाम ने 4 विकेट झटके** – इससे पहले टॉस जीतकर गेंदबाजी कर रही बेंगलुरु की ओर से रसिख सलाम ने 4 विकेट झटके। भुवनेश्वर कुमार ने 3 और क्रुणाल पंड्या ने 2 विकेट लिए। एलएसजी से मिचेल मार्श ने 40 रन बनाए।
- **बेंगलुरु टेबल के टॉप पर लौटी, लखनऊ 7वें नंबर पर** – बेंगलुरु की टीम मौजूदा सीजन की पॉइंट्स टेबल के टॉप पर पहुंच गई। टीम के खाते में 8 अंक हैं। वहीं, लखनऊ की टीम तीसरी हार के बाद 7वें स्थान पर है। उसके पास 4 अंक हैं।
- **कोहली पहली बार इम्पैक्ट प्लेयर बने, सुयश बाहर** – विराट कोहली इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे हैं। वे पहली बार इस रोल में नजर आए हैं। कोहली को सुयश शर्मा की जगह मैदान पर ला गया।

विनोद कांबली को 'ब्रेन स्ट्रोक' का खतरा

- **दिमाग में क्लॉटिंग, याददाश्त भी कमजोर, मदद के लिए पूर्व क्रिकेटर दोस्तों ने वॉट्सएप ग्रुप बनाया**

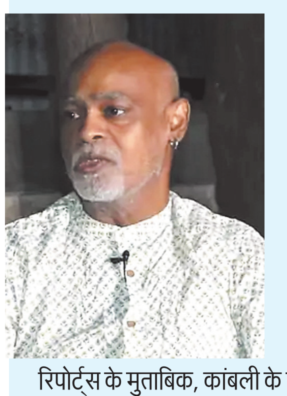

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के 'विनोद' यानी विनोद कांबली इन दिनों अपनी जिंदगी की सबसे कठिन पारी खेल रहे हैं। कभी मैदान पर चौके-छक्के जड़ने वाला यह दिग्गज बल्लेबाज आज चलने-फिरने और याददाश्त खोने जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है। मेडिकल रिपोर्ट्स के मुताबिक, कांबली के दिमाग में एक 'ब्लड क्लॉट' (खून का थक्का) है, जिसकी वजह से उन्हें कभी भी ब्रेन स्ट्रोक आ सकता है।

- **भूल जाते हैं कि सिगरेट नहीं पीना है** – कांबली के करीबी दोस्त मार्कस कूटो ने बताया कि कांबली की मानसिक स्थिति काफी नाजुक है। उनकी याददाश्त इतनी कमजोर हो गई है कि वे अक्सर भूल जाते हैं कि उन्हें क्या करना है और क्या नहीं। कूटो के मुताबिक, कांबली ने शराब छोड़ दी है, लेकिन वे अक्सर भूल जाते हैं कि उन्हें स्मोकिंग नहीं करना है। वे घर के नीचे जाकर राहगीरों या ऑटो वालों से सिगरेट मांग लेते हैं। लोगों को लगता है कि वे दिग्गज कांबली की मदद कर रहे हैं, लेकिन वे नहीं जानते कि यह उनके दिमाग के लिए कितना खतरनाक है।
- **बचपन के दोस्त सचिन और पुराने साथी बने सहारा** – कांबली की इस मुश्किल घड़ी में उनके बचपन के दोस्त सचिन तेंदुलकर मजबूती से साथ खड़े हैं। सचिन पर्दे के पीछे से लगातार उनकी मेडिकल जरूरतों का ध्यान रख रहे हैं।

सीएसके ने डोसा, इडली, सांभर, चटनी गाने पर नाराजगी जताई

आरसीबी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई, कहा- हमारे खिलाड़ियों और टीम का मजाक उड़ाया

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मुकाबले के बाद विवाद सामने आया है। सीएसके ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से आरसीबी के खिलाफ आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई है।

मामला 5 अप्रैल का है, जिस दिन बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में चेन्नई और बेंगलुरु का मैच खेला गया। इस दौरान स्टेडियम में एक गाना बजाया गया, जिसमें डोसा, इडली, सांभर, चटनी जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया था। सीएसके का आरोप है कि यह गाना उनके खिलाड़ियों और टीम पर तंज के तौर पर बजाया गया।

बीसीसीआई को पत्र लिखा

सूत्रों के मुताबिक सीएसके के मैनेजिंग डायरेक्टर काशी विश्वनाथन ने कहा, आमतौर पर डीजे घरेलू टीम का समर्थन करने के लिए होते हैं। लेकिन चिन्नास्वामी स्टेडियम में स्थिति अलग थी। हमारे खिलाड़ियों के खिलाफ कुछ खास टिप्पणियां की गईं। इसी को ध्यान में रखते हुए, हमने बीसीसीआई को पत्र लिखकर मामले की जांच का अनुरोध किया है।

पिछले साल जितेश शर्मा ने गाना गाया था

आरसीबी ने पिछले साल चेन्नई से मुकाबले से पहले अपने विकेटकीपर जितेश शर्मा का एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वे इडली-डोसा वाला गाना गा रहे थे। तब उन्हें सीएसके फैंस ने ट्रोल किया था। हालांकि, इस पर ज्यादा विवाद नहीं हुआ था। इस गाने को संगीतकार गाना अप्पु ने बनाया था।

आरसीबी-सीएसके मैच को सदर्न डर्बी कहा जाता है

पिछले कुछ सालों में सीएसके और आरसीबी के बीच राइवलरी देखने को मिली है, जिस वजह इसे आईपीएल का सदर्न डर्बी कहा गया। हेड टु हेड में सीएसके का आरसीबी पर पलड़ा भले ही भारी रहा हो, लेकिन पिछले कुछ सीजन में बेंगलुरु ने चेन्नई पर अपना दबदबा बनाया है।

सीएसके को बड़ा झटका

स्टार तेज गेंदबाज खलील अहमद पूरे टूर्नामेंट से बाहर

चेन्नई (एजेंसी)।

चेन्नई सुपर किंग को आईपीएल 2026 के बीच बड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार तेज गेंदबाज खलील अहमद चोट के कारण पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं।

मैच के दौरान लगी चोट

खलील अहमद को 14 अप्रैल को खलील कोलकत्ता राइडर के खिलाफ खेले गए मैच के दौरान चोट लगी। उन्होंने अपने चौथे ओवर की पांचवीं गेंद डालने के बाद दर्द की शिकायत की और मैदान छोड़ना पड़ा। वह अपना कोटा पूरा नहीं कर सके, जिससे टीम को बड़ा नुकसान हुआ।

चोट की गंभीरता क्या है?

रिपोर्ट्स के मुताबिक खलील को क्वाड्रिसेप्स में ग्रेड-2 टियर हुआ है। इसके अलावा उनकी दाहिनी जांघ (रेक्टस फेमोरिस) में गंभीर स्ट्रेच इंजरी और मसल टियर भी पाया गया है। डॉक्टर्स के अनुसार, उन्हें पूरी तरह फिट होने में कम से कम 10 से 12 हफ्ते लगेंगे, यानी वह आईपीएल 2026 के बाकी मुकाबलों में नहीं खेल पाएंगे।

इस सीजन में प्रदर्शन

28 वर्षीय खलील अहमद का इस सीजन प्रदर्शन खास नहीं रहा था।

मैच- 5
विकेट- 2
औसत- 73
इकॉनमी- 8.67

सीएसके ने उन्हें 4.8 करोड़ रुपये में रिटेन किया था, लेकिन चोट के कारण उनका सीजन जल्दी खत्म हो गया।

70 लाख डॉलर के अनुबंध मामले में फंसे लियोनेल मेस्सी, इवेंट प्रमोटर ने दायर किया मुकदमा

मियामी (एजेंसी)। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी पर मियामी स्थित एक 'इवेंट प्रमोटर' ने मुकदमा दायर किया है, जिसका कहना है कि इस दिग्गज खिलाड़ी ने पिछले साल एक प्रदर्शनी मैच में अनुपस्थित रहकर 70 लाख डॉलर के अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन किया है।

अदालती रिकॉर्ड के अनुसार विड म्यूजिक ग्रुप ने पिछले महीने मियामी-डेड सर्किट कोर्ट में मेस्सी और अर्जेंटीना फुटबॉल संघ (एएफए) के खिलाफ धोखाधड़ी और अनुबंध के उल्लंघन का मुकदमा दायर किया था। मेस्सी और ख्र ने इस संबंध में टिप्पणी के लिए भेजे गए सवालों का तुरंत कोई जवाब नहीं दिया। मेस्सी को महानतम फुटबॉल खिलाड़ियों में से एक माना जाता है। वह मेजर लीग सॉकर क्लब इंटर मियामी और अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम दोनों के लिए खेलते हैं और प्रशंसक उन्हें खेलते हुए देखने के लिए अक्सर बहुत अधिक कीमत चुकाते हैं। मुकदमे के अनुसार विड ने पिछले साल गर्मियों में अर्जेंटीना के वेनेजुएला और प्यूर्टोरिको के खिलाफ होने वाले मैत्री मैचों के लिए एएफए के साथ एक समझौता किया था। विड का दावा है कि मेस्सी को प्रत्येक मैच में कम से कम 30 मिनट खेलना था, बशर्ते कि वह घायल न हों। मेस्सी वेनेजुएला के खिलाफ मैच में नहीं खेले थे।

कलाई की चोट के कारण अल्काराज बार्सिलोना ओपन से बाहर

बार्सिलोना (एजेंसी)। टॉप सीड अल्काराज कलाई की चोट के चलते बार्सिलोना ओपन से बाहर हो गए हैं। स्पेन के 22 वर्षीय स्टार खिलाड़ी ने पहले राउंड में जीत दर्ज की थी, लेकिन चोट के कारण उन्हें टूर्नामेंट छोड़ना पड़ा।

- **पहले राउंड में मिली जीत, फिर बढ़ी परेशानी** – अल्काराज ने अपने पहले मुकाबले में क्वालिफायर ओटो विरटेनन को सीधे सेटों में हराया था। हालांकि, मैच के दौरान ही उनकी कलाई में तकलीफ शुरू हो गई थी, जो बाद में गंभीर साबित हुई।
- **मेडिकल टेस्ट के बाद लिया फैसला** – अल्काराज को गुरुवार को थामस के खिलाफ खेलना था, लेकिन दाहिनी कलाई के मेडिकल टेस्ट के बाद उन्होंने टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया।उन्होंने कहा, मैच के दौरान रिटर्न करते समय लगा कि मेरी कलाई जवाब दे गई है। टेस्ट के बाद पता चला कि चोट हमारी उम्मीद से ज्यादा गंभीर है। मुझे अपने शरीर की सुननी होगी।

नंबर-1 रैंकिंग भी गंवाई

इस सप्ताह की शुरुआत में जैनिक सिनर ने उन्हें पछाड़कर दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी का स्थान हासिल कर लिया। अगर अल्काराज बार्सिलोना ओपन जीत जाते, तो उनके पास फिर से नंबर-1 बनने का मौका था।

अब रिकवरी पर फोकस

अल्काराज ने बताया कि वह जल्द से जल्द घर लौटकर अपनी टीम—डॉक्टर्स और फिजियो के साथ रिकवरी शुरू करेंगे, ताकि आने वाले बड़े टूर्नामेंट्स के लिए फिट हो सकें।

फ्रेंच ओपन पर नजर

अल्काराज को उम्मीद है कि वह 18 मई से शुरू होने वाले फ्रेंच ओपन से पहले पूरी तरह फिट हो जाएंगे। वह लगातार तीसरी बार इस ग्रैंड स्लैम को जीतने की तैयारी में हैं।

आज कोलकाता पहली जीत के लिए बेताब

घरेलू मैदान पर अच्छा प्रदर्शन करना चाहेगा गुजरात

अहमदाबाद (एजेंसी)। लगातार खराब प्रदर्शन के कारण दबाव में चल रही कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम शुक्रवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शानदार फॉर्म में चल रही गुजरात टाइटन्स के खिलाफ अपनी लय में लौटकर पहली जीत हासिल करने की कोशिश करेगी। कप्तान अजिंक्य रहाणे और कोच अभिषेक नायर के नेतृत्व में केकेआर की स्पष्ट रणनीति नजर नहीं आ रही है। उसे अब तक पांच मैच में से चार मैच में हार का सामना करना पड़ा है।

हर्षित राणा और आकाश दीप के चोटिल होने तथा भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के निर्देश पर मुस्तफिजुर रहमान को टीम से बाहर किए जाने के बाद टूर्नामेंट से पहले उसकी गेंदबाजी काफी कमजोर हो गई थी। उसके लिए हालांकि सबसे बड़ी चिंता सुनील नारायण और वरुण चक्रवर्ती जैसे स्पिन गेंदबाजों की खराब फॉर्म है। चक्रवर्ती इस टूर्नामेंट में अभी तक एक भी विकेट नहीं ले पाए हैं।

केकेआर की समस्याएं मैदान के अंदर और बाहर के कुछ फैसलों के कारण बढ़ गई हैं। टिम सीफर्ट और रचिन रविंद्र जैसे खिलाड़ियों को टीम से बाहर रखने पर सवाल उठ रहे हैं, जबकि टॉस जीतने के बाद उनके फैसले भी समझ से परे हैं। पंजाब किंग्स के खिलाफ बारिश के कारण रद्द कर दिए गए मैच में रहाणे ने बल्लेबाजी का फैसला करके सभी को चौंका दिया जबकि चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ उन्होंने ऐसी पिच पर पहले

टीम इस प्रकार हैं

गुजरात टाइटंस – शुभमन गिल (कप्तान), अनुज रावत, जोस बटलर, कुमार कुशाग्र, ग्लेन फिलिप्स, राशिद खान, मानव सुथार, निशांत सिंधु, राहुल तेवतिया, वॉशिंगटन सुंदर, गुरनूर बराड़, अरशद खान, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कगिसो रबाडा, आर साई किशोर, इशांत शर्मा, अशोक शर्मा, जेसन होल्डर, टॉम बैंटन, ल्यूक वुड, साई सुदर्शन, एम शाहरुख खान, जयंत यादव, कुलवंत खेजरोलिया।

कोलकाता नाइट राइडर्स – अजिंक्य रहाणे (कप्तान), मनीष पांडे, रोवमैन पॉवेल, अंगकृष रघुवंशी, रमनदीप सिंह, रिंकू सिंह, सुनील नारायण, अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा, उमरान मलिक, वरुण चक्रवर्ती, कैमरन ग्रीन, मथीशा पथिराना, राहुल त्रिपाठी, टिम सीफर्ट, तेजस्वी दहिया, रचिन रवींद्र, आकाश दीप, ब्लेसिंग मुजरबानी, नवदीप सैनी, प्रशांत सोलंकी, फिन एलन, दक्ष कामरा, कार्तिक त्यागी, सार्थक रंजन, सौरभ दुबे।

समय – शाम 7.30 बजे।

संक्षिप्त समाचार

गाजियाबाद में 40 हजार गाड़ी मालिकों पर संकट

गाजियाबाद, एजेंसी। जिले में करीब 40 हजार दोपहिया और चारपहिया वाहन स्वामी को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। वजह यह है कि उनके वाहनों पर अब तक हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट नहीं लगी है। परिवहन विभाग की नई व्यवस्था के तहत बुधवार से एचएसआरपी के बिना अब प्रदूषण प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जा रहा। विभागीय आंकड़ों के अनुसार, बार-बार नोटिस और अपील के बावजूद हजारों वाहन स्वामियों ने एचएसआरपी नहीं लगवाई। अब जैसे ही पुराने पीयूसी की अवधि समाप्त होगी, वाहन स्वामियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। एआरटीओ प्रशासन अशोक श्रीवास्तव के अनुसार, केंद्र सरकार के निर्देशों के तहत एचएसआरपी सुरक्षा की दृष्टि से अनिवार्य है। उल्लंघन पर लगेगा 15 हजार का जुर्माना इससे वाहनों की पहचान आसान होती है और चोरी या अपराध में प्रयुक्त वाहनों की निगरानी में मदद मिलती है। इसी कारण पीयूसी को एचएसआरपी से जोड़ा गया है। नियम उल्लंघन पर 10 हजार रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है, जबकि बिना एचएसआरपी वाहन चलाने पर पांच हजार रुपये तक का दंड निर्धारित है। वहीं दोनों न होने पर 15 हजार का दंड वाहन स्वामियों से वसूला जाएगा।

गाजियाबाद में गैस सिलेंडर की कालाबाजारी पर बड़ी कार्रवाई

गाजियाबाद, एजेंसी। मालीवाड़ा क्षेत्र में खाद्य आपूर्ति विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गैस सिलिंडरों की कालाबाजारी का पर्दाफाश किया है। जिला खाद्य एवं पूर्ति विभाग की टीम ने मालीवाड़ा चौक पर एक मकान के नीचे दुकान पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान अवैध रूप से रखे गए 18 घरेलू और व्यावसायिक गैस सिलिंडर जब्त किए हैं। बुधवार को जिला पूर्ति विभाग को सूचना मिली कि प्यारेलाल पार्क मालीवाड़ा चौक पर कूलर की दुकान में अवैध रूप से घरेलू और व्यावसायिक गैस सिलिंडरों का भंडारण किया जा रहा है। जिला पूर्ति अधिकारी अमित तिवारी ने विभागीय टीम गठित कर औचक निरीक्षण किया, जहां 14.2 किग्रा के नौ घरेलू, 19 किग्रा के आठ व्यावसायिक और पांच किग्रा का एक व्यावसायिक छोटू सिलिंडर समेत कुल 18 सिलिंडर जब्त किए गए। विभागीय टीम जब्त किए गए सिलिंडरों को सिहानी गेट कोतवाली ले आई। जब्त सिलिंडरों को कालाबाजारी के उद्देश्य से जमा किया गया था। जिला पूर्ति अधिकारी अमित तिवारी ने बताया कि यह दुकान अनिल गर्ग की बताई गई है, जिनसे संबंध में पुलिस द्वारा पूछताछ और मामले की जांच के साथ ही संबंधित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि कहा कि गैस सिलिंडरों की कालाबाजारी करने वालों की सूचना जिला पूर्ति विभाग और जिला प्रशासन को दें ताकि समय रहते ऐसे लोगों पर कार्रवाई की जा सके।

फरीदाबाद-बल्लभगढ़ में जाम से मिलेगी मुक्ति

बल्लभगढ़, एजेंसी। बस स्टैंड के सामने राष्ट्रीय राजमार्ग पर लगने वाले जाम से छुटकारा दिलाने के लिए पुलिस प्रशासन भी कमर कस चुका है। डीसीपी बल्लभगढ़ प्रतीक अग्रवाल ने सोमवार को बस स्टैंड के आसपास का दौरा करके यहां लगने वाले जाम के कारणों को जाना था। जाम से निपटने के लिए अभी ठोस कार्ययोजना बनाई जानी है लेकिन फौरी तौर पर यह निर्णय लिया गया है कि राजमार्ग पर बनी सफेद पट्टी से बाहर जो भी वाहन खड़ा दिखाई देगा, उसका चालान काट दिया जाएगा। दरअसल, बस स्टैंड के सामने सब्जी मंडी भी है। यहां बल्लभगढ़ के अलावा दूर दराज से लोग सब्जी खरीदने के लिए आते हैं। वे अपने चार पहिया, दो पहिया वाहनों को राजमार्ग पर आड़ा तिरछा खड़ा कर देते हैं। इस कारण अन्य वाहन यहां फंस जाते हैं और यातायात बहुत धीमा हो जाता है। सुबह और शाम के वक्त तो यहां भीषण जाम की स्थिति बनी जाती है। सब्जी मंडी में आने वाले वाहनों को ठीक से पार्क करने के लिए सफेद पट्टी का सहारा लिया जाएगा। राजमार्ग प्राधिकरण को बोला गया है कि वह स्पष्ट दिखने वाली सफेद पट्टी लगाए। इसके बाद पुलिस प्रशासन चेतावनी बोर्ड लगाएगा, ताकि वाहन चालक स्वयं ही अपने वाहन सफेद पट्टी के अंदर खड़ा करें।

लखनऊ में लगी भीषण आग की राख में मिली दो बच्चों की लाश, कई लापता

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ के विकास नगर में बुधवार की शाम लगी आग आठ घंटे की मशक्कत के बाद देर रात बुझा तो ली गई लेकिन कई अपनों की तलाश अब भी जारी है। इस बीच पुलिस ने आग बुझाने के बाद दो बच्चों की लाश बरामद की है। दोनों बच्चों की उम्र दो साल के आसपास बताई जा रही है। लगभग एक हजार झुग्गी झोपड़ियों में लगी आग से सबकुछ खाक हो गया है। सौ के करीब एलपीजी सिलेंडर और बाइकों की टंकियां फटने से आग भड़कती रही। इससे करीब दस किलोमीटर के इलाके में धुएं का गुबार देखा गया।

विकास नगर में मुंशीपुलिया से आगे सीतापुर बाईपास किनारे सैकड़ों झुग्गी झोपड़ियां लंबे समय से आबाद थीं। बस्ती के बिशाल गौतम का दावा है कि शाम करीब चार बजे देशी शराब ठेके के बगल में बनी कैंटीन से आग की लपटें एकाएक उठीं और विकराल होने लगीं। उनके साथ ही पड़ोसी धर्मेंद्र, बबलू, विमलेश, राम स्वरूप, मंत्री, मो. आसिफ कुरैशी, रहमान, सुनीता और करन की झोपड़ियां जलने लगीं। लोगों ने पानी फेंककर काबू पाने का प्रयास किया पर सफलता नहीं मिली। इस बीच, झोपड़ियों में रखे गैस सिलेंडर ताबड़तोड़ धमाकों के साथ फटने लगे और पूरी बस्ती धू-धूकर जलने लगी। करीब डेढ़ घंटे बाद दमकल और पुलिस पहुंची। राहत व बचाव के लिए एसडीआरएफ और एनडीआरएफ भी पहुंच गए।

मौके पर कोई कह रहा था कि मेरा बच्चा गायब है तो कोई बेटी को खोज रहा था। किसी को पिता तो कोई भाई को तलाश रहा था। पुलिस और सिविल डिफेंस के लोग उन्हें रोक रहे थे लेकिन कोई मानने को तैयार नहीं था। सिविल डिफेंस ने मानव श्रृंखला बनाकर लोगों को रोका। इस बीच, दम घोंटू धुएं से आसपास के लोग बेचैनी महसूस करने लगे। सभी अपने घरों को सुरक्षित करने की कोशिश में थे। बस्ती के लोग नम आंखों से अपने आशियाने राख होते देख रहे थे। देर रात तक कोहराम जैसी स्थिति बनी रही। फायर ब्रिगेड ने चारों तरफ से पानी डाल कर किसी तरह देर रात आग पर काबू पाया जा सका।

इसके बाद शुरू हुई तलाशी में दो बच्चों की लाश मिली है। डीसीपी पूर्वी दीक्षा शर्मा ने बताया आग पर काबू पा लिया गया था। एसडीआरएफ और एनडीआरएफ अब भी राहत कार्य में लगी है। इस पूरी घटना में दो बच्चों की मौत हुई है। फोटो के जरिए उनके पैरेंट्स की पहचान कराई जा रही है।

कुछ लोगों को रात में रैन बसेरे में रखा गया तो काफी लोग सड़क किनारे ही खुले में रातभर रहे। सुबह होते ही लोग अपने बचे सामानों को बंटोरने और अपनों को खोजने में जुटे रहे। हालांकि भीषण आग में सबकुछ राख होने से खाने के भी लाले पड़ने की आशंका हो गई है। मनीष की चाची पूजा ने नम आंखों से बताया कि लपटें इतनी तेज थीं कि किसी को कुछ सोचने का मौका नहीं मिला। जैसे ही लोग जान बचाकर बाहर भागे, सिलेंडरों में धमाके शुरू हो गए।

गुरुग्राम में झुग्गी माफिया सक्रिय, सरकारी जमीन पर कब्जा कर अवैध वसूली का धंधा

गुरुग्राम, एजेंसी। शहर में कई जगहों पर झुग्गी माफिया सक्रिय हैं। माफिया ने अलग-अलग जगहों पर खाली पड़ी सरकारी जमीनों पर कब्जा कर वहां सैकड़ों झुग्गियां तो बसाईं ही, साथ ही दूसरे राज्यों से आने वाले लोगों को यहां झुग्गी देकर उनसे अवैध वसूली भी की जा रही है। गुरुग्राम पुलिस ने बीते तीन महीनों में बड़ी संख्या में शहर के झुग्गी माफिया को चिह्नित किया है। इनके खिलाफ लगातार कार्रवाई अभियान भी चलाए जा रहे हैं। शहर में कई सालों से सेक्टर 70, नखड़ौला, नाथूपुर, सिलोखरा, मानेसर, बादशाहपुर, सिकंदरपुर, सेक्टर 56, सेक्टर 37, तिगरा, वजीराबाद समेत अन्य जगहों पर झुग्गी माफिया सक्रिय हैं। इस अवैध काम में झुग्गी माफिया के साथ इलाकों के कुछ राजनीतिक रसूखदारों का भी हाथ रहता है। गुरुग्राम में अलग-अलग जगहों की सरकारी जमीनों पर हजारों की संख्या में झुग्गियां बसी हुई हैं। झुग्गी माफिया रहने के लिए इन झुग्गियों को ढाई से तीन हजार रुपये और व्यापार करने के लिए दस हजार रुपये किराये पर देते हैं। यहां पर बिहार, बंगाल, असम, मिजोरम, ओडिशा समेत अन्य पूर्वोत्तर राज्यों के लोग चोरी छिपे रहते हैं। न तो इनका वेरिफिकेशन होता है और न ही इनके पास कोई कागजात। ज्यादा समय तक रहने वाले लोगों ने फर्जी आधार कार्ड बनवा रखे हैं। कई बार पुलिस की कार्रवाई में ऐसे लोग पकड़े जा चुके हैं। वहीं शराब, गांजा, चरस की तस्करी भी कई लोग इन झुग्गियों से करते हैं।

आंध्र में सुबह-सुबह भीषण सड़क हादसा, ट्रक से टकरा गई बोलेरो गाड़ी; तीर्थ करने जा रहे 8 लोगों की मौत

कुरनूल , एजेंसी। दक्षिणी राज्य आंध्र प्रदेश में गुरुवार सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया है। यहां कुरनूल जिले के चिलकलाडोना के पास एक बोलेरो गाड़ी की लॉरी से टक्कर हो गई। हादसे में कम से कम 8 लोगों के मारे जाने की खबर है। जानकारी के मुताबिक ये लोग तीर्थयात्रा के लिए निकले थे। हादसे में कई लोग घायल भी हुए हैं। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई है। कुरनूल पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पाँच पीड़ितों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई, जबकि तीन अन्य ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। दुर्घटना में लगभग 10 से 12 लोग घायल भी हो गए।

अधिकारियों ने बताया कि घायलों को तुरंत इलाज के लिए एम्मिगनूर अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने आगे बताया कि मृतकों की पहचान कर्नाटक के चिक्कमगलुरु क्षेत्र के तीर्थयात्रियों के रूप में हुई है। हादसे के बाद का एक वीडियो भी सामने आया है। इस हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी दुख जताया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों और घायलों के लिए सहायता राशि देने की घोषणा की है। पीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में हुई दुर्घटना अत्यंत दुखद है। मैं उन लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने इस हादसे में अपने प्रियजनों को खो दिया, और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। पीएम ने आगे लिखा कि क्ष्क्ष्त्रस्न की ओर से, हर मृतक के निकटतम परिजन को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। वहीं घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

नोएडा में रची गई थी खतरनाक साजिश, पकड़े गए 66 में से 45 की जांच में चौंकाने वाला खुलासा

नोएडा , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के नोएडा में श्रमिक आंदोलन की आड़ में अराजकता फैलाने की साजिश को योगी सरकार ने कुछ ही घंटों में सख्ती और सूझबूझ के साथ नाकाम कर दिया। एसटीएफ और पुलिस की जांच में यह मामला श्रमिक असंतोष का नहीं, बल्कि इसके पीछे एक सुनियोजित साजिश थी, जिसमें कुछ संदिग्ध राजनीतिक विचारधारा के दलों की भूमिका सामने आई है। उच्च स्तरीय सूत्रों के मुताबिक, जांच में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। कुल 66 गिरफ्तारियों में से 45 लोग ऐसे हैं, जो वास्तविक श्रमिक नहीं थे। आगजनी की घटना में चिन्हित 17 में से 11 को गिरफ्तार किया गया, जिनमें 8 गैर-श्रमिक हैं।

वहीं भड़काने के आरोप में 32 लोगों की पहचान हुई, जिनमें से 19 को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा 34 ऐसे लोगों को भी पकड़ा गया है, जो श्रमिक नहीं होते हुए भी कथित आंदोलन में शामिल होकर माहौल बिगाड़ने का प्रयास कर रहे थे। साजिश रचने के आरोप में 4 लोगों की गिरफ्तारी भी हुई है, जिनके कथित तौर पर कुछ संगठित नेटवर्क से जुड़े होने की बात सामने आई है। अब तक गिरफ्तार हुए लोग संदिग्ध विचारधारा वाले राजनीतिक संगठनों से जुड़े बताए जा रहे हैं।

उच्च स्तरीय सूत्रों ने बताया कि नोएडा के आर्थिक ढांचे को बर्बाद करने की एक घिनौनी, सुनियोजित और बड़े पैमाने की साजिश रची गई थी, जिसमें कुछ

राजनीतिक दलों का पूरा इकोसिस्टम खुलकर शामिल था। ये पार्टियां मिलकर यूपी की प्रगति को कुचलने और नोएडा जैसे आर्थिक हब को आग में झोंकने की कुटिल चाल चल रही थीं। सूत्रों ने बताया कि आंदोलन के झूठे मुखौटे के पीछे छिपे चार दर्जन से ज्यादा यादव और मुस्लिम व्यक्ति पकड़े गए हैं, जो कुछ राजनीतिक दलों के एजेंडे के तहत अराजकता फैलाने, संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और पूरे इलाके को आर्थिक रूप से लूटने की तैयारी में थे। ये तत्व न सिर्फ नोएडा की विकास यात्रा को रोकना चाहते थे, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को पटरी से उतारकर सत्ता के खेल में अपना स्वार्थ साधना चाहते थे। उच्चस्तरीय सूत्रों ने बताया कि इतना ही नहीं, बंगाल, बिहार, यूपी समेत देश के अलग-अलग कोनों से आई कुछ महिलाएं भी इस साजिश में सक्रिय रूप से शामिल पाई गई हैं, जिनकी भूमिका बेहद संदिग्ध और खतरनाक है। ये हिंसक प्रदर्शन में शामिल लोगों की मदद कर रही थीं। इनका मकसद अराजकता भड़का कर नोएडा को आग के हवाले कर देना था। यह पूरा खेल न सिर्फ एक राजनीतिक साजिश था, बल्कि देश की आर्थिक रीढ़ को तोड़ने का देशद्रोही षड्यंत्र था, जिसे पुलिस ने समय रहते नाकाम कर दिया। उच्च स्तरीय सूत्रों के मुताबिक, इस पूरे घटनाक्रम में कुछ संदिग्ध सोशल मीडिया हैंडल्स और बाहरी राज्यों से आए तत्वों की भी भूमिका जांच के दायरे में है। सोशल मीडिया पर इस पूरे मामले को बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत कर माहौल को भड़काने का प्रयास किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए स्थिति को नियंत्रित किया। श्रमिकों के हित में वेतन वृद्धि की घोषणा के बाद मजदूरों और फैक्ट्री मालिकों ने सहयोग किया, जिसके परिणामस्वरूप नोएडा में औद्योगिक गतिविधियां तेजी से सामान्य हो गई हैं और तमाम फैक्ट्रियों में कामकाज सामान्य तरीके से संचालित हो रहा है। सरकार की त्वरित कार्रवाई का असर यह रहा कि जहां अन्य राज्यों में ऐसे विवादों के कारण उद्योग प्रभावित हुए हैं, वहीं उत्तर प्रदेश में स्थिति शीघ्र सामान्य हो गई।

होर्मुज की नाकेबंदी पर ईरान की यूएस को धमकी, कहा- पहली मिसाइल से ही अमेरिकी जहाजों को डुबो देंगे

तेहरान, एजेंसी। इस्लामाबाद में ईरान और अमेरिका के बीच हुई बातचीत नाकाम होने के बाद हालात बिगड़ गए हैं। अमेरिका ने अरब और ओमान की खाड़ी में ईरानी बंदरगाहों की पूरी तरह नाकेबंदी कर दी है। अब किसी भी देश का जहाज ईरान के बंदरगाहों पर न तो आ सकता है और न ही वहां से जा सकता है। अमेरिकी नौसेना के युद्धपोत ओमान की खाड़ी में लगातार गश्त कर रहे हैं। इस कार्रवाई पर ईरान ने बहुत सख्त रुख अपनाया है। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के सैन्य सलाहकार मोहसिन रेजाई ने अमेरिका को सीधी धमकी दी है। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकेबंदी करने का फैसला करता है, तो ईरान अमेरिकी जहाजों को डुबो देगा। मोहसिन रेजाई को पिछले महीने ही सैन्य सलाहकार नियुक्त किया गया था। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप पर तंज कसते हुए पूछा कि क्या ट्रंप अब होर्मुज जलडमरूमध्य के पुलिस बनना चाहते हैं? उन्होंने सवाल किया कि क्या यह वास्तव में आपका काम है? क्या यह अमेरिका जैसी शक्तिशाली सेना का काम है? एक सरकारी टीवी चैनल को दिए बयान में रेजाई ने कहा कि अमेरिकी जहाज ईरान की पहली मिसाइल की मार से ही समुद्र में डूब जाएंगे। उन्होंने दावा किया कि ये जहाज निश्चित रूप से ईरानी मिसाइलों की चपेट में आ सकते हैं और हम इन्हें नष्ट कर सकते हैं। रेजाई ने यह भी कहा कि अगर अमेरिका ईरान पर जमीनी हमला करता है, तो यह ईरान के लिए और भी अच्छा होगा। उन्होंने दावा किया कि वे हजारों अमेरिकी सैनिकों को पकड़ लेंगे और फिर हर एक बंधक सैनिक के बदले अमेरिका से एक अरब डॉलर की मांग करेंगे। रेजाई ने साफ किया कि वे व्यक्तिगत रूप से युद्धविराम को आगे बढ़ाने के पक्ष में नहीं हैं। बढ़ते तनाव को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख एंटोनियो गुटेरेस ने एक बार फिर शांति की अपील की है।

ईरान-यूएस वार्ता में नई हलचल, पाकिस्तान के जरिए संदेश आदान-प्रदान का दावा; गाजा में संघर्ष जारी

इस्लाबाद, एजेंसी। इस्राइली सेना ने कहा कि उसने पिछले 24 घंटों में दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्ला के 200 से अधिक बुनियादी ढांचा स्थलों पर हमला किया है। वहीं, इस्राइल सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि हिजबुल्ला की तरफ से बुधवार को इस्राइल पर 40 रॉकेट दागे गए। यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि इस्राइली सेना ने टायर शहर में किसको निशाना बनाया था। लेकिन हमले के बाद पूरे शहर से उठता धुआं, टूटी-फूटी इमारतों, मलबे के ढेरों और बिखरी सड़कों में साफ दिखाई दे रहे थे। इस्राइली हमले में लेबनान में अब तक 2,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, हजारों घायल हैं और 10 लाख से अधिक विस्थापित भी हुए हैं। इस्राइल और लेबनान के बीच मंगलवार को वाशिंगटन में हुई ऐतिहासिक वार्ता का हिजबुल्ला विरोध कर रहा है। उसका मानना है कि यह इस्राइलियों को रियायत देना है, जबकि वह लेबनान में बमबारी जारी रखे हुए है। आतंकी समूह ने इस्राइल के साथ वार्ता को एक राष्ट्रीय पाप बताया और कहा कि इससे लेबनान में विभाजन और बढ़ जाएगा। दोनों देशों के बीच बातचीत में शामिल अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इसे ऐतिहासिक अवसर बताया और यह भी स्पष्ट किया कि कोई भी निर्णायक समझौता एक बैठक में नहीं होगा। बातचीत में हिजबुल्ला का कोई प्रतिनिधि शामिल नहीं था।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने दावा किया है कि

होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिका द्वारा लागू नाकेबंदी के बाद पिछले 48 घंटों में कोई भी जहाज ईरानी बंदरगाहों तक नहीं पहुंच पाया है। सेंटकॉम के अनुसार, नौ जहाजों ने अमेरिकी निर्देशों का पालन करते हुए अपना रास्ता बदल लिया। हालांकि, यह दावा ईरान की फार्स न्यूज एजेंसी की पहले आई रिपोर्ट से अलग है, जिसमें कहा गया था कि एक प्रतिबंधित ईरानी सुपरटैंकर होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर इमाम खुमैनी बंदरगाह की ओर बढ़ गया। रिपोर्ट में यह भी स्पष्ट नहीं हो पाया है कि लगभग 20 लाख बैरल कच्चा तेल ले जाने की क्षमता वाले इस टैंकर ने अपना माल उतारा या नहीं। ईरान की राजधानी तेहरान में विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह प्रतिनिधिमंडल अमेरिका की ओर से एक नया संदेश लेकर आया है और दोनों देशों के बीच संभावित दूसरे दौर की वार्ता पर चर्चा हुई। बताया जा रहा है कि इस मुलाकात में क्षेत्रीय हालात और कूटनीतिक प्रयासों को आगे बढ़ाने पर भी विचार-विमर्श किया गया। गाजा में हालात अब भी गंभीर बने हुए हैं। फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, पिछले 24 घंटों में इस्राइली सेना की कार्रवाई में 8 फलस्तीनियों की मौत हुई है और 29 लोग घायल हुए हैं। मंत्रालय ने यह भी दावा किया है कि अक्टूबर 2023 से जारी संघर्ष में अब तक 72,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग घायल हुए हैं। संघर्ष विराम के बाद भी हिंसा जारी रहने से हालात और बिगड़ते जा रहे हैं। ईरान और अमेरिका के बीच चल रही बातचीत के दूसरे दौर की तारीख अभी तक तय नहीं हो सकी है।

हथियार नहीं इंसाफ और करुणा से ही आएगी शांति

वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच डोनाल्ड ट्रंप और पोप लियो के बीच बयानबाजी तेज हो गई है। एक ओर जहां अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने पोप पर निशाना साधा है, वहीं पोप ने वैश्विक शांति की अपील करते हुए हिंसा को त्यागने का संदेश दिया है। पोप लियो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि दुनिया को युद्ध और हिंसा की सोच से बाहर निकलना होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि शांति प्रेम और न्याय पर आधारित होनी चाहिए, न कि डर, हथियारों या धमकियों पर। उन्होंने लिखा कि दुनिया को शांति चाहिए। अब युद्ध और उससे होने वाली मौत, विनाश और विस्थापन को रोकना होगा। पोप ने यह भी स्पष्ट किया कि सच्ची शांति जबरदस्ती से नहीं आती, बल्कि यह विश्वास, सहानुभूति और उम्मीद पैदा करती है। उन्होंने निर्अस्त्र शांति की अवधारणा पर बल देते हुए कहा कि यही मॉडल दुनिया को स्थिरता की ओर ले जा सकता है। दूसरी तरफ, डोनाल्ड ट्रंप ने पोप के इस रुख पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने दावा किया कि ईरान ने हाल के महीनों में हजारों निहत्थे प्रदर्शनकारियों को मार दिया है और ऐसे देश को परमाणु हथियार हासिल करने देना पूरी तरह अस्वीकार्य है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर पोप की टिप्पणी की आलोचना करते हुए कहा कि पोप का रुख वास्तविकता से दूर है। ट्रंप ने पहले भी पोप की आलोचना करते हुए उन्हें कमजोर बताया था और माफी मांगने से साफ इनकार कर दिया था। उन्होंने कहा कि वे पोप की राय से सहमत नहीं हैं और अपनी नीतियों पर कायम रहेंगे। हालांकि, पोप ने इस राजनीतिक विवाद में उलझने से इनकार किया है। अल्जीरिया की यात्रा के दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि वे राजनीति में नहीं पड़ना चाहते। उन्होंने कहा कि मैं कोई राजनेता नहीं हूं और न ही मेरी किसी राजनीतिक बहस में शामिल होने की मंशा है। लोग खुद निष्कर्ष निकाल सकते हैं। पोप ने यह भी चेतावनी दी कि धार्मिक संदेशों का राजनीतिक इस्तेमाल नहीं होना चाहिए और उनका ध्यान केवल वैश्विक शांति और मानवीय मूल्यों पर केंद्रित रहेगा। इस पूरे घटनाक्रम ने अमेरिका और वेटिकन के बीच वैचारिक टकराव को उजागर कर दिया है, जहां एक तरफ सुरक्षा और शक्ति की राजनीति है, तो दूसरी तरफ शांति और नैतिक मूल्यों की अपील।

ईरानी परमाणु कार्यक्रम पर बोले आईएईए प्रमुख- तेहरान बेहद महत्वकांक्षी

सियोल, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के महानिदेशक मारियानो राफेल ग्रॉसी ने कहा है कि पश्चिम एशिया में युद्ध खत्म करने के लिए अमेरिका-ईरान के बीच किसी संभावित समझौते में ईरान के परमाणु कार्यक्रम की जांच के लिए व्यापक उपाय शामिल किए जाने चाहिए। ग्रॉसी ने कहा कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम की सख्त और विस्तृत जांच की व्यवस्था के बिना कोई भी समझौता सिर्फ एक भ्रम साबित होगा। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी एजेंसी के प्रमुख ने साफ कहा है कि आईएईए निरीक्षकों को इसके लिए यदि पूरी पहुंच नहीं मिलती, तो ऐसा समझौता वास्तविक नहीं होगा। सियोल में संवाददाताओं से बात करते हुए ग्रॉसी ने कहा, 'ईरान का परमाणु कार्यक्रम बहुत महत्वाकांक्षी और व्यापक है, इसलिए इन सभी पहलुओं के लिए आईएईए निरीक्षकों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। उन्होंने कहा कि परमाणु प्रौद्योगिकी पर किसी भी समझौते के लिए 'बेहद विस्तृत सत्यापन तंत्र' की जरूरत होती है।

ईरान के परमाणु ठिकानों तक एजेंसी की पहुंच नहीं: इससे पहले फरवरी की अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की एक गोपनीय रिपोर्ट के अनुसार, जून में 12 दिनों के युद्ध के दौरान इस्राइल और अमेरिका द्वारा बमबारी किए गए परमाणु ठिकानों तक ईरान ने आईएईए को पहुंच नहीं

दी। रिपोर्ट में कहा गया कि एजेंसी यह सत्यापित नहीं कर सकती कि ईरान ने संवर्धन से संबंधित सभी गतिविधियां बंद कर दी हैं या प्रभावित परमाणु सुविधाओं में ईरान के यूरेनियम भंडार का आकार कितना बड़ा है। ईरान लंबे समय से अपने कार्यक्रम को शांतिपूर्ण बताता आया है। वहीं, आईएईए और पश्चिमी देशों का दावा है कि तेहरान के पास 2003 तक संगठित परमाणु हथियार कार्यक्रम था। आईएईए के अनुसार, ईरान के पास 60% तक संवर्धित 440.9 किलोग्राम यूरेनियम मौजूद है। ग्रॉसी ने कहा, ईरान अपने कार्यक्रम को हथियार बनाने की दिशा में ले जाता है, तो यह भंडार 10 परमाणु बम बनाने योग्य होगा। ग्रॉसी ने बताया कि उत्तर कोरिया के परमाणु ठिकानों पर गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं। उनकी टिप्पणी उन विदेशी पर्यवेक्षकों के नजरिये से मेल खाती है, जो मानते हैं कि वर्ष 2019 में अमेरिका के साथ कूटनीति विफल होने के बाद से उत्तर कोरिया ने अपने मुख्य योंगब्योन परमाणु परिसर का विस्तार किया है और अतिरिक्त यूरेनियम संवर्धन केंद्र बनाने के लिए कदम उठाए हैं। पिछले सितंबर में, दक्षिण कोरिया के एकीकरण मंत्री चुंग डोंग-यंग ने कहा था कि उत्तर कोरिया चार यूरेनियम संवर्धन केंद्र संचालित कर रहा है और वे प्रतिदिन काम कर रहे हैं। घटनाक्रम से संकेत मिलता है कि आईएईए की कड़ी शर्तें अमेरिका-ईरान के बीच किसी संभावित समझौते को प्रभावित कर सकती हैं। राफेल ग्रॉसी का यह बयान ऐसे समय पर आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि ईरान के साथ वार्ता का दूसरा दौर अगले दो दिनों में हो सकता है। ट्रंप प्रशासन ने कहा है कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना युद्ध का एक प्रमुख लक्ष्य है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,